राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार 22 मई 2023 वर्ष-6,अंक-117 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

बेस्ट फ्रेंड ओरहान के साथ दिखीं निसा देवगन

अजय देवगन और काजोल की बेटी निसा देवगन इन दिनों लंदन में छुट्टियां बिता रही हैं। इस बीच निसा के बेस्ट फ्रेंड ओरहान अवात्रामणि ने उनके साथ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें दोनों साथ में देर रात क्लब में इंजॉय करते नजर आ रहे हैं। ओरहान के अलावा निसा के दूसरे फ्रेंड्स भी उनके साथ पार्टी नाइट एंजॉय कर रहे हैं। ओरहान ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर निसा की कई तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में ओरी ने निसा की क्लोज अप फोटो शेयर की हैं, जिसमें वो कार पर बैठी हैं। इस दौरान उन्होंने ब्लैक ड्रेस स्टाइल की है। दूसरी फोटो में निसा और ओरहान साथ में पोज दे रहे हैं। इससे पहले ओरहान ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लंदन के एक क्लब की तस्वीरें शेयर कीं, जहां एक्ट्रेस दोस्तों के साथ पार्टी करती नजर आईं। बता दें कि ओरी और निसा अक्सर एक साथ छुट्टियां मनाते हैं। इतना ही नहीं दोनों ने पिछले साल क्रिसमस और न्यू ईयर भी एक साथ मनाया। करीब 2 महीने पहले मीडिया को दिए इंटरव्यू में अजय ने कहा था- 'मेरे बच्चों पर लोगों की नजरें हमेशा होती हैं और इस बात से मैं बहुत परेशान रहता हूं। लेकिन अगर मैंने कोई जवाब दिया तो मामला और बढ़ जाएगा।' इंटरव्यू के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके बच्चे फिल्मों में काम करना चाहते हैं। इस पर अजय ने कहा, 'मेरे बेटे युग ने अभी हिंदी फिल्में देखनी शुरू की हैं। लेकिन मेरी बेटी निसा अभी भी हमारी फिल्में नहीं देखती। उसे फिल्म देखने में कोई इंटरेस्ट नहीं है, अभी तक तो नहीं।' फिलहाल वह विदेश में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी कर रही है।

श्रीनगर जी-20 बैठक की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार

श्रीनगर,। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में सोमवार से तीसरी जी-20 पर्यटन कार्यकारी समूह की बैठक शुरू होने वाली है और 2019 में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के बाद पहले बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यहां डल झील के किनारे स्थित सुरम्य शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन कॉम्प्लेक्स (एसकेआईसीसी) में अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था के बीच तीन दिवसीय यह मेगा कार्यक्रम आयोजितकिया जा रहा है। एसकेआईसीसी को 22 से 24 मई तक जी-20 प्रतिनिधियों के लिए दुल्हन की तरह सजाया गया है। प्रतिनिधियों के स्वागत के लिए इमारतों को आकर्षक रूप प्रदान किया गया है। बैठक को बाधित करने की किसी भी आतंकवादी योजना को विफल करने के लिए श्रीनगर शहर में त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। आयोजन के लिए स्थल को साफ कर दिया गया है और सुरक्षा बल स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। सुरक्षाबलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से लेकर एसकेआईसीसी तक (जहां समारोह आयोजित) किया जा रहा है। सभी सड़कों की मेटल डिटेक्टर से तलाशी ली गई और कार्यक्रम के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए खोजी कुत्तों को भी लगाया गया। अधिकारियों का कहना है कि बैठक केंद्र शासितप्रदेश के पर्यटन क्षेत्र - विशेष रूप से कश्मीर घाटी की क्षमता (जहां आयोजन हो रहा है) को दुनिया के सामने ले जाएगी। मौजूदा संरचना के सौंदर्य मूल्य को बढ़ाने के लिए श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पूरे शहर को नया रूप दिया गया है। सड़कों की मरम्मत की गयी है। श्रीनगर स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत पूरी की गई कई परियोजनाओं का हाल ही में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उद्घाटन किया। श्रीनगर हवाईअड्डे से एसकेआईसीसी तक सड़कों के किनारे व्यूपॉइंट, होर्डिंग, साइनबोर्ड लगाए गए हैं और पौधारोपण किया गया है। जी-20 बैठक से पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों में उम्मीद जगी है। एक हाउसबोट के मालिक ने कहा, कश्मीरियों का आतिथ्य अद्भुत है और लोग मेहमानों का स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बैठक से न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि केंद्र शासित प्रदेश का विकास भी सामने आएगा। अधिकारियों ने बताया कि 22 और 23 मई को फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देने की रणनीति पर फोकस करते हुए आर्थिक विकास और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए फिल्म पर्यटन का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन जी-20 सदस्य देशों, आमंत्रित देशों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और उद्योग हितधारकों की भागीदारी का गवाह बनेगा। पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने में फिल्मों की भूमिका का उपयोग करने के लिए एक रोडमैप प्रदान करने के लिए फल्म पर्यटन पर राष्ट्रीय रणनीति का एक मसौदा तैयार किया जाएगा। जी-20 सदस्य देशों और आमंत्रित देशों के सम्मानित वक्ताओं की एक पैनल चर्चा फिल्मों के माध्यम से गंतव्यों को बढ़ावा देने में देश-विशिष्ट समर्थकों और चुनौतियों पर प्रकाश डालेगी।

हिन्दुस्तान जिंक पीपल फर्स्ट एचआर एक्सीलेंस अवार्ड 2023 से सम्मानित

उदयपुर,। वेदांता समूह की विश्व की दूसरी सबसे बडी एकीकृत जस्ता सीसा चांदी उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक को ह्लपीपल फर्स्ट एचआर एक्सीलेंस अवार्ड 2023ह्ल से सम्मानित किया गया है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरूण मिश्राा ने बताया कि कंपनी को प्रतिभा प्रबंधन और कर्मचारी संबंधों में अग्रणी अभ्यास की श्रेणियों में ह्लचौंपियनह्ल पुरस्कार प्रदान किये गये हैं। उन्होंने बताया कि कंपनी को ये अवार्ड कार्यबल विविधता और प्रतिभा प्रबंधन का सदुपयोग कर समग्र कार्यप्रणाली में एचआर प्रक्रियाओं को बदलने ओर उसे लागू करने के लिए प्रदान किए गए।

उत्तराखंड : 23 मई से पर्वतीय क्षेत्रों फिर बदलेगा मौसम, येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी

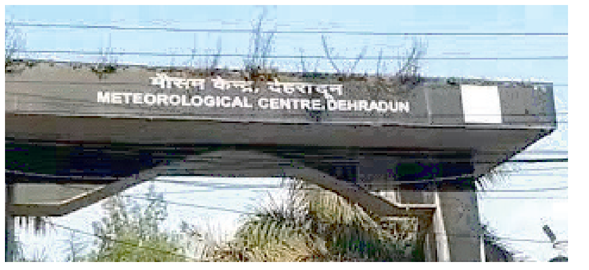

देहरादून, । राज्य में दो दिन बाद फिर से पर्वतीय क्षेत्रों फिर मौसम के बदलने की संभावना जताई गई है। इसके लिए मौसम विभाग ने बाकायदा अलर्ट भी जारी कर दिया है। विभाग ने 23 से लेकर 25 मई तक के लिए येलो और ऑरेंज अलर्ट की चेतावनी जारी की है। इस दौरान पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की से हल्की बारिश, ओलावृष्टि और गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने के साथ झोंकेदार हवाएं चलने की संभावनाएं जताई हैं। हालांकि शेष स्थानों पर मौसम शुष्क रहेगा। रविवार सुबह से देहरादून में हल्के बादलों के बीच राज्य के अधिकांश इलाकों में चटक धूप खिली रही। आज मौसम के सामान्य रहने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में एक बार फिर से 23 मई से मौसम करवट बदल सकता है। 22 मई को राज्य के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली जनपदों और कुमाऊं मंडल के पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं- कहीं बहुत हल्की बारिश और गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। 23 मई को राज्य के कुछ स्थानों में हल्की से मध्यम बारिश,गरज-चमक के साथ बारिश को लेकर येलो अलर्ट की चेतावनी जारी की गई है। 24 और 25 मई को राज्य के अधिकांश जनपदों के स्थानों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक के साथ बारिश के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के मुताबिक राज्य के पर्वतीय जिले उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा इन जिलों में 23 मई तक हल्की बारिश हो सकती है। राज्य के अन्य इलाकों में मौसम साफ रहने का पूवार्नुमान है। राज्य के पर्वतीय स्थानों पर 24 और 25 मई को गरज चमक के साथ ओलावृष्टि और झोंकेदर हवाओं के चलने के आसार हैं। अगले दिनों में मैदानी इलाकों में तापमान 36 डिग्री तक पहुंच सकता है। 23 मई को 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे और 24 और 25 मई को प्रदेश के पहाड़ी जनपदों में बारिश, ओलावृष्टि और मैदानी इलाकों में 50 से 60 से लेकर 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के आसार हैं।

फिरोजपुर में इथेनॉल संयंत्र के आसपास का पानी पीने लायक नहीं : सीपीसीबी रिपोर्ट

फिरोजपुर (पंजाब), । पंजाब के फिरोजपुर जिले में एक इथेनॉल संयंत्र के समीप 29 बोरवेल से लिए पानी के नमूने पीने के लिए अनुपयुक्त पाए गए और इनमें दुर्गंध भी थी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। राष्ट्रीय हरित अधिकरण को सौंपी रिपोर्ट के अनुसार, पानी के नमूनों में कुल विघटित ठोस (टीडीएस), बोरॉन तथा सल्फेट स्वीकार्य सीमा से अधिक मात्रा में पाए गए। इसमें कहा गया संयंत्र के भीतर स्थित दो बोरवेल से लिए पानी के नमूनों में बड़ी मात्रा में आर्सेनिक, क्रोमियम, लौह, मैंगनीज, निकेल और सीसा समेत भारी धातु पायीं गयी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने जनवरी में ग्रामीणों द्वारा इस संयंत्र के खिलाफ प्रदर्शन करने के बाद इसे तत्काल बंद करने का आदेश दिया था। एक निरीक्षण दल ने भी पाया कि संयंत्र परिसर में केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) या पंजाब जल नियमन एवं विकास प्राधिकरण (पीडब्ल्यूआरडीए) से कथित तौर पर अनुमति लिए बगैर 10 बोरवेल और भूजल के दबाव को मापने वाले छह पीजोमीटर लगाए गए। सीपीसीबी की रिपोर्ट के अनुसार, इनमें से दो बोरवेल दिशा-निर्देशों का उल्लंघन कर कुछ मीटर की दूरी पर ही लगाए गए। संयंत्र में लगाए पीजोमीटर तथा तीन बोरवेल से लिए गए नमूने भारी धातु के संदूषण से मुक्त पाए गए। हालांकि, इसी संयंत्र में लगे दो बोरवेल में पानी भारी धातु, सीओडी (केमिकल ऑक्सीजन डिमांड) से दूषित पाया गया। सीपीसीबी दल ने दूषित क्षेत्र का पता लगाने के लिए जांच कराने और उपचारात्मक कदम उठाने की सिफारिश की है।

शिवराज सरकार का एक और कीर्तिमान, हवाई यात्रा से देव दर्शन करानेवाला देश का पहला राज्य बना मप्र

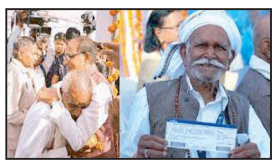

भोपाल,। मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार एक के बाद एक नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। बात लगातार सातवीं बार कृषि कर्मण अवॉर्ड लाने की हो, घर-घर जल पहुंचाने की या फिर लाड़ली लक्ष्मी, लाड़ली बहना के बाद मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना को धरातल पर सफलता से उतारने की। मुख्यमंत्री शिवराज अब तक अपने नवाचारों और योजनाओं से सभी का दिल जीतते रहे हैं। इस बार उन्होंने बुजुर्ग तीर्थयात्रियों को विमान से प्रयागराज रवाना कर वह कर दिखाया है जिसके बारे में मध्य प्रदेश को छोड़ कोई राज्य पहल करना तो दूर अब तक कागजों तक में एक कदम आगे नहीं बढ़ा पाया है। राजा भोज एयरपोर्ट से 32 बुजुर्ग धार्मिक यात्रा पर रवानाः तीर्थयात्री इंडिगो की उड़ान से प्रयागराज रवाना हुए हैं। मुख्यमंत्री शिवराज ने बुजुर्ग महिला तीर्थयात्री कृष्णा चौबे को बोर्डिंग पास देकर औपचारिक रूप से यात्रा का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज राजा भोज एयरपोर्ट से 32 बुजुर्ग तीर्थ यात्रियों को विमान से धार्मिक यात्रा पर भेजा है। रवानगी से पहले मुख्यमंत्री शिवराज ने बुजुर्ग तीर्थयात्रियों को शाल-श्रीफल भेंट कर उनका सम्मान किया। चौहान ने कहा- भारतीय जनता पार्टी की सरकार का कर्तव्य है कि मनुष्य को हर प्रकार की सुख देने की कोशिश करना है। धार्मिक हवाई यात्रा के इस प्रथम चरण के शुभारंभ के साथ ही आगामी 19 जुलाई तक 25 जिलों के तीर्थयात्री 25 फ्लाइट्स से प्रयागराज, शिर्डी, मथुरा-वृंदावन और गंगासागर धाम की यात्रा करेंगे। शिवराज ने निभाई श्रवण कुमार की भूमिकाः मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेश के गरीब बुजुर्गों के लिए वर्ष 2012 में मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना शुरू कर श्रवण कुमार की भूमिका निभाई थी। योजना में अभी तक 782 विशेष ट्रेनों में सात लाख 82 हजार बुजुर्ग तीर्थयात्रा कर चुके हैं। वायुयान के और चरणः मुख्यमंत्री चौहान ने वायुयान से मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना का लाभ प्रदेश के बुजुर्गों को सहज उपलब्ध कराने के लिए मई से जुलाई माह तक की प्रभावी कार्ययोजना बनाई है। इसका शुभारंभ आज (21 मई) भोपाल से प्रयागराज के लिए इन बुजुर्गों को यात्रा पर भेजकर हुआ है । 19 जून को रतलाम के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से शिर्डी तथा 20 जून को शाजापुर के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से शिर्डी के लिए रवाना होंगे। इस बुजुर्ग तीर्थ यात्रा के क्रम में 22 जून को सागर के तीर्थयात्री भोपाल एयरपोर्ट से वाया आगरा एयरपोर्ट मथुरा-वृंदावन। 23 जून को खरगोन के तीर्थयात्री इंदौर एयरपोर्ट से वाया कोलकाता गंगासागर और उज्जैन के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से शिर्डी। दो जुलाई को विदिशा के तीर्थ-यात्री भोपाल एयरपोर्ट से प्रयागराज। तीन जुलाई को आलीराजपुर के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से शिर्डी। चार जुलाई को राजगढ़के तीर्थयात्री भोपाल एयरपोर्ट से वाया आगरा एयरपोर्ट मथुरा-वृंदावन। छह जुलाई को सीहोर के तीर्थ-यात्री भोपाल एयरपोर्ट से वाया आगरा एयरपोर्ट मथुरा-वृंदावन। सात जुलाई को धार के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से शिर्डी जाएंगे । 16 जुलाई को रायसेन के तीर्थयात्री भोपाल एयरपोर्ट से प्रयागराज और 19 जुलाई को झाबुआ के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से शिर्डी की यात्रा विमान से करने का अभी शेड्यूल निर्धारित किया गया है। बुजुर्ग तीर्थयात्रियों के विमान से पहली बार यात्रा करने के शुभ अवसर पर मंत्री उषा ठाकुर, मंत्री विश्वास सारंग समेत विधायक रामेश्वर शर्मा, विष्णु खत्री कृष्णा गौर, भोपाल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष कृष्ण मोहन सोनी, एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी समेत अनेक गणमान्य नागरिक एवं भाजपा नेता उपस्थित रहे।

बीएसएफ ने अमृतसर सीमा के पास नशीला पदार्थ ले जा रहे पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया

जालंधर, । सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने शनिवार रात अमृतसर जिले के धनोकलां गांव के पास एक पाक ड्रोन को मार गिराया। बीएसएफ के जनसंपर्क अधिकारी ने रविवार को बताया कि सीमा सुरक्षा बल के जवानों को अमृतसर के गांव धनोकलां के पास एक संदिग्ध पाक ड्रोन की भनभनाहट सुनाई दी। उन्होंने बताया कि जवानों ने ड्रोन को रोकने के लिए तुरंत प्रतिक्रिया दी और पाक ड्रोन को मादक पदार्थ के साथ सफलतापूर्वक मार गिराया। क्षेत्र की प्रारंभिक तलाशी के दौरान, बीएसएफ के जवानों ने 3.3 किलोग्राम हेरोइन की खेप के साथ एक ड्रोन (क्वाडकॉप्टर, डीजेआई मैट्रिस, 300 आरटीके) बरामद किया।

श्री नैना देवी मंदिर और दिल्ली के बीच जल्द शुरू होगी बस सेवा : हिमाचल के उपमुख्यमंत्री

बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश),। हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने घोषणा की है कि बिलासपुर स्थित श्री नैना देवी मंदिर और दिल्ली के बीच जल्द ही बस सेवा शुरू की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय निवासियों के एक समूह ने शनिवार शाम इस संबंध में अग्निहोत्री से मुलाकात की थी, जिसके बाद यह घोषणा की गई। उन्होंने कहा, श्री नैना देवी मंदिर और दिल्ली के बीच जल्द ही बस सेवा शुरू की जाएगी। इस पहल से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और मंदिर की यात्रा सुगम होगी। अग्निहोत्री ने बताया कि चिंतपूर्णी माता और खाटूश्याम मंदिर, बाबा बालक नाथ मंदिर और अमृतसर, बाबा बालक नाथ (दियोटसिद्ध) और दिल्ली के बीच भी बस सेवाएं शुरू करने का प्रस्ताव है और इस संबंध में सभी औपचारिकताएं जल्द पूरी कर ली जाएंगी। हिमाचल प्रदेश में बड़ी संख्या में प्राचीन मंदिर और पांच शक्तिपीठ-चिंतपूर्णी, बज्रेश्वरी माता, चामुंडा देवी, नैना देवी और ज्वालाजी मंदिर स्थित हैं। इन धार्मिक स्थलों पर हर साल लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। अधिकारियों ने बताया कि अग्निहोत्री ने जल शक्ति विभाग, हिमाचल पथ परिवहन निगम और परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर बिलासपुर जिले में जारी विकास कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने जल शक्ति विभाग को गर्मी के दौरान लोगों के लिए पेयजल की समय पर और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 8,115 हुई

नई दिल्ली, । भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 756 नए मामले सामने आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,49,86,461 करोड़ हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या 8,675 से घटकर 8,115 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से आठ और मरीजों की मौत के बाद देश में कोरोना वायरस संक्रमण से जान गंवाने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 5,31,832 हो गई है। मृतकों में वे दो लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनःमिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से दम तोड़ने वाले मरीजों की सूची में जोड़े हैं। अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, देश में अभी 8,115 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है। उपचाराधीन मरीजों की यह संख्या कुल मामलों का 0.02 प्रतिशत है। भारत में मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.80 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, भारत में अभी तक कुल 4,44,46,514 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, भारत में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 220.66 करोड़ खुराक लगाई जा चुकी हैं। गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। चार मई 2021 को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। पिछले साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार चले गए थे।

संपादकीय

अरावली पर सख्ती

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील अरावली क्षेत्र में अवैध खनन पर रोक लगाने के प्रयासों में शिथिलता के चलते एक बार फिर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी एनजीटी ने तल्खी दिखायी है। निस्संदेह, हरियाणा सरकार की आलोचना के मूल में चिंता बढ़ाने वाली चूकों की लंबी शृंखला शामिल है। दरअसल, प्राधिकरण का मानना है कि कई गंभीर मामलों में कानूनी बाध्यता के बावजूद प्राथमिकी तक दर्ज नहीं की गई। वहीं दूसरी ओर कई मामलों में जांच-पड़ताल लंबे समय से लंबित रही है। इतना ही नहीं, कई मामलों में कानून के प्रासंगिक प्रावधान प्राथमिकी और चार्जशीट में नहीं जोड़े गये हैं। विडंबना ही है कि अवैध खनन व परिवहन से संबंधित सात आपराधिक मामलों में आरोपी बरी हो गये। निस्संदेह, यह घटनाक्रम बताता है कि अवैध खनन रोकने की दिशा में कारगर कदम नहीं उठाये गये हैं। कह सकते हैं कि जिम्मेदार अधिकारियों की अक्षमता, पर्याप्त प्रशिक्षण का अभाव व कदाचार के बीच लापरवाही के चलते कानूनी प्रावधानों का पालन नहीं हो पाया है। इन मामलों में निष्क्रियता का उल्लेख एनजीटी ने किया भी है। विगत में भी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल तंत्र की उदासीनता की ओर ध्यान दिला चुका है और सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग कर चुका है। कह सकते हैं कि एनजीटी की हालिया टिप्पणी राज्य सरकार के उन दावों की हकीकत पर सवाल उठाती है जिसको लेकर राज्य सरकारें मामले में सक्रिय होने का दावा करती रही हैं। यही वजह है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल इस मामले में सख्त टिप्पणी करता रहा है। बहरहाल, इस समस्या का गाहे-बगाहे उजागर होना दर्शाता है कि इस मामले में सख्त कार्रवाई के लिये प्रशासनिक व राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी रही है। दरअसल,अरावली क्षेत्र में प्रतिबंध के बावजूद स्टोन क्रशर और स्क्रीनिंग प्लांट्स की गतिविधियां चिंता बढ़ाने वाली बतायी जाती हैं, जिसके बाबत एनजीटी ने जानकारी मांगी है। अरावली क्षेत्र में खनिजों की खरीद, उन्हें ले जाने वाले वाहनों के लिये स्थापित चेकपोस्टों की संख्या, जीपीएस आदि आधुनिक तकनीकों समेत निगरानी तंत्र के बाबत राज्य सरकार से हलफनामा मांगा गया है। साथ ही हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से कहा गया है कि वह पर्यावरण क्षतिपूर्ति व अवैध खनन रोकने के लिये एकत्र किये गये जुर्माने के उपयोग से भूमि को मूल अवस्था में लाने तथा पुनर्वास करने के लिये एक कार्य योजना प्रस्तुत करे । निस्संदेह, इस जटिल होती समस्या के स्थायी समाधान के लिये एक स्वतंत्र अरावली संरक्षण प्राधिकरण स्थापित करने पर विचार करने की जरूरत महसूस की जा रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि एनजीटी के सख्त रवैये के बाद राज्य सरकार प्रभावी कार्रवाई के लिये रणनीति में बदलाव करेगी। सही मायनों में यदि राज्य सरकार वाकई ही खनन माफिया की गतिविधियों पर लगाम लगाने के प्रति गंभीर दिखना चाहती है तो इस मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को भी जांच व कार्रवाई के दायरे में लाने की जरूरत है। तभी हम पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यो में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कर्नाटक को संकट से उबारने में सोनिया कामयाब

(लेखक -सुनील माथुर)

सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद अब कर्नाटक संकट खत्म हो गया है। कर्नाटक में कांग्रेस के पक्ष में नतीजे आने के बाद भी मुख्यमंत्री को लेकर जिस तरह की उठापटक जारी थी उसका संदेश जनता के बीच गलत जा रहा था और कांग्रेस की जीत पर बुरा असर डाल रही थी। लेकिन सोनिया गांधी ने वक्त रहते इस समस्या का समाधान कर दिया। कांग्रेस की यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है, क्योंकि उसने घर के झगड़े को निपटा दिया। पार्टी को मिले भारी जनादेश की मांग भी यही रहीं। कांग्रेस ने घरेलू झगड़े को निपटा कर राजनीति में अपनी साख को और बेहतर किया है।यह भाजपा के लिए आंतरिक रूप से झटका है। क्योंकि यह विवाद जितना लंबा खींचता भाजपा कांग्रेस की जीत पर उतना तीखा हमला करती। लेकिन समय रहते सोनिया गांधी ने अच्छा फैसला लिया। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद यह संदेश साफ हो गया है कि उन्होंने राजनीति से भले सन्यास लिया हो, लेकिन पार्टी में दस जनपथ यानी गांधी परिवार का हस्तक्षेप उतना ही मजबूत है जितना कभी था और है। यह दीगर बात है कि पार्टी की कमान इस वक्त खड़गे के हाथ में है। पार्टी में सोनिया गांधी की साख एक अलग तरीके की है। सोनिया गाँधी एक सुलझी हुईं और गंभीर महिला हैं। हालांकि वह बोलती कम है, लेकिन पार्टी पर जब चौतरफा हमला होता है तो वह खुद आगे आकर कमान संभालती हैं। डीके शिवकुमार सोनिया गांधी के बेहद करीबी हैं। सोनिया गांधी के आशीर्वाद से ही डीके शिवकुमार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए। क्योंकि तिहाड़ जेल में जब शिवकुमार बंद थे तो सोनिया गांधी स्वयं उनसे मिलने गई थी। ऐसे हालात में डीके शिवकुमार को सोनिया गांधी के सामने झुकना ही पड़ा। हालांकि डीके शिवकुमार को सोनिया गांधी ने पूरा भरोसा दिया है की उनका पूरा ख्याल रखा जाएगा और वे प्रदेश अध्यक्ष साथ उपमुख्यमंत्री की भी कमान वह संभालेंगे। कर्नाटका में कांग्रेस की जीत हुई है, लेकिन पूरा विपक्ष एक तरह से खुद की जीत इसे मान रहा है। क्योंकि जिस तरह कांग्रेस ने भाजपा को पटखनी दी है। विपक्ष के लिए आक्सीजन मिल गया है। विपक्ष को भी एक बात समझना होगा कि बगैर कांग्रेस के विपक्ष भजपा से यह लड़ाई नहीं जीत सकता है। उसे कांग्रेस के साथ खड़े रहना होगा। विपक्ष में काफी उम्मीदें बढ़ गई हैं। कर्नाटक की जीत के बाद विपक्ष को 2024 लोकसभा चुनाव दिख रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी अब कांग्रेस के करीब आने लगी। उन्होंने तकरीबन 200 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस का सहयोग करने की बात कहा है। निश्चित रूप से कर्नाटक में कांग्रेस नहीं पूरे विपक्ष की जीत है। लेकिन इस चीज को कांग्रेस को बनाए रखना होगा। विशेषकर उसे भ्रष्टाचार के आरोपों से बचना होगा। आम लोगों को स्वच्छ पारदर्शी प्रशासन उपलब्ध कराना होगा। राज में अफसरशाही को और लचीला बनाना होगा। सरकार को सीधे जनता से ताल्लुक रखना होगा। चुनाव में किए गए वादे को पार्टी को शत प्रतिशत निभाना होगा। हालांकि राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं कि राज्य में सरकार बनते ही उन घोषणाओं पर अमल किया जाएगा। लेकिन सबसे पहले जनता की मूलभूत जरूरतों और स्वच्छ एवं पारदर्शी प्रशासन की आवश्यकता है। अगर ऐसा होता है तो लोकसभा चुनाव में पार्टी को अच्छाखासा परिणाम मिल सकता है।

कर्नाटक के सत्ता की कमान अब सिद्धारमैया के हाथ में होगी। रमैया एक मजे हुए राजनेता है और राज्य के मुख्यमंत्री की कमान कई बार संभाल चुके हैं। लिंगायत और दूसरे समाज के लोगों में भी उनकी अच्छी खासी पकड़ है। दलित समाज के लोग भी उन्हें अच्छी तरजीह देते हैं। जबकि डीके सुकुमार का प्रभाव राज्य के कुछ निश्चित इलाके तक ही सीमित है। दूसरी तरफ उन पर भ्रष्टाचार के कई आरोप है। कांग्रेस अगर उन्हें मुख्यमंत्री बना देती तो निश्चित रूप से केंद्रीय जांच एजेंसियां उनके और पार्टी के लिए मुसीबत बन सकती हैं। उस हालत में जहां कांग्रेस की छवि खराब होती है वहीं पार्टी को करारा झटका लगता। ऐसे हालात में पार्टी किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं लेना चाहती थी। जिसकी वजह से कर्नाटक संकट के हल के लिए सोनिया गांधी को डीके शिवकुमार से बात करनी पड़ी। जबकि सोनिया गांधी से मुलाकात के पूर्व वे मुख्यमंत्री पद लेने पर पड़े थे। हालांकि सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद मान गए। सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच पेंच को सुलझाने के लिए 30-30 महीने के कार्यकाल के लिए दोनों को मुख्यमंत्री बनाने का प्रस्ताव भी रखा गया लेकिन डीके शिवकुमार को यह बात मंजूर नहीं थी। शिवकुमार राहुल गांधी से भी मिले, लेकिन वह मुख्यमंत्री पद छोड़ने को तैयार नहीं दिखे। फिर बात सोनिया गाँधी तक गयीं। सोनिया गांधी और शिव कुमार की मुलाकात का इतना असर हुआ कि वह अपनी उन्होंने अपनी जिद छोड़ दिया और कांग्रेस को संकट से उबार लिया।

डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद पर अड़े रहते तो कांग्रेस के लिए बड़ा संकट बन सकता था। हालांकि राज्य में शिव कुमार ने अच्छा काम किया है जिसकी वजह से पार्टी को जीत भी मिली। कांग्रेस की जीत में शिवकुमार की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। सांगठनिक स्तर पर कांग्रेस को मजबूती दिलाने में उनकी अच्छी खासी भूमिका रही है। वैसे मुख्यमंत्री बनाने का अंतिम फैसला खरगे पर छोड़ दिया गया था। लेकिन जब उनकी नहीं चली तो उन्हें सोनिया गांधी से निवेदन करना पड़ा। फिर सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद शिवकुमार अपने रास्ते पर आ गए हैं। कर्नाटक में इसके पूर्व परम्परा रहीं थी कि प्रदेश अध्यक्ष रहने वाले को मुख्यमंत्री पद दिया जाता था। 1989 में वीरेंद्र पाटिल और 1999 में एमएस कृष्णा को मुख्यमंत्री बनाया गया था। हालांकि बीबीसी के अनुसार इस दौरान गुप्त मतदान भी कराया गया था। उस दौरान यह प्रस्ताव खड़गे की तरफ से दिया गया था। कर्नाटक चुनाव नतीजे आने के बाद डीके शिवकुमार बेहद भावुक हो गए थे। अच्छी खासी जीत की उम्मीद उन्हें भी नहीं थी, लेकिन आशा के विपरीत मिली सफलता से वह भावुक हो गए और सोनिया गांधी के प्रति आभार भी जताया।

कर्नाटक में सिद्धारमैया की छवि बेहद साफ-सुथरी है। वह एक कुशल प्रशासक के रूप में भी जाने जाते हैं। भ्रष्टाचार का कोई बड़ा आरोप नहीं है। चुनाव के बाद उन्होंने कहा था यह उनका अंतिम चुनाव होगा। जिसकी वजह से जनता की ओर से कांग्रेस और उन्हें सहानुभूति का लाभ में मिला। समाज के सभी वर्गों में उनकी अच्छी खासी पैठ। सभी लोगों को एक साथ लेकर चलते हैं। फिलहाल कांग्रेस बड़ी सूझबूझ से अपने घर के झगड़े को निपटा लिया है। यह उसकी सबसे बड़ी कूटनीतिक और नैतिक सफलता है। अब कर्नाटक जीत के बाद उसे राज्य की जनता और उसके भरोसे को जीतना होगा।

(बरिष्ठ पत्रकार, लेखक और समीक्षक)

मुफ्त की राजनीति विजय की गारंटी नहीं

अवधेश कुमार

पहले हिमाचल प्रदेश और अब कर्नाटक के चुनाव परिणामों ने विचार को बाध्य किया है कि लोक कल्याणकारी कार्यों के नाम पर जनता को मुफ्त वस्तुएं और सेवाएं देने की घोषणाएं 'फ्रीबीज़' कितनी जायज हैं। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप ने राजधानी दिल्ली में चुनावी विजयों की दृष्टि से इसका सर्वाधिक चतुर उपयोग किया है। इसे ही विस्तारित करते हुए पंजाब तक ले गए। अब दूसरी पार्टियां भी धीरे-धीरे आप का अनुसरण कर रही हैं। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने से लेकर राशन, बिजली सहित ऐसे वायदे किये जो अर्थव्यवस्था के लिए क्षतिकारक हैं। संयोग से उसे विजय प्राप्त हुई। कर्नाटक में उसने ज्यादा विस्तार किया है। स्वाभाविक ही इस अंधी दौड़ में जो पार्टियां या व्यक्ति उसके विरोध में खड़ा होगा वह आज के हल्ला बोल माहौल में गरीब विरोधी और पूंजीपतियों, कॉर्पोरेट का दलाल और समर्थक तक करार दिया जाएगा। गांधी जी ने कहा था कि मैं देश में किसी मुफ्तखोरी की अनुमति नहीं दे सकता। वास्तव में अगर गहराई से देखें तो राजनीतिक पार्टियों की मुफ्त दान संबंधी घोषणायें और कदम देश के सामूहिक मानस को श्रम विमुख बना देना है। जिस व्यक्ति, समाज और देश के अंदर यह भाव और व्यवहार नहीं है कि अपने समक्ष उत्पन्न कठिनाइयों, चुनौतियों को स्वयं के संकल्प और परिश्रम से निपटा जाएगा तो वह व्यक्ति, समाज और देश कभी सशक्त व स्वावलंबी नहीं हो सकता। एक बार समाज को अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की मुफ्तखोरी का स्वाद लग गया तो परिश्रम कर स्वयं को सक्षम बनाने का संस्कार नष्ट हो जाता है। उसमें उसका आत्मविश्वास भी खत्म हो जाता है। इस विचार और व्यवहार का प्रभाव देखिए कि जिनके लिए कुछ किलो राशन, कुछ यूनिट बिजली या कुछ लीटर पानी का व्यय मायने नहीं रखता वह भी इससे प्रभावित होते हैं। कई चुनाव परिणामों विशेषकर दिल्ली, पंजाब आदि चुनाव परिणामों का निष्कर्ष तो यही है। वैसे भारत में मतदाताओं को रिझाने के लिए सरकारी खजाने से मुफ्त दान का लंबा इतिहास है किंतु इसकी शुरुआत लोग दक्षिण के आंध्र और तमिलनाडु जैसे राज्यों से मानते हैं। वहां मुफ्त चावल से लेकर कलर टीवी, केबल कनेक्शन, मोबाइल तक देने की घोषणाएं हुईं और दी गईं। समाज में वास्तविक वंचित, निराश्रित, कमजोर को राज्य मूलभूत आवश्यकताएं प्रदान कर संरक्षण दे यह समझ में आता है। किंतु सक्षम, समर्थ को भी मुफ्त दिया जाए, यह खतरनाक है। वह भी उपभोक्तावादी वस्तुएं। केंद्र एवं राज्यों को आय के अनुरूप ही कल्याण और विकास के बीच संतुलन बनाते हुए खर्च करना है। इस तरह के मुफ्त दान और एक वर्ग को खुश करने के लिए पेंशन आदि बढ़ाई तो उसका असर समूची अर्थव्यवस्था पर होता है और दूसरे समूह भी इसकी मांग करते हैं। इससे विकास की नीतियां और कार्यक्रम प्रभावित होते हैं तथा व्यवहार में आम लोगों के कल्याणकारी योजनाओं में भी कटौती करनी पड़ती है। तो राजनीतिक दलों के लिए भी लंबे समय तक के लिए यह लाभकारी नहीं हो सकता। लोगों को उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप सांस्कृतिक, शैक्षणिक, धार्मिक, सामाजिक परिवेश सुरक्षा का वातावरण तथा विकास चाहिए और न होने पर वह किसी पार्टी को सत्ता से हटा सकते हैं। एनटी रामाराव के नेतृत्व में ही तेलुगू देशम पार्टी चुनाव में बुरी तरह पराजय हुई। अकाली दल ने भी पंजाब में लोगों को मुफ्त में काफी कुछ दिया लेकिन यह उसकी सत्ता की स्थाई गारंटी नहीं बन सका। इसके विपरीत गुजरात में भाजपा लगातार 1995 से सत्ता में है। वहां के मतदाताओं ने आम आदमी पार्टी की मुफ्त घोषणाओं को स्वीकार नहीं किया। ये उदाहरण राजनीतिक दलों के लिए सीख होनी चाहिए। वास्तव में मुफ्त दान यानी फ्रीबीज़ से विजय चुनाव परिणामों का केवल एक पक्ष है।

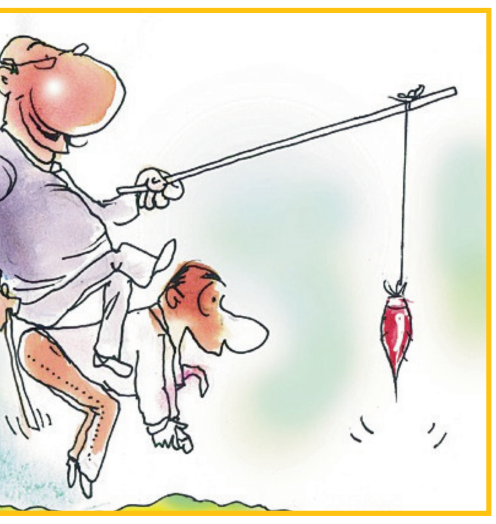

तात्कालिक वोट की राजनीति के लिए कुछ कदम उठाते वह भी अपने दूरगामी लकवा आदर्श तथा उत्तरदायित्व के प्रति हमेशा सतर्क रहना होगा। हिमाचल या कर्नाटक की पराजय भाजपा के अंदरूनी कलह की परिणति थी। आखिर किसान सम्मान निधि, कोरोना काल से अब तक मुफ्त राशन सहित घोषणा पत्र में स्वयं कई मुफ्त वायदों के बावजूद उसे पराजय मिली तो कारणों की गहराई से समीक्षा करनी चाहिए। अगर शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व की तरह राज्य संगठन एवं सरकार अपने लक्ष्यों, विचार एवं योजनाओं के प्रति ईमानदारी और प्रतिबद्धता परिलक्षित करेंगे तो जनता नकार नहीं सकती। तात्कालिक परिस्थितियों में किन्ही कारणों से पराजय मिली तो फिर से वापसी भी हुई है। कई दूसरे दलों के साथ भी यही लागू होता है। वक्त की जरूरत है कि व्यक्ति अपने संकीर्ण स्वार्थों के बजाय राष्ट्रीय हितों को तरजीह दे। यदि मुफ्त की राजनीति से देश के व्यापक आर्थिक हितों को चोट पहुंचती है तो उससे देश का हर नागरिक प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता।

सरकार की सुप्रीम कोर्ट को चुनौती?

(लेखक-सनत कुमार जैन)

केंद्र सरकार ने दिल्ली के लिए एक नया अध्यादेश जारी किया है। दिल्ली सरकार में ट्रांसफर, पोस्टिंग और विजिलेंस के काम के लिए नेशनल कैपिटल सिविल सर्विसेज अथॉरिटी का गठन किया गया है। यह प्राधिकरण अब दिल्ली सरकार में ट्रांसफर, पोस्टिंग से संबंधित फैसले करेगी। जो नया प्राधिकरण बना है। उसमें जनता द्वारा निर्वाचित मुख्यमंत्री का कोई विशेषाधिकार नहीं होगा। मुख्यमंत्री दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव और गृह सचिव के साथ बहुमत के आधार पर निर्णय लेंगे। इसके बाद भी अंतिम फैसला उपराज्यपाल का माना जाएगा। यह अध्यादेश संघीय व्यवस्था में निर्वाचित सरकारों के अधिकारों को तो सीमित करता है। संविधान के अनुरूप यह अध्यादेश नहीं है। जिसके कारण इस अध्यादेश को लेकर तीव्र प्रतिक्रिया सभी और देखने को मिल रही है। पिछले 8 वर्षों से दिल्ली सरकार के अधिकारों को लेकर जो विवाद पैदा हुआ था। उस विवाद में दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने समय-समय पर सुनवाई कर फैसले दिए। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने सारी स्थितियों पर सुनवाई करने के बाद बहुमत से निर्णय दिया था। संविधान के अनुसार चुनी हुई निर्वाचित सरकार ही सर्वोपरि है। उपराज्यपाल को सरकार की सलाह पर काम करने का निर्णय सुप्रीमकोर्ट ने दिया। सुप्रीम कोर्ट ने बहुत व्यथित तरीके से राज्यपाल की भूमिका पर चर्चा की थी। संविधान पीठ के सभी सदस्यों ने संघीय व्यवस्था में, निर्वाचित सरकारों के अधिकारों के पक्ष में अपना निर्णय दिया। यह अकेले दिल्ली की बात नहीं है। पिछले 8 वर्षों में कई राज्यों में राज्यपालों द्वारा निर्वाचित सरकार की सलाह को अनदेखा करते हुए राज्यपाल ने राज्य सरकारों को अपने इशारों पर नियंत्रित करने की भूमिका पर सुप्रीमकोर्ट ने सख्त आपत्ति जताई है। इस पूरे मामले में, सुप्रीम कोर्ट का दिल्ली सरकार के मामले में दिया गया, फैसला एक आदर्श फैसला था। महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में भगतसिंह कोशियारी की भूमिका को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट ने जो टिप्पणी की है। वह केंद्र सरकार एवं राज्यपालों तथा उप राज्यपालों की सीमा रेखा को तय करने वाली थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश होने के बाद जिस तरह केंद्र सरकार द्वारा अध्यादेश जारी कर, निर्वाचित मुख्यमंत्री को ना केवल मुख्य सचिव और गृह सचिव के बराबर लाकर खड़ा कर दिया है। वरन उसके ऊपर उपराज्यपाल को बिठा दिया है। भारत की संघीय व्यवस्था के लिए यह सबसे खराब स्थिति है। पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार जिस तरीके के टैक्स एवं शुल्क लगा रही है। उसका हिस्सा राज्यों को नहीं मिलता है। उपकर और विशेष शुल्क के रूप में केंद्र सरकार ने लाखों - करोड़ों रुपए प्रति वर्ष राजस्व एकत्रित किया है। लेकिन इसका हिस्सा राज्यों को नहीं दिया है। जिसके कारण राज्यों की आर्थिक व्यवस्था दयनीय स्थिति में पहुंच गई है। राज्यपालों की भूमिका को लेकर भी गैर भाजपाई सरकारों और केंद्र सरकार के बीच में लगातार विवाद की स्थिति देखने को मिल रही है। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ के फैसले को जिस तरह से अध्यादेश के माध्यम से निष्फल करने की कोशिश की गई है। वह भी चिंता पैदा करने वाली स्थिति है। ऐसी स्थिति में अब न्यायपालिका के प्रति वह विश्वास भी नहीं होगा, जो अभी सभी वर्गों में न्यायपालिका को लेकर होता था। वर्तमान अध्यादेश से यही संदेश जा रहा है। केंद्र सरकार ने अपने आपको सुप्रीम मानते हुए न्यायपालिका को शायद अपने अधीन मान लिया है। सरकार ने अध्यादेश के माध्यम से कानून बना दिया है। सरकार के बनाये कानून का पालन करना, सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी है।

संविधान के मौलिक अधिकार एवं संवैधानिक संस्थाओं के अधिकारों का अब कोई लेना देना नहीं रहा। संवैधानिक जानकारों का कहना है, कि जब केंद्र सरकार को दिल्ली सरकार को संघीय एवं निर्वाचित सरकार के रूप में अधिकार नहीं देना चाहती है। ऐसी स्थिति में दिल्ली विधानसभा को भंग करके केंद्र के अधीन लाना चाहिए, यह जरूर संविधान सम्मत होगा।

ई-स्कूटर्स की दुनिया में ओला चल रहा सिक्का

टीवीएस, बजाज व हीरो जैसी कंपनियों को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली । इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की दिनों दिन सेल देश में बढ़ती जा रही है। पेट्रोल स्कूटर्स के मुकाबले अब लोग ई-स्कूटर्स को ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण इनकी रनिंग कॉस्ट और मेंटेनेंस का कम होना है। ऐसे में ओला ने इलेक्ट्रिक स्कूटर्स के बाजार में अपना एक अलग मुकाम कायम कर लिया है। अप्रैल की सेल पर नजर डाली जाए तो ओला ने सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक स्कूटरों की सेल की है। वहीं टीवीएस, बजाज और हीरो जैसी कंपनियां कहीं पीछे छूट गई हैं। वहीं हीरो मोटोकॉर्प अप्रैल में टॉप 5 की लिस्ट में जगह नहीं बना सकी है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में दोपहिया वाहनों की बिक्री पर नजर डाली जाए तो ये अप्रैल 2022 के मुकाबले अप्रैल 2023 में 24.80 प्रतिशत की बढ़त देखी गई है। इस साल दोपहिया वाहन 66 हजार 466 यूनिट्स की रही, जो एक साल पहले 53 हजार 256 यूनिट्स थी। ओला की सेल पर नजर डाली जाए तो ये पिछले साल की तुलना में 72.19 प्रतिशत बढ़ गई है। कंपनी ने 21 हजार 882 इलेक्ट्रिक स्कूटरों की यूनिट्स सेल की हैं, जो अप्रैल 2022 में केवल 12 हजार 708 यूनिट्स थीं। वहीं टीवीएस और एंपीयर की सेल पर नजर डाली जाए तो दोनों ही कंपनियां दूसरे पायदान के लिए मशक्कत करती हुई दिखाई दीं। टीवीएस ने जहां अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर की 8 हजार 726 यूनिट्स की सेल की, वहीं एंपीयर ने 8 हजार 318 यूनिट्स की सेल की। काफी समय से इलेक्ट्रिक स्कूटर के बाजार में अच्छी पोजिशन को बरकरार रखे हुए एथर को बड़ा झटका लगा है। एथर अप्रैल की सेल में चौथे पायदान पर आ गई है। कंपनी ने अप्रैल में केवल 7 हजार 746 यूनिट्स की बिक्री की, जो एक साल पहले बेची गई 2,451 यूनिट्स की तुलना में 216.03त्न की वृद्धि तो थी, लेकिन उम्मीद के अनुसार कम रही। वहीं पांचवे पायदान पर ही सही लेकिन बजाज ने इस लिस्ट में अपनी जगह बनाई है। कंपनी ने अप्रैल में 4 हजार 13 इकाइयां बेचीं, जो अप्रैल 2022 में केवल 1 हजार 222 यूनिट्स ही थी। इसकी ग्रोथ रेट को देखा जाए तो ये 228.40 प्रतिशत दर्ज की गई।

ईपीएफओ ने मार्च में 13.4 लाख सदस्य जोड़े जिनमें 7.58 लाख नए सदस्य शा मिल

नयी दिल्ली । सेवानिवृत्ति कोष का प्रबंधन करने वाले निकाय ईपीएफओ ने मार्च में शुद्ध आधार पर 13.40 लाख सदस्य जोड़े। इसके साथ ही बीते वित्त वर्ष में कुल 1.39 करोड़ सदस्य बढ़े। ईपीएफओ द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। ईपीएफओ ने इससे पिछले वित्त वर्ष में शुद्ध आधार पर 1.22 करोड़ सदस्य जोड़े थे। श्रम मंत्रालय ने बयान में कहा` कि मार्च में जुड़े 13.40 लाख सदस्यों में लगभग 7.58 लाख नए सदस्य ईपीएफओ के दायरे में पहली बार आए हैं। बयान में कहा गया` कि वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान सालाना आधार पर 13.22 प्रतिशत वृद्धि के साथ लगभग 1.39 करोड़ सदस्य शुद्ध रूप से जोड़े गए हैं। इससे पिछले वित्त वर्ष में शुद्ध रूप से 1.22 करोड़ सदस्य जुड़े थे। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कहा कि नए जुड़ने वाले सदस्यों में सर्वाधिक नामांकन 18-21 आयुवर्ग के थे। इनकी संख्या 2.35 लाख थी। इसके बाद 22-25 आयुवर्ग के 1.94 लाख सदस्य शामिल हुए। बयान के अनुसार, इस महीने जुड़े कुल सदस्यों में 18-25 आयुवर्ग के नए सदस्य 56.60 प्रतिशत हैं। आंकड़ों के अनुसार, लगभग 10.09 लाख सदस्यों ने ईपीएफओ की सदस्यता दोबारा ली। यानी इन सदस्यों ने नौकरी बदली। लैंगिक आधार पर मार्च में शुद्ध रूप से 2.57 लाख महिला सदस्य जुड़ीं, जो इस महीने जुड़े कुल सदस्यों का 19.21 प्रतिशत था।

13.36 करोड़ डॉलर तक पहुंचा रूस को भारत का इंजीनियरिंग निर्यात

नई दिल्ली । रूस को इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में इस साल अप्रैल में 11 गुना बढ़कर 13.36 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया। जबकि अमेरिका और चीन के बाजारों में नरमी बरकरार रही। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्द्धन परिषद (ईईपीसी) ने यह जानकारी दी। अप्रैल 2022 में स्वतंत्र देशों के राष्ट्रकुल (सीआईएस) को इंजीनियरिंग निर्यात 1.17 करोड़ डॉलर था। अप्रैल में अमेरिका को 1.4 अरब डालर की इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात किया गया। अप्रैल 2022 के 1.86 अरब डालर के निर्यात के मुकाबले इसमें 24.9 प्रतिशत की कमी रही। चीन को इंजीनियरिंग निर्यात अप्रैल 2023 में 15.5 प्रतिशत घटकर 18.33 करोड़ डालर रहा। हालांकि, पिछले महीने ओमान को होने वाला निर्यात अप्रैल 2022 के मुकाबले दोगुना बढ़कर 15.39 करोड़ डालर पहुंच गया। भारत की इंजीनियरिंग वस्तुओं के लिए शीर्ष 25 देशों में से 15 को निर्यात में वार्षिक आधार पर वृद्धि दर्ज की गई है। देश के कुल इंजीनियरिंग निर्यात में अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस, इंडोनेशिया और सिंगापुर की 76 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वित्त वर्ष 2023-24 के पहले महीने में भारत का कुल इंजीनियरिंग निर्यात 7.15 प्रतिशत घटकर 8.99 अरब डालर रहा।

2000 के नोट की बंदी से शेयर बाजार में मिलेगा फायदा

मुंबई । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ओर से 2000 रुपये के नोट को चलन से बाहर किया गया है। साथ ही कहा गया है कि जिनके पास भी ये नोट वे 30 सितंबर 2023 तक अपने नोट को बैंक से जाकर बदल सकते हैं। 2000 रुपये के नोट बैन को शेयर मार्केट के जानकार अच्छा कदम बता रहे हैं। इससे शेयर बाजार में बढ़त होने की संभावना है। बाजार के जानकारों का कहना है कि 2000 रुपये के नोट चलन से बाहर करने का फैसला बैंकों के अच्छा साबित होने वाला है, क्योंकि इससे टियर-2 और टियर-3 शहरों से डिपॉजिट की संख्या में इजाफा देखने को मिल सकता है। इससे बैंकिंग शेयरों में उछाल देखा जा सकता है। मौजूद समय में सरकारी और निजी बैंकों द्वारा पेश किए जाने वाले दमदार नतीजों से भी बैंकिंग स्टॉक्स को सहारा मिलेगा। मौजूदा समय में बैंकिंग इंडेक्स बेहद अहम लेवल पर खड़ा हुआ है। शुक्रवार के सत्र में ये 44,000 के लेवल के पास बंद हुआ था। इसके बाद जानकार मान रहे हैं कि आने वाले समय में बैंक निफ्टी नई ऊंचाइयों को छू सकता है।

पीएसबी का मुनाफा सामूहिक रुप से बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का मुनाफा बीते वित्त वर्ष (2022-23) में सामूहिक रूप से बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये को पार हो गया है। इसमें लगभग आधी हिस्सेदारी देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की रही। पीएसबी के वित्तीय परिणामों के विश्लेषण से साफ होता हैं, कि पिछले कुछ साल में बैंकों ने लंबा रास्ता तय किया है। पीएसबी ने 2017-18 में 85,390 करोड़ रुपये का कुल शुद्ध घाटा दर्ज करने के बाद 2022-23 में 1,04,649 का मुनाफा कमाया है। इन 12 सरकारी बैंकों का मुनाफा 2021-22 के 66,539.98 करोड़ की तुलना में 57 प्रतिशत बढ़ा है। पुणे के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का मुनाफा सबसे अधिक 126 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,602 करोड़ रुपये रहा है। इसके बाद यूको ने 100 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,862 करोड़ रुपये और बैंक ऑफ बड़ौदा ने 94 प्रतिशत के साथ 14,110 करोड़ रुपये मुनाफा कमाया है। कुल मिलाकर एसबीआई का सालाना लाभ 59 प्रतिशत वृद्धि के साथ बीते वित्त वर्ष में 50,232 करोड़ रुपये रहा है। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) को छोड़कर अन्य पीएसबी ने शुद्ध लाभ में प्रभावी वृद्धि दर्ज की। पीएनबी का शुद्ध लाभ 2021-22 के 3,457 करोड़ रुपये से 27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,507 करोड़ रुपये रहा है। आंकड़ों के अनुसार, 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा सालाना लाभ कमाने वाले सरकारी बैंकों में बैंक ऑफ बड़ौदा (14,110 करोड़ रुपये) और केनरा बैंक (10,604 करोड़ रुपये) भी शामिल हैं।

(बाजार समीक्षा) चौथी तिमाही के नतीजों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव कि स्थिति बनी रहेगी। हालों कि कंपनियों के बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के नतीजों, वैश्विक रुख और विदेशी कोषों की गतिविधियों से इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताते हुए कहा कि मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से इस सप्ताह शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 298.22 अंक या 0.48 प्रतिशत के नुकसान में रही। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 111.4 अंक या 0.60 प्रतिशत टूट गया। मास्टर कैपिटल सर्विसेज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंदर सिंह नंदा ने कहा वैश्विक और घरेलू वृहद आर्थिक आंकड़े, कच्चे तेल के दाम, वैश्विक बाजार का रुख, विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां इस सप्ताह बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण होंगी। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह बीपीसीएल, अशोक लेलैंड, एनएमडीसी, हिंडाल्को, ऑयल इंडिया, एलआईसी, वोडाफोन आइडिया, बीएचईएल, ओएनजीसी जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन इस बारे में रिपब्लिकन के साथ एक समझौते के लिए बातचीत कर रहे हैं। देश की ऋण सीमा बढ़ाने के लिए एक जून की समयसीमा भी नजदीक आ रही है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वैश्विक बाजारों के कमजोर रुख से बीते सप्ताह स्थानीय बाजारों की गतिविधियां भी प्रभावित हुईं। इस बीच, निवेशकों की निगाह वैश्विक बाजारों के प्रदर्शन के साथ विदेशी कोषों के प्रवाह पर रहेगी। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लि. के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौड़ ने कहा कि बाजार भागीदारों की निगाह फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के 24 मई को जारी होने वाले ब्योरे पर है। एमके वेल्थ मैनेजमेंट के शोध प्रमुख जोसफ थॉमस ने कहा कि निकट भविष्य तिमाही नतीजों की वजह से बाजार में शेयर विशेष आधारित गतिविधियां देखने को मिलेंगी।

सेंसेक्स की टॉप छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 70,487 करोड़ रुपए घटा

नयी दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 70,486.95 करोड़ रुपए की गिरावट आई। इसमें सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एचडीएफसी के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई, वहीं आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस और भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन चढ़ गया। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 298.22 अंक या 0.48 प्रतिशत नीचे आया। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 27,941.49 करोड़ रुपए घटकर 16,52,702.63 करोड़ रुपए रह गया। टीसीएस के बाजार मूल्यांकन में 19,027.06 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 11,78,854.88 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 10,527.02 करोड़ रुपए घटकर 9,20,568.10 करोड़ रुपए रह गई। एचडीएफसी की हैसियत 9,585.82 करोड़ रुपए के नुकसान से 4,99,848.62 करोड़ रुपए पर आ गई। एसबीआई का बाजार मूल्यांकन 2,722.01 करोड़ रुपए टूटकर 5,13,209.81 करोड़ रुपए रह गया। आईटीसी का मूल्यांकन 683.55 करोड़ रुपए घटकर 5,21,852.46 करोड़ रुपए पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, आईटीसी, एसबीआई, एचडीएफसी और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

जी-7 देशों की अपील, कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य पूरा करें

टोक्यो । जी-7 देशों ने भारत और चीन समेत सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से उत्सर्जन को 2050 तक 'नेट जीरो' तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध होने की अपील की। साथ ही, यह भी कहा कि ये देश 2025 तक अपने कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को पूरा कर लें। एक बयान के अनुसार, जी-7 देशों ने जलवायु परिवर्तन से निपटने में विकासशील और गरीब देशों की मदद के लिए इस साल (2020 से 2025 तक के लिए) जलवायु वित्त में 100 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाने के सिलसिले में विकासशील देशों के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई है। हालांकि, जापान के हिरोशिमा में जी-7 नेताओं की बैठक के बाद के समाचारों में इस बात का जिक्र नहीं है कि 2025 के बाद की अवधि के लिए यह राशि बढ़ाई जाएगी या नहीं। जी-7 में अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, इटली, जर्मनी, कनाडा और जापान शामिल हैं। गौरतलब है कि जापान ने समूह की अपनी अध्यक्षता के तहत भारत और सात अन्य देशों को शिखर सम्मेलन में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था। बयान में कहा गया है` कि हम सभी पक्षों से आह्वान करते हैं कि वे यूएनएफसीसीसी-सीओपी28 में वैश्विक जीएचजी उत्सर्जन को तुरंत और 2025 तक चरम पर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हों। क्वाड देशों ने प्रौद्योगिकी डिजाइन, विकास, शासन और उपयोग पर 'क्वाड' सिद्धांत भी पेश किये, ताकि लोगों के जीवन को अधिक सुरक्षित और समृद्ध बनाया जा सके।

तिलहन में आई गिरावट के चलते महाराष्ट्र के सोयाबीन की बिक्री मप्र में हो रही

नयी दिल्ली । विदेशी बाजारों में तिलहन में आई गिरावट का असर भारत में भी देखने को मिल रहा है। यहां महाराष्ट्र के सोयाबीन किसान मप्र में आकर अपनी फसल बेच रहे हैं, क्यों कि वहां लिवाल नहीं मिल रहे हैं। यही वजह है` कि दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में खाद्य तेल तिलहन की कीमतों में गिरावट का रुख रहा। गिरावट के कारण सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल तथा बिनौला तेल की कीमतें हानि दर्शाती बंद हुई। बाजार सूत्रों ने बताया कि मलेशिया एक्सचेंज देर रात को मंदा रहा। शिकागो एक्सचेंज कल शाम को तेज रहने के बाद रात 1.3 प्रतिशत टूट गया था। इस बार ब्राजील और अमेरिका में सोयाबीन की भारी बिजाई बेहतर मात्रा में हुई है। इसके उत्पादन के आने के बाद तेल तिलहन कीमतों पर दवाब लंबे समय तक बने रहने की संभावना है और तेल मिलों की हालत और खराब हो सकती है। इसी कारण से कल रात सोयाबीन दाना और सोयाबीन डीआयल्ड केक (डीओसी) के दाम टूट गये थे। लिवाल की स्थिति इतनी बुरी है कि महाराष्ट्र के सोयाबीन किसान मध्य प्रदेश में सोयाबीन की बिक्री कर रहे हैं। इन्हीं कारणों से सोयाबीन तेल तिलहन कीमतों में गिरावट है।

सूत्रों ने कहा कि चीन की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी (कैपको) का कांडला पोर्ट पर संयंत्र है जो तयशुदा शुल्क (फिक्स्ड ड्यूटी) पर 30 जून तक थोक में नंबर एक गुणवत्ता वाला रिफाइंड सोयाबीन तेल 82 रुपये लीटर पर बेच रही है। यानी अब सरकार आयात शुल्क बढ़ा भी दे तो ग्राहकों को इसी 82 रुपये के भाव खाद्यतेल मिलेगा। विदेशों में खाद्य तेल तिलहन के बाजार टूट रहे हैं। कोई लिवाल कितनी भी मात्रा में यहां से थोक में खाद्यतेल खरीद कर सकते हैं। देश की कंपनियां के एमआरपी अधिक होने से लिवाल इस बहुराष्ट्रीय कंपनी से तेल खरीद रहे हैं। यह देशी तेल तिलहन बाजार की धारणा को तो खराब करेगा ही, देशी तेल मिलो, विशेषकर देश के सरसों, बिनौला, सूरजमुखी और सोयाबीन किसानों को गंभीर रुप से प्रभावित कर सकता है।

मौजूदा समय में सरसों के किसान बेहाल है और आखिर वह कब तक अपना माल रोक सकते हैं जब बाजार की स्थिति दिनों दिन खराब हो रही है।

अमेरिकी कार कंपनी टेस्ला लगाएगी भारत में फैक्ट्री

नयी दिल्ली । अमेरिकन इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला भारत में कार बनाने की फैक्ट्री लाने वाली है। यह कंपनी काफी समय से भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रही है। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इसे लेकर एक बयान दिया है। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा- वह भारत की ओर उत्पादन और इनोवेशन हब के रूप में देख रहे हैं। हमनें सिग्नल दिया है कि भारत सरकार मिलकर साथ काम करेगी और जो भी उनके महत्वाकांक्षा व निवेश है। उसमें सफल हो पाए। आप सिर्फ कार के बारें में बात नहीं कर सकते। आप उन्हें पावर देने की भी बात करते हैं, निर्माण तकनीकों पर भी बात करते हैं। इस तरह से अब फिर टेस्ला भारत में एंट्री करने की तैयारी कर रही है।

गौरतलब है कि यूएस की तरह ही चीन में भी टेस्ला की फैक्ट्री है। विशेषज्ञ बताते हैं कि भारत भी अब ऑटोमोबाइल उत्पादन का एक बड़ा हब बनते जा रहे हैं, ना सिर्फ घरेलू बाजार बल्कि एक्सपोर्ट का भी काम हो रहा है, जिसे देखते हुए टेस्ला भी भारत में अपनी फैक्ट्री लगाना चाहती है। हाल ही में एक केंद्रीय मंत्री ने इसके बारे में जानकारी दी है।गौरतलब है कि बीते दिनों टेस्ला के अधिकारी भारत आए थे और और भारत सरकार के अधिकारियों के साथ मिलकर देश में फैक्ट्री लगाने को लेकर बातचीत की है।

राजस्थान-यूपी में महंगा हुआ पेट्रोल-डीजल, एमपी, गुजरात में घटी कीमतें

नई दिल्ली । देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा रेट जारी कर दिए हैं। जिसके अनुसार राजस्थान तथा यूपी में पेट्रोल व डीजल महंगा हुआ है, हालांकि एमपी व गुजरात में कुछ पैसे सस्ता हुआ है। गौरतलब है कि भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। राजस्थान में पेट्रोल 90 पैसे और डीजल 81 पैसे महंगा हो गया है। महाराष्ट्र में भी पेट्रोल 89 पैसे और डीजल 86 पैसे महंगा बिक रहा है। पंजाब में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में क्रमशः 45 और 43 पैसे का इजाफा दिख रहा है। उत्तर प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत 41 पैसे बढ़ गई है। छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, झारखंड और केरल में भी ईंधन महंगा हुआ है। दूसरी ओर गुजरात में पेट्रोल-डीजल 27 पैसे सस्ता हुआ है। मध्य प्रदेश में पेट्रोल 27 पैसे और डीजल 24 पैसे सस्ता हुआ है। कर्नाटक में भी पेट्रोल-डीजलल की कीमत में गिरावट है।

देश के कुछ शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम की स्थिति देखें तो दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.54 रुपये और डीजल 94.32 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

बैंकों में पड़े लावारिस पैसों को लौटाएगा आरबीआई, क्लेम राशि लेने अपलोड करने होंगे जरुरी कागजात

नई दिल्ली । आरबीआई आगामी 1 जून से बैंकों में पड़े लावो रिश पैसों को लौटाने जा रहा है। इसके` लिए क्लेमकर्ता को जरुरी कागजात बैंक की वेबसाइट पर आपलोड करने होंगे। या` फिर सीधे बैंक में जाकर भी जाम कर` सकते हैं। आरबीआई द्वारा यह अे भियान अनक्लेम्ड डिपॉजिट को लेकर चलाया जाएगा। आरबीआई ने इसके लिए '100 डेज 100 पे' शुरू किया है। बैंकों को इस समय अवधि में खातों में पड़े अनक्लेमड अमाउंट यानी लावारिस जमा राशि को सेटल करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक की गाइडलाइंस के अनुसार, बचत और चालू खातों में शेष जमा राशि जो 10 वर्षों से पड़ी है, या टर्म डिपॉजिट जिसे परिपक्वता की तारीख से 10 वर्षों के भीतर क्लेम नहीं किया गया है, उन्हें ÷लावारिस जमा÷ के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इन रकम को बैंकों द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बनाए गए जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता फंड में ट्रांसफर किया जाता है। अप्रैल 2023 में मॉनेटरी पॉलिसी की घोषणा करते समय आरबीआई ने कहा था, जमाकर्ता ग्राहकों की पूंजी की सुरक्षा एक व्यापक उद्देश्य है, आरबीआई यह सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय कर रहा है कि ये डिपॉजिट लावारिस न हों और मौजूदा अनक्लेमड डिपॉजिट तय प्रक्रिया का पालन करने के बाद सही मालिकों या लाभार्थियों को वापस कर दी जाएँ।

आरबीआई ने बैंकों के लिए इन लावारिस जमा राशि का पता लगाने और उनके सेटलमेंट के लिए '100 डेज 100 पे' अभियान का ऐलान किया। इसके तहत देश के हर जिले में हर बैंक को केवल 100 दिनों के भीतर 100 अनक्लेम्ड डिपॉजिट को सेटल करना होगा। बैंकों को यह अभियान 1 जून 2023 से शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश के अलग-अलग बैंकों में फरवरी 2023 तक 35,102 करोड़ लावारिस पड़े हुए हैं, जिनके लिए किसी ने क्लेम नहीं किया। संसद में वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने इसकी जानकारी दी थी।

अगर आपका पैसा भी अनक्लेम्ड अमाउंट के तौर पर बैंक में पड़ा है, तो इसका दावा करने के लिए बैंक की शाखा या वेबसाइट पर जाना होगा। यहां पर दावा क्लेम फॉर्म को भरकर और हस्ताक्षर करने के बाद जमा करना होगा। खाते से संबंधित उपलब्ध जानकारी जैसे पासबुक आदि जमा करने होंगे।

मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से हराया, कैमरून ग्रीन का शतक

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के एक मैच में मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से हरा दिया। टीम ने 201 रन का टारगेट 18 ओवर में चेज कर लिया। कैमरून ग्रीन ने आईपीएल करियर का पहला शतक लगाया।

पावरप्ले में किशन का विकेट गिरने के बाद मुंबई से कैमरून ग्रीन नंबर-3 पर बैटिंग करने उतरे। उन्होंने शुरुआती ओवरों से ही बड़े-बड़े शॉट्स लगाए और कप्तान रोहित शर्मा के साथ शतकीय साझेदारी की। उन्होंने 20 गेंद पर फिफ्टी पूरी करने के बाद 18वें ओवर की आखिरी बॉल पर सिंगल लिया। इस सिंगल के साथ उन्होंने टीम को जीत दिलाई और अपना पहला आईपीएल शतक भी पूरा किया।

14वें ओवर में रोहित शर्मा के आउट हो जाने के बाद मैदान पर सूर्यकुमार यादव ने तेजी से रन बनाए। उन्होंने 16 बॉल पर 25 रन की पारी में 4 चौके लगाए। उन्होंने कैमरून ग्रीन के साथ 30 गेंद पर ही 53 रन की नॉटआउट पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई।

मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने दूसरी पारी में 34वां रन लेने के साथ ही मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी के लिए 5000 रन पूरे कर लिए। उनके आईपीएल में 6100 से ज्यादा रन हैं। लेकिन बाकी रन उन्होंने डेक्कन चार्जर्स फ्रेंचाइजी के लिए बनाए हैं। रोहित ने 33 बॉल पर अपनी फिफ्टी भी पूरी की, जो इस सीजन उनकी दूसरी फिफ्टी है। वह 56 रन बनाकर आउट हुए।

रोहित शर्मा और कैमरून ग्रीन ने 65 बॉल पर 128 रन की पार्टनरशिप की। इस साझेदारी में रोहित ने 50 और ग्रीन ने 73 रन जोड़े। रोहित के विकेट के साथ ये पार्टनरशिप टूटी।

201 रन के टारगेट को डिफेंड करने उतरी हैदराबाद के बॉलर्स विकेट को तरस गए। पावरप्ले में भुवनेश्वर कुमार ने ईशान किशन (14 रन) का विकेट लिया। इस विकेट के बाद 10 ओवर तक टीम को विकेट नहीं मिला। 14वें ओवर में मयंक डागर ने रोहित शर्मा को कैच आउट कराया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

इससे पहले हैदराबाद के ओपनर्स मयंक अग्रवाल और विव्रांत शर्मा ने 140 रन की पार्टनरशिप की। मयंक ने 83 और विव्रांत ने 69 रन बनाए। हैदराबाद से हेनरिक क्लासेन ने 13 बॉल पर 18, ग्लेन फिलिप्स ने 4 बॉल एक, सनवीर सिंह ने 3 बॉल पर 4 और ऐडन मार्करम ने 7 बॉल पर 13 रन बनाए। हैरी ब्रूक गोल्डन डक पर आउट हुए।

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद ने नया ओपनिंग कॉम्बिनेशन ट्राई किया। टीम ने विव्रांत शर्मा के साथ मयंक अग्रवाल को पारी की शुरुआत करने भेजा। दोनों ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई और 6 ओवर में बगैर विकेट गंवाए 53 रन जोड़ लिए।

विव्रांत शर्मा ने 36 बॉल में फिफ्टी लगा दी। यह उनके आईपीएल करियर की पहली ही फिफ्टी है। 47 बॉल पर 69 रन की पारी में विव्रांत ने 9 चौके और 2 छक्के लगाए।

विव्रांत ने पावरप्ले में मयंक अग्रवाल के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप करने के बाद सीजन में टीम की पहली 100 प्लस रन की ओपनिंग पार्टनरशिप भी की। दोनों ने 83 बॉल पर 140 रन जोड़े। विव्रांत के विकेट के साथ दोनों की पार्टनरशिप टूटी।

मयंक अग्रवाल ने 32 बॉल में अपनी फिफ्टी पूरी की। वह 46 बॉल में 83 रन बनाकर आउट हुए, इस पारी में उन्होंने 8 चौके और 4 छक्के लगाए। मुंबई से मधवाल ने 4 विकेट लिए, वहीं क्रिस जॉर्डन को एक विकेट मिला।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 1-1 की बराबरी पर रोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। एडिलेड। दीप ग्रेस एक्का के गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम तीन मैचों की श्रृंखला के आखिरी मुकाबले में रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया से पिछड़ने के बाद मुकाबला 1-1 से बराबरी पर खत्म करने में सफल रही। भारत ने पहले ही श्रृंखला को 0-2 से गंवा दिया था। दीप ने मैच के 42वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। ऑस्ट्रेलिया के लिए मैच का इकलौता गोल मैडिसन ब्रुक ने 25वें मिनट में किया। भारत ने मैच की शुरुआत सकारात्मक तरीके से करते हुए गेंद को अपने नियंत्रण में रखते हुए अच्छे पास देने पर पर ध्यान दिया। ऑस्ट्रेलिया ने भी इस दौरान भारतीय रक्षापंक्ति पर दबाव बनाते हुए दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये। पहले क्वार्टर में दोनों टीमें मौके को भुनाने में विफल रही।

भारतीय टीम ने दूसरे क्वार्टर में आक्रामक शुरूआत की लेकिन ब्रुक ने फ्री हिट पर मिले शानदार पास को गोल में बदल कर ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत भारत ने बराबरी करने के लिए जोर लगाया। टीम को इसका फायदा भी मिला जब ग्रेस ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदल कर स्कोर बराबर कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद आक्रामक रुख अपनाकर भारतीय रक्षापंक्ति पर दबाव बनाया लेकिन टीम को सफलता नहीं मिली। भारतीय टीम अब गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ खेलेगी।

एक सीजन में सबसे ज्यादा डक का रिकॉर्ड जोस बटलर के नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के स्टार ओपनर जोस बटलर ने आईपीएल के 2023 सीजन की जोरदार शुरूआत की थी। लेकिन जैसे-जैसे सीजन आगे बढ़ा, उन्हें अपने प्रदर्शन मे असंगति का सामना करना पड़ा। बटलर ने एक अवांछित आईपीएल उपलब्धि दर्ज की है। पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम के आखिरी लीग मैच में 0 पर आउट होने के बाद, उन्होंने एक सीजन में सबसे ज्यादा डक (5) का रिकॉर्ड दर्ज किया। हर्शल गिब्स (डेक्कन चार्जर्स, 2009), मिथुन मन्हास (पुणे वारियर्स इंडिया, 2011), मनीष पांडे (सनराइजर्स हैदराबाद, 2012), शिखर धवन (दिल्ली कैपिटल्स, 2020), निकोलस पूरन (सनराइजर्स हैदराबाद, 2021) और इयोन मोर्गन (कोलकाता नाइट राइडर्स, 2021) सभी के नाम एक सीजन में चार आईपीएल डक थे।

इंग्लिश व्हाइट-बॉल कप्तान अब नेटिजन्स की आलोचना का सामना कर रहा है। ट्विटर पर एक ने लिखा, आईपीएल 2022 में ऑरेंज कैप और आईपीएल 2023 में 5 डक। मैं जोस बटलर के लिए आईपीएल 2023 में 5 डक दोहराता हूं। आपकी माफी उतनी ही जोर से होनी चाहिए जितनी आपकी बेइज्जती थी!

नीतीश, गौतम गंभीर और नवीन दिखे साथ... फैंस ने लगाया कोहली से लड़ाई का कनेक्शन

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल 2023 का 68वां मुकाबला कोलकाता नाइटराइडर्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मैंच खेला गया है। वहीं इस बड़े मैच से पहले केकेआर के कप्तान नीतीश राणा, एलएसजी के मेंटोर गौतम गंभीर और तेज गेंदबाज नवीन उल हक के साथ बैठे हुए नजर आए। उनकी यह तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

जब से स्टार क्रिकेटर विराट कोहली की नवीन उल हक और गौतम गंभीर से लड़ाई हुई है, तब से नवीन और गंभीर काफी ज्यादा चर्चा में बने हुए हैं। इतना ही नहीं बल्कि विराट के फैंस सोशल मीडिया पर दोनों को ट्रोल कर रहे हैं। इसके बाद अब कोलकाता और लखनऊ के मैच से पहले नीतीश राणा, गौतम गंभीर और नवीन उल हक के साथ बैठे हुए नजर आए।

इस तस्वीर में गंभीर और नवीन खाना खा रहे हैं, जबकि नीतीश राणा, गौतम की किसी बात पर काफी ज्यादा गंभीर नजर आ रहे हैं। फैंस मीटिंग को फिर विराट के साथ हुई लड़ाई के साथ जोड़ रहे हैं। यह तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरल हो रही है। वहीं नवीन, कोहली से हुई लड़ाई के बाद काफी ज्यादा गंभीर के साथ नजर आते हैं।

दरअसल, लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच लखनऊ के इकाना स्पोर्ट्स स्टेडियम में एक बहुत ही रोचक मुकाबला खेला गया था। इस मैच में कोहली काफी ज्यादा आक्रमक रूप में नजर आए थे। जब नवीन उल हक बल्लेबाजी करने आए थे, तब विराट ने उन्हें स्लेज भी किया था। इसके बाद नवीन को विराट की स्लेजिंग बिल्कुल पसंद नहीं आई और उन्होंने मैच के बाद कोहली से हाथ मिलाते समय अपना गुस्सा जाहिर किया था। उनके ऐसा करने से बात काफी ज्यादा आगे बढ़ गई थी। दोनों टीमों के बीच माहौल काफी ज्यादा गरमा गया था। इस दौरान मैच के बाद गौतम गंभीर और विराट कोहली के बीच भी जमकर बहस हुई थी।

आफरीदी ने बीसीसीआई को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की

लाहौर। पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद आफरीदी ने एक बार फिर विवादास्पद बयान दिया है। आफरीदी ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए कहा कि उनकी टीम को विश्वकप के लिए भारत जरुर जाना चाहिये। पूर्व पाक कप्तान ने कहा कि भारत में जाकर विश्वकप जीतना बीसीसीआई के मुंह पर तमाचा थप्पड़ मारने की तरह होगा। आफरीदी ने कहा कि पाक क्रिकेटर प्रबंधन को चाहिए कि वे अपने राष्ट्रीय खिलाड़ियों को विश्वकप के लिए भारत भेजें. इस पूर्व ऑलराउंडर ने कहा कि टीम जाती है और विश्व कप जीतती है तो सारा विवाद बेहतर तरीक से सुलझ जाएगा. उन्होंने कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा है कि पीसीबी इस बात पर क्यों अड़ी हुई है कि टीम को भारत नहीं भेजा जाये। आफरीदी ने कहा, मेरे हिसाब से उनको हालाता को थोड़ा सामान्य करने की जरूरत है और यह भी समझना चाहिए कि एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट होने जा रहा है। आफरीदी बोले, अपने लड़कों से कहें कि जाएं और ट्रॉफी लेकर आएं, इसके बाद पूरा देश आपके पीछे खड़ा हो जाएगा। साथ ही कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट छोड़ने के हमारे पास अधिक विकल्प नहीं हैं। गौरतलब है बीसीसीआई के पाक में होने वाले एशिया कप के लिए टीम नहीं भेजे जाने के बाद पीसीबी ने कहा था कि वह भी विश्वकप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजेगा।

किसी भी हालात में हार नहीं मानने से सफलता मिली : कृणाल

लखनऊ। लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान कृणाल पंड्या ने प्लेऑफ में पहुंचने पर उत्साहित होकर कहा कि उनकी टीम किसी भी प्रकार के हालातों में जीत दर्ज कर सकती है। कोलकाता नाइट रायडर्स (केकेआर) के खिलाफ रोमांचक लीग मुकाबले में एक रन से जीत के साथ टीम ने प्लेऑफ में जगह बनायी थी। कृणाल ने कहा, '' हम इस जीत से बहुत खुश हू। हमने कभी हार नहीं मानी थी। एक समय केकेआर की टीम एक विकेट पर 61 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी पर हमें पता था कि दो–तीन अच्छे ओवर मैच को बदल सकते हैं। इस पिच से स्पिनरों को भी सहायता मिली थी।'' वहीं रिंकू की पारी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, '' इस सत्र में रिंकू का प्रदर्शन विशेष रहा है। आप उन्हें कम नहीं आंक सकते। वह बहुत खास बल्लेबाज है। हम अंतिम ओवरों में एक बार में एक गेंद के बारे में सोच रहे थे।'' लखनऊ को पिछले मैच में अंतिम ओवर में मोहसिन खान ने शानदार जीत दिलाई थी। वहीं कृणाल ने इस बार यश ठाकुर पर भरोसा जताया जिससे उन्होंने बनाये रखा।

यशस्वी को भारतीय टीम में शामिल किया जाये : गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। गावस्कर के अनुसार यशस्वी ने जिस प्रकार से अब तक आईपीएल में बल्लेबाजी की है उससे अंदाज होता है कि वह अब अंतराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इसलिए उन्हें भारतीय टीम में जगह मिलनी चाहिये। मिल होने के लिए तैयार हैं और उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रदर्शन करने का मौका दिया जाना चाहिए। इस युवा बल्लेबाज ने रॉयल्स की ओर से इस सत्र के 14 मैचों में 48.08 के औसत और 163.61 के स्ट्राइक-रेट से 625 रन बनाए हैं। गावस्कर ने कहा कि यशस्वी की इस सत्र में बल्लेबाजी देखकर मुझे बेहद खुशी हुई है।

उन्होंने कहा, अगर कोई बल्लेबाज टी20 में 20-25 गेंदों में 40-50 रन बना लेता है, तो उसका प्रदर्श टीम के लिए अच्छा माना जाएगा पर अगर वह सलामी बल्लेबाज है, तो आप चाहते हैं कि वह 15 ओवर खेले। अगर वह उस समय तक शतक बना लेता है, तो आपकी टीम का कुल योग आसानी से 190-200 का आंकड़ा पार कर जाएगा। इसलिए यशस्वी ने इस सत्र में जिस तरह से बल्लेबाजी की है और उससे मुझे काफी खुशी हुई है। वह एक अच्छी तकनीक वाला बल्लेबाज है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि वह तैयार है और उसे टीम में एक अवसर दिया जाना चाहिए। साथ ही कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आने से उसका मनोबल भी बढ़ेगा क्योंकि वह फार्म में है।

इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर आगे भी खेल सकते हैं धोनी: पठान

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर युसूफ पठान के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के पास इंम्पैक्ट प्लेयर नियम के तहत अगले पांच साल तक खेलने के अवसर हैं। पिछले काफी समय से धोनी के खेल से संन्यास की अटकलें लगायी जा रही हैं। वहीं माना जा रहा है कि बढ़ती उम्र को देखते हुए ही ये उनका अंतिम सत्र है। धोनी ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से साल 2020 में ही संन्यास ले लिया था। उनके कई साथी खिलाड़ियों ने भी उनके इस साल संन्यास लेने की अटकलें जतायी हैं।

वहीं धोनी ने अभी तक अपने संन्यास को लेकर कोई खुलासा नहीं किया पर उन्होंने जिस प्रकार स्टेडियम का चक्कर लगाने सहित कुछ ऐसे संकेत किये हैं जिससे उनके संन्यास की संभावनाओं को बल मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर युसूफ पठान को लगत है कि धोनी अगले पांच साल और आईपीएल खेल सकते हैं। उन्होंने कहा है कि आईपीएल में वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर चाहे तो और समय भी खेल सकते हैं। उनमें अभी काफी क्रिकेट बाकि है जिस प्रकार के बड़े शॉट उन्होंने खेले हैं उससे इसका अंदाजा होता है।

पठान ने कहा, इम्पैक्ट प्लेयर नियम के साथ धोनी 5 साल तक खेल सकते हैं। हालांकि वह कप्तान नहीं बने रह सकते हैं पर सीएसके टीम के प्रशंसक उन्हें बल्लेबाज और मेंटर के रूप में देखेंगे।

आरसीबी और जाएंट्स में हो सकता है एलिमिटेर मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जाएंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बीच एलिमिटेर मुकाबला होने की संभावनाएं हैं। आईपीएल में अब तक तीन टीमों गुजरात टाइटंस, चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स ने प्लेऑफ में जगह बनायी अब और चौथे स्थान के लिए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी), मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला है। इन तीनो ही टीमों में आसीबी की दावेदारी सबसे मजबूत नजर आ रही है। अगर वह अपने अंतिम लीग मुकाबले में गत चैंपियन गुजरात टाइटंस को हराकर प्लेऑफ में पहुंचती है तो लखनऊ सुपर जाएंट्स और आरसीबी में एलिमिटेर मुकाबला हो सकता है।

अंक तालिका में अभी आरसीबी के अलावा मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के भी 14-14 अंक है रन रेट के मामले में आरसीबी मुम्बई और रॉयल्स से आगे है। ऐसे में जीत दर्ज करन पर उसका प्लेऑफ में पहुंचना तय है।

वहीं एक अन्य मैच में मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला है। इसमें अगर मुम्बई काफी बड़े अंतर से जीतती है तो ही वह रन रेट के मामले में आरसीबी से आगे निकल पायेगी। वहीं आरसीबी अगर गुजरात से हार भी जाये तो भी उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं रहेंगी। आरसीबी अगर 5 से कम रनों से हार का सामना करना पड़ता है तो उनका नेट रन रेट मुंबई और राजस्थान दोनों से अच्छा रहेगा। ऐसे में वह प्लेऑफ में पहुंच सकती है।

रिकर्व तीरंदाज रहे खाली हाथ; विश्व कप में भारत दूसरे स्थान पर रहा

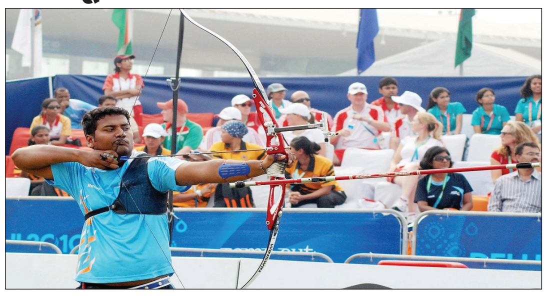

शंघाई। कंपाउंड वर्ग के तीरंदाजों के अच्छे प्रदर्शन को 'विश्व कप चरण दो' में रिकर्व वर्ग के तीरंदाज जारी नहीं रख सके जिससे रविवार को भारत का अभियान तीन पदक के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर खत्म हुआ। कोरिया ने अंताल्या में हुए सत्र के शुरुआती विश्व कप में भाग नहीं लिया था। टीम ने इस विश्व कप के रिकर्व वर्ग में चार स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य हासिल किया जिससे उसके कुल पदकों की संख्या 11 हो गयी। तरुणदीप राय, अतनु दास और युवा नीरज चौहान के शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद भारत को उभरते हुए तीरंदाज धीरज बोम्मादेवारा से उम्मीदें थे। कोरिया के तीरंदाज ओह जिन हॉके ने हालांकि प्री–क्वार्टर फाइनल में सेना के इस खिलाड़ी को सीधे सेट में 0–6 (29–30, 28–29, 29–30) से शिकस्त दी। रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा में भी धीरज और सिमरनजीत कौर की जोड़ी पहले सेट की बढ़त को बरकरार रखने में विफल रही। इंडोनेशिया की जोड़ी ने उन्हें 2–6 (39–35, 37–39, 37–38, 34–35) से हराकर अंतिम–16 दौर से बाहर का रास्ता दिखाया। इस वर्ग में भारत का कोई भी तीरंदाज पदक दौर में जगह नहीं बना पाया। भारत ने इस चरण में अपने सभी पदक कंपाउंड वर्ग में जीते। प्रथमेश जावकर और अवनीत कौर ने क्रमश: व्यक्तिगत स्वर्ण और कांस्य जीता जबकि ओजस देवताले एवं ज्योति सुरेखा वेनाम की जोड़ी ने मिश्रित टीम वर्ग में स्वर्ण जीता।

रिबाकिना ने इटैलियन ओपन जीता

रोम। कजाकिस्तान की एलेना रिबाकिना ने इटैलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट जीत लिया है। रिबाकिना ने महिला एकल में आसानी से खिताब जीत लिया क्योंकि उनकी विरोधी खिलाड़ी यूक्रेन की एनहेलिना कालिनिना दूसरे सेट की शुरुआत में ही बाएं जांघ में चोट लगाने के कारण मुकाबले से हट गयीं थीं। कालिनिना जब मुकाबले से हटीं उस समय तक रिबाकिना 6–4, 1–0 से आगे थीं। वहीं पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में होल्गर रूने का सामना रुस के दानिल मेदवेदेव से होगा। रूने ने इससे पहले सेमीफाइनल में कास्पर रूड को 6–7 (2), 6–4, 6–2 से हराया जबकि मेदवेदेव ने स्टीफानोस सितसिपास को 7–5, 7–5 से पराजित किया।

जडेजा को देखकर तलवारबाजी करते नजर आये वार्नर

नई दिल्ली। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए आईपीएल के 67वें मैच में सीएसके कैपिटल्स को 77 रनों से हराकर प्लेऑफ में पहुंची। वहीं दिल्ली की टीम पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी थी। ऐसे में ये मैच उसके लिए औपचारिकता भर था। कैपिटल्स के कप्तान डेविड वॉर्नर ने अपने ग्रुप स्तर के इस अंतिम मैच का जमकर आनंद उठाया। उन्होंने इस मैच में 86 रनों की शानदार पारी खेली। इस दौरान वह सीएसके के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को तलवारबाजी का एक्शन कर हंसी मजाक करते भी दिखे। जडेजा अच्छी बल्लेबाजी के बाद खुशी में बल्ले को तलवार की तरह लहराते हैं। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करने के दौरान वॉर्नर मस्ती के मूड में दिखे। दरअसल, पांचवे ओवर में बल्लेबाजी के दौरान वॉर्नर ने 1 रन लिया, जिसपर मोईन अली ने उन्हें रन आउट करना चाहा पर वह तेजी से क्रीज के अंदर पहुंच गए। इसके बाद वॉर्नर मजाक करते हुए क्रीज से बाहर निकले और ऐसा दिखाने जैसे की वह दूसरे रन के लिए भी जाएंगे। वहीं वॉर्नर को क्रीज से बाहर आते हुए देखकर रहाणे ने थ्रो मारी और वॉर्नर फिर से क्रीज में लौट गए और इस बार गेंद रविंद्र जडेजा के हाथों मे गई। इसके बाद वॉर्नर फिर से क्रीज के बाहर आ गये और अब जडेजा के थ्रो मारने से पहले ही वॉर्नर उनकी तरह बल्ले को तलवार की तरह लहराकर उनकी हंसी उड़ाने लगे।

फ्लावर ने रिंकू की जमकर प्रशंसा की, टीम इंडिया में जगह पाने का प्रबल दावेदार बताया

कोलकाता (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर व लखनऊ सुपरजाइंट्स के कोच एंडी फ्लावर ने कोलकाता नाइटरायडर्स के बल्लेबाज रिंकू सिंह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उसका भविष्य उज्जवल है। फ्लावर के अनुसार रिंकू को सफलता का भूखा और शांत व्यवहार एक बेहतर क्रिकेटर बनाती है। इसलिए वह भारतीय टीम में जगह बनाने के बड़े दावेदार के तौर पर उभरे हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम को भी रिंकू ने इस सत्र में कई मैच जिताये हालांकि इस मैच में वह बेहतरीन पारी के बाद भी अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। केकेआर इस मैच में केवल एक रन से हारी।

फ्लावर ने कहा, ''रिंकू ने अपनी टीम को जीत के इतना करीब लाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी, हम अच्छी स्थिति में थे पर इसके बाद भी रिंकू ने पूरा प्रयास किया, अगर वे इसे वहां से जीतते तो यह वास्तव में हैरानी वाली बात होती। इस पूर्व कोच ने कहा कि रिंकू का भविष्य उज्जवल है। उन्होंने कहा, ''वह वास्तव में शारीरिक रूप से प्रतिभाशाली व्यक्ति की तरह दिखता है। उसमें सफलता की भूख नजर आती है। इसके साथ ही वह विनम्र भी है। वह क्या कर सकता है इसे लेकर वह आश्वस्त है। वह वास्तव में अच्छा पैकेज है। फ्लावर ने कहा, ''देश में बल्लेबाजी में इतनी प्रतिभा है। उसने दिखाया है कि वि दबाव में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकता है, यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का एक अहम पहलू है।

लखनऊ के 177 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर की टीम एक समय 18 ओवर के बाद सात विकेट पर 136 रन बनाकर काफी मुश्किल में था पर रिंकू ने 33 गेंद में नाबाद 67 रन बनाकर टीम को शानदार जीत के बेहद करीब पहुंचाया हालांकि अंत में उसे एक रन से हार का सामना करना पड़ा। टीम को जीत के लिए अंतिम तीन गेंदों पर तीन छक्कों की जरुरत थी पर रिंकू दो छक्के और एक चौका ही लगा पाये।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मन की साधना

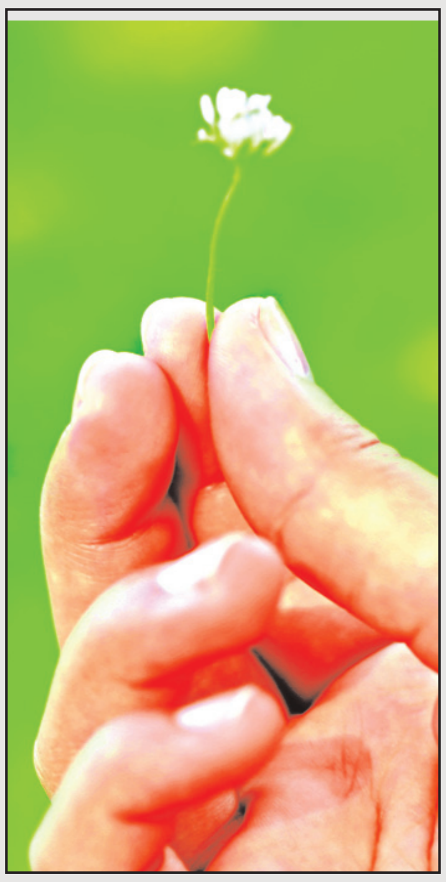

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

गीता में है जीवन का ज्ञान

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अत: भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

अमेरिका में सांप के कारण 16,000 घरों की बिजली हुई गुल

वाशिंगटन ।अमेरिका में एक सांप ने 16,000 घरों की बिजली को काट दिया। अमेरिकी शहर ऑस्टिन में घटना तब सामने आई जब एक सांप एक सबस्टेशन में फिसल गया और उपकरणों के संपर्क में आया। रिपोर्ट के अनुसार आउटेज 16 मई को दोपहर 1 बजे शुरू हुआ जिससे लगभग 16,000 ग्राहक प्रभावित हुए। यह घटना तब हुई जब एक सांप एक सबस्टेशन में घुस गया और एक विद्युतीकृत सर्किट के संपर्क में आ गया, जिससे बिजली गुल हो गई। वहीं ऑस्टिन एनर्जी ने अपने ट्वीट में कहा कि वन्यजीवों के हस्तक्षेप से बिजली गुल हो सकती है। आज एक सांप हमारे एक सबस्टेशन में रेंग कर आया और एक विद्युतीकृत सर्किट के संपर्क में आ गया जिससे बिजली का फ्लो बंद हो गया। बाद में दोपहर 2 बजे तक सभी प्रभावित ग्राहकों के लिए बिजली बहाल कर दी गई। ऑस्टिन एनर्जी के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी अब रेंगने वाले सरीसृपों को बाहर रखने के लिए सबस्टेशनों के चारों ओर लो-वोल्टेज इलेक्ट्रिक स्नेक बाड़ लगाने की प्रक्रिया में है। बता दें कि पिछले साल इसी तरह की एक घटना में, जापान में लगभग 10,000 घरों की बिजली ठप हो गई थी , जब एक सांप बिजली के सबस्टेशन में गिर गया।

ईरान-पाकिस्तान सीमा पर झड़प, छह ईरानी सीमा रक्षकों की मौत

तेहरान। पाकिस्तान की सीमा के पास ईरान में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे एक अज्ञात सशस्त्र समूह के साथ झड़प में छह ईरानी सीमा रक्षकों की मौत हो गई। सरकारी टीवी की रिपोर्ट में रविवार को यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, यह झड़प राजधानी तेहरान से लगभग 1,360 किलोमीटर (850 मील) दक्षिण-पूर्व में सिस्तान और बलूचिस्तान के दक्षिण-पूर्वी प्रांत के सरवन शहर में हुई। उन्होंने बताया कि इस झड़प में अज्ञात हमलावरों को भी नुकसान पहुंचा है और वहां से वे भाग गए। हालांकि, इस घटना के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी गई है। टीवी रिपोर्ट के मुताबिक, झड़प के दौरान ईरान के दो सीमा रक्षक भी घायल हो गए। इस हमले के बाद न ही ईरान ने किसी पर आरोप लगाया है और न ही किसी समूह ने अभी तक इसकी जिम्मेदारी ली है। जिस इलाके में यह झड़प हुई है वह ईरान के सबसे कम विकसित भागों में से एक है। सुन्नी बहुलता वाले इस इलाके के निवासियों का सबंध शिया मुसलमानों के साथ लंबे समय से खराब चल रहा है।

जनरेटिव एआई सिस्टम के जरिए स्कैमर्स लूट रहे बुजुर्ग अमेरिकियों को

-शीर्ष रिपब्लिकन सीनेटर सेन माइक ब्रॉन ने फेडरल ट्रेड कमीशन को भेजा पत्र

वाशिंगटन। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के खतरे धीरे-धीरे सामने आ रहे हैं और इसका शिकार खुद इसे बनाने वाले देश हो रहे हैं। अमेरिका में जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम के जरिए स्कैमर्स पहले से बुजुर्ग अमेरिकियों को धोखा देकर उनसे पैसे छीन रहे हैं। दुनियाभर में एआई तकनीक के जरिए ठगी करने के कई मामले सामने आ चुके हैं। ऐसे में अब अमेरिका में इसके खतरों को लेकर बहस तेज हो गई है। कई अमेरिकी सांसद बाइडेन प्रशासन से इस उभरते खतरे को लेकर जरूरी कदम उठाने की अपील कर रहे हैं। एजिंग पर सीनेट की विशेष समिति के शीर्ष रिपब्लिकन सीनेटर सेन माइक ब्रॉन ने गुरुवार को फेडरल ट्रेड कमीशन को एक लेटर भेजा, जिसमें एजेंसी को एआई-ड्राइव घोटालों के बारे में क्या पता है, इस पर अपडेट मांगा गया है कि बुजुर्गों और आम लोगों की सुरक्षा के लिए क्या कर रहा है। मीडिया के अनुसार एफटीसी की चेयरपर्सन लीना खान को लिखे पत्र में चेतावनी दी गई है कि वॉयस क्लोन और चैटबॉट्स स्कैमर्स को बुजुर्गों को यह विश्वास दिलाते हैं कि वह किसी रिश्तेदार या करीबी दोस्त से बात कर रहे हैं। इसके जरिए साइबर क्रिमिनल धोखाधड़ी और ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। दरअसल एआई तकनीक की मदद से किसी भी व्यक्ति की आवाज का क्लोन तैयार करना संभव है और फिर इसके जरिए आसानी से धोखाधड़ी की वारदातों को अंजाम दिया जा सकता है। अमेरिकी सांसदों ने अपने पत्र में कहा कि ठगी से जुड़े एक मामले में एक घोटालेबाज ने वृद्ध दंपती को आवाज क्लोन करके यह विश्वास दिलाया कि वह उनका पोता है, जिसे ज़मानत के लिए पैसों की सख्त जरूरत थी। इस वजह से बुजुर्ग दंपती 9 हजार 400 डालर खो दिए। इसी तरह एरिजोना में एक अपराधी ने खुद को अपहरणकर्ता के रूप में पेश किया और मां से रोती हुई बेटी की आवाज़ की नकल कर फिरौती मांगने के लिए वॉयस-क्लोनिंग तकनीक का इस्तेमाल किया।

ब्लैक होल में विस्फोट से पृथ्वी को बड़े खतरे की आशंका

-ब्लैक होल के विस्फोट को लेकर वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी

लंदन ।वैज्ञानिकों ने हाल में ब्लैक होल के भीतर होने वाले विस्फोट को लेकर चेतावनी दी है ।उनका कहना है कि ब्लैक होल में हो रहे ये विस्फोट पृथ्वी के लिए भी नुकसानदायक हो सकते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, बीते तीन साल में ब्लैक होल में नए-नए लक्षण देखे गए हैं ।इससे ब्रह्मांड में फिर बड़े विस्फोट की आशंका बन रही है। अंतरिक्ष वैज्ञानिकों का कहना है कि इस समय एक विशालकाय ब्लैक होल सक्रिय है ।इसमें अक्सर बड़े विस्फोट जैसे हालात बनते हुए नजर आते हैं ।इसी बीच मई के पहले हफ्ते में खगोलविदों ने अपने ही ग्रहों को निगल रहे एक तारे के बारे में जानकारी दी ।उनका कहना था कि ये डरावना था और छोटे-छोटे ग्रहों को किसी तारे के निगलने का दृश्य अंतरिक्ष में अब तक देखी गई सभी हिंसक घटना थी ।वैज्ञानिकों ने बताया कि जब तारा अपने ही ग्रहों को निगल रहा था तो बड़े और भयानक धमाके भी हो रहे थे.वैज्ञानिकों का कहना है कि हमारे ग्रह धरती से करीब 8 अरब प्रकाशवर्ष दूर सूर्य से करीब एक अरब गुना बड़ा ब्लैक है ।वैज्ञानिकों को 13 अप्रैल 2021 को शुरू किए गए इस अध्ययन के दौरान लगा कि ये ब्लैक होल गैस से भरे विशालकाय बादल को अपनी ओर खींचकर निगल रहा है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, अब तक सुपरनोवा के आधार पर कहा जा सकता है कि इनकी चमक कुछ सप्ताह के भीतर कमजोर पड़ जाती है ।वहीं, ब्लैक होल के अध्ययन में सामने आई घटना लंबे समय से एक ही अवस्था में है ।इसमें पिछले तीन साल से विस्फोट जारी हैं.साउथहेम्प्टन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक फिलिप वाइसमैन के मुताबिक, ज्यादातर सुपरनोवा कुछ महीनों में खत्म हो जाते हैं ।वहीं, इसकी लंबी अवधि बड़े खतरे का संकेत दे रही है ।क्वींस यूनिवर्सिटी बेलफास्ट के मैट निकोल के मुताबिक, ये ब्लैक होल की आम घटना हो सकती है ।लेकिन, शोध से पता चला है कि इतने लंबे समय तक ऐसे विस्फोट धरती के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। इसका भयंकर परिणाम भी देखने को मिल सकते हैं। अध्ययन में शामिल डॉ वाइजमैन और उनके सहयोगियों ने पाया कि यह ब्लैक होल आकार में एक अरब सूर्य के बराबर है ।ये असाधारण तौर पर आकाशीय गैस के गोले को निगल रहा है। बता दें कि वैज्ञानिकों के लिए ब्लैक होल अंतरिक्ष की सबसे बड़ी और अजीब पहेली है ।इसीलिए वैज्ञानिक इससे जुड़ी अंतरिक्षीय घटनाओं की गुत्थियों को सुलझाने में जुट जाते हैं।

अल सल्वाडोर में फुटबॉल स्टेडियम में भगदड़ में कम से कम नौ लोगों की मौत

सल्वाडोर फुटबॉल लीग के क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान स्टेडियम के एक प्रवेश द्वार पर धक्का-मुक्की के बाद मची भगदड़ में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। राष्ट्रीय सिविल पुलिस ने ट्विटर के माध्यम से एक शुरुआती रिपोर्ट में कहा कि कस्कैटलान के मॉन्युमेंटल स्टेडियम में क्लब एलियांजा और एफएएस के बीच मैच में नौ लोगों के मरने की पुष्टि हुई है। यह स्टेडियम राजधानी से लगभग 25 मील (41 किलोमीटर) पूर्वोत्तर में है। पुलिस ने बताया कि अस्पतालों में ले जाए गए घायलों में से कम से कम दो की हालत गंभीर है। फर्स्ट ऐड ग्रुप रेस्क्यू कमांडोज के प्रवक्ता कार्लोस फ्युंटेस ने बताया, ''हम नौ लोगों के मरने की पुष्टि कर सकते हैं जिनमें सात पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। हमने 500 से अधिक लोगों का उपचार किया है और 100 से अधिक लोगों को अस्पताल ले जाया गया जिसमें से कुछ की हालत काफी गंभीर है।'' मैच के लगभग 16 मिनट बाद खेल को स्थगित कर दिया गया और घायलों को एक सुरंग से बाहर निकालकर मैदान पर लाया गया। स्थानीय टेलीविजन ने एलियांजा के प्रशंसकों द्वारा भगदड़ की तस्वीरें प्रसारित कीं। दर्जनों प्रशंसकों का मैदान पर भी उपचार किया गया।

हीरोशिमा में जी सात देशों के सम्मेलन का विरोध करते हुए लोग।

बाइडन ने मांगा पीएम मोदी का ऑटोग्राफ, अमेरिका में जबरदस्त क्रेज, ऑस्ट्रेलिया हुआ फैन

हिरोशिमा ।अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनका ऑटोग्राफ मांगा। इस दौरान उन्होंने बताया कि कैसे पीएम मोदी के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उनके पास लगातार अनुरोध आ रहे हैं। शनिवार को क्वॉड बैठक के दौरान, राष्ट्रपति जो बाइडन पीएम मोदी के पास आए और बताया कि पीएम मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उनके पास देश के प्रमुख नागरिकों की तरफ से अनुरोधों की बाढ़ आ गई है और जिस वजह से उन्हें एक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इधर ऑस्ट्रेलिया भी मोदी का फैन हो गया है। क्योंकि ऐसी ही कुछ स्थिति ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने भी जाहिर की, जो इस अवसर पर वहीं उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि सिडनी में सामुदायिक स्वागत के लिए 20,000 लोगों की क्षमता है, लेकिन वह अभी भी अनुरोधों को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं। राष्ट्रपति बाइडन और पीएम अल्बनीस दोनों ने अपनी अजीबोगरीब चुनौतियों के बारे में पीएम मोदी से शिकायत की। पीएम अल्बनीस ने आगे उस ऐतिहासिक पल को भी याद किया कि कैसे गुजरात में स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 90,000 से अधिक लोगों ने पीएम मोदी का स्वागत किया था। इस पर जो बाइडन ने पीएम मोदी से कहा, 'मुझे आपका ऑटोग्राफ लेना चाहिए।' मीडिया में इस तरह की खबरों को खूब दिखाया जा रहा है। गौरतलब है कि जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए 19 मई को हिरोशिमा पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को क्वॉड शिखर बैठक के दौरान हिन्द प्रशांत क्षेत्र को वैश्विक कारोबार, नवाचार और विकास का 'इंजन' करार दिया और कहा कि इसकी सफलता एवं सुरक्षा पूरे विश्व के लिए महत्वपूर्ण है।

अमे?रिका के परमाणु हमले में मारे गए लोगों को पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

हिरोशिमा/नई दिल्ली। (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिरोशिमा शांति स्मारक पहुंचकर अमेरिका द्वारा किए गए परमाणु हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी है। पीएम मोदी ने 1945 में द्वितीय विश्वयुद्ध के अंत में जापान के हिरोशिमा शहर में हुए परमाणु हमले में मारे गए लोगों की याद में बनाए गए हिरोशिमा शांति स्मारक संग्रहालय में रविवार को पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान पीएम मोदी के साथ जी-7 आमंत्रित देशों के नेताओं हिरोशिमा पीस मेमोरियल पार्क में पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी को ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीस के साथ बातचीत करते हुए देखा गया। गौरतलब है ?कि पीएम मोदी जी-7 ग्रुप के वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए जापान की यात्रा पर हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मोदी ने जी-7 के अन्य नेताओं के साथ संग्रहालय का दौरा किया। उन्होंने संग्रहालय की आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर भी किए।

इधर प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया कि रविवार सुबह हिरोशिमा में शांति स्मारक संग्रहालय और हिरोशिमा शांति स्मारक पार्क गया। स्मारक पर अन्य विश्व नेताओं ने भी अमेरिका के परमाणु हमले में मारे गए लोगों को पुष्पांजलि अर्पित की। अमेरिका ने छह अगस्त 1945 को हिरोशिमा में दुनिया का पहला परमाणु हमला किया था, जिसमें यह शहर तबाह हो गया था और करीब 1,40,000 लोगों की मौत हो

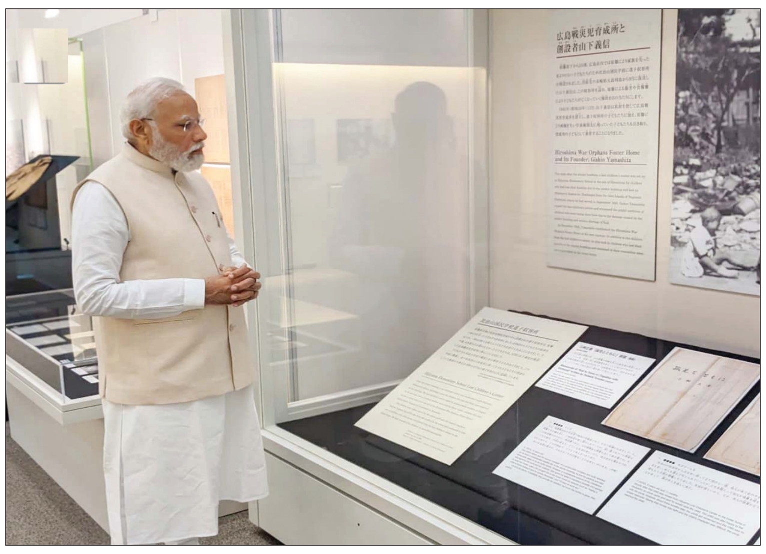

गई थी। पीएम मोदी के स्मारक स्थल स्थित संग्रहालय के दौरे की तस्वीरें ट्वीट करते हुए कि हिरोशिमा के पीड़ितों की याद में श्रद्धांजलि। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शांति स्मारक संग्रहालय का दौरा कर अपने दिन की शुरुआत की, जहां उन्होंने दस्तावेजों का अवलोकन किया और आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए।

मंत्रालय ने जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहे विश्व नेताओं की एक सामूहिक तस्वीर भी ट्वीट करते हुए कहा कि नेताओं ने भी हिरोशिमा शांति स्मारक पार्क में श्रद्धांजलि अर्पित की। जाहिर है कि इस संग्रहालय में हमले में मारे गए लोगों के सामान, तस्वीरें और अन्य सामग्री रखी गई हैं, जो हिरोशिमा पर अमेरिका द्वारा परमाणु बम गिराए जाने की विभीषिका दर्शाती हैं। जी-7 देशों में जापान, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, इटली और यूरोपीय संघ शामिल हैं।

भारतीय रेलवे के विकास से बहुत प्रभावित हूं: मोहम्मद असलम

-मालदीव के मंत्री ने कश्मीर में सबसे ऊंचे चिनाब रेलवे ब्रिज का किया दौरा

रियासी (एजेंसी)। मालदीव के नेशनल प्लानिंग, हाउसिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर मंत्री ने जम्मू-कश्मीर में दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज, एफिल टॉवर से भी ऊंचे चिनाब ब्रिज की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय रेलवे देश में जो विकास ला रहा है, उससे बहुत प्रभावित हूं। रिपोर्ट्स के अनुसार उधमपुर श्रीनगर बारामूला रेल लिंक परियोजना पूरी होने वाली है। मालदीव के राष्ट्रीय योजना, आवास और बुनियादी ढांचा मंत्री मोहम्मद असलम के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को चिनाब ब्रिज का दौरा किया। उत्तर रेलवे ने ट्विटर पर कहा कि मालदीव के आवास और बुनियादी ढांचा मंत्री मोहम्मद असलम और शिफ़ाज़ अली चिनाब ब्रिज देखने पहुंचे।

चिनाब ब्रिज की मदद से भारतीय रेल कश्मीर घाटी को बाकी रेलवे नेटवर्क से जोड़ने में सफल रहेगी। यूएसबीआरएल प्रोजेक्ट के तहत जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में चिनाब ब्रिज नैसर्गिक वादियों में कमाल का एहसास दिलाता है। मालदीव से जो टीम चिनाब ब्रिज देखने पहुंची, उसमें परियोजना निदेशक महजूब शुजाउ, परियोजना प्रबंधक मोहम्मद जिनान सईद भी शामिल रहे। यूएसबीआरएल के मुख्य प्रशासन अधिकारी, एसपी माही समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल की अगवानी की।

मेरा आगामी भारत दौर एक नया इतिहास रचने का वाला: प्रचंड

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाली प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने कहा कि उनका लक्ष्य भारत की अपनी आगामी यात्रा के दौरान एक नया इतिहास रचने का है। प्रचंड 29 मई को भारत की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैं अपने द्विपक्षीय संबंधों में नई गतिशीलता जोड़ने के लिए भारत जा रहा हूं। हम उम्मीद कर रहे हैं कि इस बार मेरी भारत यात्रा के दौरान हमें कुछ नई चीजें मिलेंगी। प्रचंड ने कहा, यह नेपाल और भारत दोनों के लिए एक अच्छा मौका है। हम अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ हमारे सहयोग के क्षेत्रों में नए रास्ते तलाशेंगे।

प्रचंड की यात्रा की तैयारियों के बीच नेपाली विदेश मंत्री एन.पी. सऊद ने पूर्व विदेश मंत्रियों, भारत में राजदूतों और पूर्व विदेश सचिवों के साथ विचार-विमर्श शुरू कर उनसे इस बात पर चर्चा की है कि यात्रा के दौरान क्या किया जाना चाहिए। प्रचंड 3 जून को स्वदेश लौटने से पहले मुंबई भी जाएंगे। 25 दिसंबर, 2022 को प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा है। किसी भी नेपाली प्रधानमंत्री के पदभार ग्रहण करने के बाद सबसे पहले भारत आने की एक लंबी परंपरा रही है प्रचंड ने हालांकि कहा कि पहले भारत आने की कोई कानूनी बाध्यता नहीं है।

भारत के साथ हमारी खुली सीमा है और हमारे आर्थिक, राजनीतिक संबंधों और लोगों से लोगों के संबंधों के कारण, भारत के साथ हमारा संबंध अद्वितीय है। इस तरह का संबंध दुनिया में कहीं भी नहीं है। इसकारण यह एक परंपरा बन गई है। इसलिए सभी पहले भारत का दौरा करते हैं।

रूसी सेना ने किया यूक्रेन के बखमुत शहर पर कब्जा!

-पुतिन ने सेना को दी बधाई, यूक्रेन ने भी रूस के सामने नहीं टेके घुटने

मास्को (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन की जंग को 15 महीने से ज्यादा समय हो चुका है। रूस लगातार यूक्रेन पर आक्रामक है और यूक्रेन के कई शहरों पर कब्जा भी कर लिया है। हालांकि यूक्रेन ने भी रूस के सामने घुटने नहीं टेके हैं और वह भी पलटवार कर रहा है। इस बीच रूसी सेना ने शनिवार को पूर्वी यूक्रेनी शहर बखमुत पर पूर्ण कब्जा का दावा किया है, लेकिन यूक्रेन ने रूस के इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि लड़ाई अभी भी जारी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पूर्वी यूक्रेन में कब्जे के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वैगनर निजी सेना और रूसी सैनिकों की हमला करने वाली टीमों को बधाई दी है।

हालांकि, जैसे ही वैगनर चीफ ने बखमुत पर कब्जा करने का दावा किया कीव ने तुरंत दावे को खारिज कर दिया और कहा कि लड़ाई अभी भी जारी है। मालूम हो कि बखमुत डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक

के उत्तर-पश्चिमी भाग में स्थित है और डोनबास में यूक्रेनी सेना के लिए एक महत्वपूर्ण आपूर्ति केंद्र के रूप में कार्य करता है। 1 अगस्त 2022 को शहर को आजाद कराने के लिए भीषण युद्ध हुआ था। 2014 में डोनबास की मुक्ति के बाद से इस शहर के लिए यह युद्ध सबसे तीव्र युद्धों में से एक रहा है।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने यह भी घोषित किया कि यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान के दौरान आर्ट्योमोव्स्क शहर (यूक्रेन में बखमुत नाम) को पूरी तरह से मुक्त कर दिया गया था. जापान के हिरोशिमा में शनिवार से शुरू हुए जी-7 लीडर्स समिट के दौरान जारी संयुक्त बयान के अनुसार यह ऐसे समय में आया है जब जी-7 नेताओं ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के अवैध, अनुचित और अकारण युद्ध की आक्रामकता के खिलाफ एक साथ खड़े होने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।

बर्फ पिघलने की रफ्तार तीन गुना हो गई है ज्यादा

-इसकी वजह से समुद्र का जलस्तर हो गया दोगुना

लंदन (एजेंसी)। वैज्ञानिकों के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन के कारण अंटार्कटिका और ग्रीनलैंड में बर्फ पिघलने की रफ्तार तीन दशक पहले के मुकाबले तीन गुना हो गई है। इसकी वजह से समुद्र का जलस्तर दोगुना हैं। बता दें कि आर्कटिक महासागर में ग्रीनलैंड काफी बड़ा भूभाग और दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है.ग्रीनलैंड में ज्यादातर महीने बर्फ जमी रहती है।हालांकि, उत्तर में धरती के दूसरे कई इलाकों के मुकाबले ज्यादा तेजी से गर्मी बढ़ने पर इस द्वीप की बर्फ पिघलकर गर्म महासागर में बदलने लगती हैं।एक अध्ययन के मुताबिक, ग्रीनलैंड 1000 साल में पहली बार सबसे ज्यादा गरम होने लगा है।साल 2019 के दौरान दुनिया के 40 फीसदी समुद्रों के जलस्तर में बढ़ोतरी के लिए आर्कटिक का पिघलना ही जिम्मेदार था।ग्रीनलैंड का पीटरमान ग्लेशियर भी अब दरक रहा है।

वैज्ञानिक चिंतित हैं कि महासागर के सबसे नजदीक के इस ग्लेशियर के सिकुड़ने से बहुत बड़े क्षेत्र में फैली बर्फ लगातार गर्म होते महासागर के पानी में मिल जाएगी। शोधकर्ताओं का कहना है कि ग्लेशियरों में सफेद बर्फ के साथ तेजी से आकार बढ़ा रही काली बर्फ भी ग्लेशियरों के तेज रफ्तार से सिकुड़ने के लिए जिम्मेदार है।दरअसल, काली बर्फ सफेद बर्फ के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघल रही है।इसलिए ग्लेशियर तेजी से सिकुड़ रहे हैं। अब सवाल ये उठता है कि बर्फ के सफेद रेगिस्तानों में ये काली बर्फ बन कैसे रही है।शोधकर्ताओं के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण जैसे-जैसे ग्लेशियर पिघल रहे हैं, वैसे-वैसे इन इलाकों में चट्टानें और धूलमिट्टी से भरे मैदान भी उभर रहे हैं.इन चट्टानों और धूल मिट्टी से भरे मैदानों के कारण सफेद बर्फ काली बर्फ में तब्दील हो रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वैज्ञानिकों का कहना है कि अब हिमालय से अंटार्कटिका तक ब्लैक आइस बढ़ रही है।ज्यादातर जगहों पर मैदानों से उठने वाली धूल, जंगलों की आग से उठे धुएं, उद्योगों व डीजल इंजनों से निकलने वाले ब्लैक कार्बन के बहुत ही छोटे कण कई बार हजारों मील का सफर तय कर ग्लशियरों पर जाकर सफेद बर्फ को काली बर्फ में बदल रहे हैं।सफेद बर्फ जहां सूर्य की किरणों को परावर्तित करती है।वहीं, काली या मटमैली बर्फ उसे सोखक तापमान बढ़ा देती है.चट्टानों और धूल मिट्टी से ढके ग्लेशियर सफेद बर्फ के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघलते हैं।वैज्ञानिक तथ्य है कि कोई भी काला पदार्थ सफेद के मुकाबले सूरज से ज्यादा ऊर्जा सोखता है।शोधकर्ता कहते हैं कि ये पत्थर और चट्टानें ऊंची जगहों पर 40 डिग्री सेल्सियस तापमान के बराबर गर्म हो सकती हैं।

ऐसे में जब बर्फ पिघलना शुरू होती है तो ग्लेशियर के ज्यादा बड़े हिस्से के पिघलाव का कारण बनती है।वहीं, वेस्टर्न ग्रीनलैंड में बैंगनी शैवाल का अचानक से बनना शुरू होना बड़ी समस्या बन गया है।ये बैंगनी शैवाल बर्फ की सतह को गाढ़ा और काला बना रही है।इससे ये ज्यादा गर्मी खींच रही है।सूरज की अल्टा-वॉयलेट रेजेज से बचने के लिए ये शैवाल बैंगनी रंग के हो जाते हैं, लेकिन फिर काली पड़

जाती हैं।इससे तपिश भी बढ़ जाती है.अंटार्कटिका और ग्रीनलैंड में ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने और समुद्र का जलस्तर बढ़ने से निचले द्वीपों तथा तटीय इलाकों के लिए सबसे बड़ा खतरा पैदा होगा। मालूम हो कि दुनियाभर के ग्लेशियरों के पिघलने की रफ्तार और समुद्र में जलस्तर बढ़ने की गति से वैज्ञानिक काफी चिंतित हैं।दुनियाभर के वैज्ञानिक लगातार ये पता लगाने की कोशिशों में जुटे हैं कि जलवायु परिवर्तन के अलावा दूसरे कौन से कारण हैं, जिनकी वजह से ऐसा हो रहा है।

एनआईए को बड़ी सफलता, 30 लाख का इनामी नक्सली दिनेश गोप हिरासत में

नई दिल्ली। देश का कुख्यात नक्सली लीडर और पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) का हेड दिनेश गोप अब सुरक्षा एजेंसियों की हिरासत में है। गोप के आतंक का अंदाजा इस बात से लगा सकता है कि उसपर झारखंड सरकार ने 25 लाख और नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने 5 लाख का इनाम रखा था। पिछले 15 साल से भारत की एजेंसियों, पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को नक्सली लीडर की तलाश थी। गोप झारखंड में कई सालों से नक्सली गतिविधियों में सक्रिय था। नक्सली लीडर पर 100 से ज्यादा आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पीएलएफआई के चीफ दिनेश गोप की गिरफ्तारी वास्तव में सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी कामयाबी है। फिलहाल नक्सली से पूछताछ चल रही है। वह काफी लंबे समय से नेपाल में भी छुपा था। बताया जा रहा है कि सेंट्रल एजेंसियों के साथ दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया है। सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली है कि गोप नेपाल में हुलिया बदल कर छुपा हुआ था। वह सिख बना हुआ था और पगड़ी भी पहन रखी थी। स्पेशल सेल की काउंटर एजेंसियों को काफी टाइम पहले यह इनपुट्स मिले थे कि दिनेश नेपाल के काठमांडू में छुपा हुआ है, जिसके बाद इस ऑपरेशन को एनआईए के साथ मिलकर अंजाम दिया गया।

असम के सरकारी स्कूल-कॉलेजों में शिक्षकों के टी-शर्ट, जींस पहनने पर रोक

गुवाहाटी (ईएमएस)। असम के सरकारी स्कूलों में टीचर अब अपने मनमाफिक कपड़े जैसे टी-शर्ट, जींस आदि नहीं पहन सकते हैं। असम स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी सरकारी स्कूल-कॉलेजों में शिक्षकों के लिए टी-शर्ट, जींस और मनमानी पोशाक पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही विभाग ने श?क्षकों के लिए एक सख्त ड्रेस कोड जारी किया है। शिक्षकों से कहा गया है कि वे आदेश का सख्ती से पालन करें अन्यथा अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करें। अधिसूचना के अनुसार, शिक्षकों से केवल फॉर्मल ड्रेस पहनकर स्कूल में ड्यूटी करने का आदेश दिया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि यह पता चला है कि स्कूल-कॉलेजों के कुछ शिक्षकों को अपनी पसंद की ड्रेस पहनने की आदत है, जो कभी-कभी जनता को स्वीकार्य नहीं है। अधिसूचना के अनुसार, शिक्षकों के एक वर्ग को अटपटा ड्रेस पहने पाया गया, जिससे जनभावना आहत हो रही है। इसलिए, शिक्षकों को सख्ती से फॉर्मल ड्रेस कोड का पालन करने को कहा गया है। यह भी कहा गया है कि चूंकि एक शिक्षक से सभी प्रकार की शालीनता का उदाहरण होने की अपेक्षा की जाती है, विशेष रूप से अपने कर्तव्यों का पालन करते समय। आदेश में कहा गया है कि पुरुष शिक्षकों को केवल उचित फॉर्मल ड्रेस में ड्यूटी करनी चाहिए। जबकि महिला शिक्षकों को सलवार सूट/साड़ी आदि पहनकर ड्यूटी करनी चाहिए।

पाकिस्तान की नापाक हरकत : बीएसएफ ने पाक के चौथे ड्रोन को फिर मार गिराया

अमृतसर। पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। मीडिया के अनुसार बीएसएफ के जवानों ने फिर से सीमा पर एक और पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया है। बीएसएफ ने अपने ट्विटर हैंडल पर इसकी जानकारी देते बताया कि पिछले 2 दिनों में उन्होंने 4 पाकिस्तानी ड्रोनों को मार गिराया है। अमृतसर सेक्टर में एक पाकिस्तानी ड्रोन ने घुसपैठ की, जिसे बीएसएफ द्वारा फायरिंग कर मार गिराया गया। सर्च ऑपरेशन दौरान ड्रोन और बैग बरामद किया गया, जिसमें हैरोइन रखी गई थी। इसकी आगे की जानकारी बीएसएफ द्वारा जल्द ही जारी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि 2 दिनों में बीएसएफ ने यह चौथा पाकिस्तानी ड्रोन मार गिराया है। इससे पहले बीएसएफ शुक्रवार को अमृतसर में 2 ड्रोनों को मार गिराया था। इस दौरान भी 2 हैरोइन के पैकेट बरामद किए गए थे। जिनका वजन 2.6 किलो था। इसके अलावा शुक्रवार को एक और ड्रोन ने दाखिल होने की कोशिश की थी, जिस पर फायरिंग की गई लेकिन बीएसएफ उसे बरामद नहीं कर सकी। अंदाजा लगाया जा रहा है कि ड्रोन भारतीय सीमा की जगह पाकिस्तान में जा गिरा है। इन 3 ड्रोनों के बाद बीएसएफ ने कल रात एक और ड्रोन को मार गिराया।

बाबा बागेश्वर, धीरेंद्र शास्त्री पर बनेगी फिल्म

नई दिल्ली। बागेश्वर धाम के बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री की कथा में लाखों भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। कथा में बाबा हिंदू राष्ट्र बनाने की बात करते हैं। भक्तों के बीच में बाबा की टीआरपी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। इसको देखते हुए अब उन पर एक फिल्म बनाई जा रही है। बिहार के पटना में हाल ही में उनकी कथा बड़ी चर्चाओं में आई है यहां एक राजनीतिक दल ने उनकी कथा के लिए भारी स्तर पर इंतजाम किए बाबा ने भी मंच से हिंदू राष्ट्र बनाने का आह्वान किया। नेता और बाबा दोनों गदगद हैं। बाबा की लोकप्रियता को भुनाने और पैसे कमाने के लिए बाबा पर फिल्म तैयार की जा रही है। दा बागेश्वर सरकार के नाम से नॉस्ट्रम एंटरटेनमेंट हब द्वारा फिल्म तैयार करने की घोषणा की गई है। इस फिल्म के डायरेक्टर विनोद तिवारी होंगे। पहले यह फिल्म हिंदी भाषा में बनाई जाएगी। बाद में अन्य भाषाओं में इस डब करके इसे देश के गैर हिंदी भाषी राज्यों और दुनिया के कई देशों में दिखाया जाएगा। फिल्म डायरेक्टर विनोद तिवारी ने दावा किया है, बागेश्वर धाम की महिमा और उनके भक्तों की कथा पर जो अटूट आस्था है। उसको देखते हुए धीरेंद्र शास्त्री के जीवन पर फिल्म का निर्माण किया जाएगा। यह एक बायोपिक धार्मिक फिल्म होगी, इस फिल्म में बाबा के संघर्षों को दिखाने का काम किया जाएगा। बाबा धीरेंद्र शास्त्री धर्म कथा के साथ-साथ, हिंदू राष्ट्र बनाने की बात अपने भक्तों से कहने लगे हैं। इसको देखते हुए एक राजनीतिक दल बाबा की कथाओं का आयोजन विभिन्न राज्यों में सुनियोजित रूप से करा रहा है। इसके लिए भारी भीड़ भी जुटाई जा रही है। कथा के दौरान भंडारे का भी इंतजाम किया जा रहा है। यह फिल्म लोकसभा चुनाव के पहले तैयार हो जाएगी। कई भाषाओं में देश के कई राज्यों में दिखाई जाएगी।

ऊंची इमारतों से धंस रही है जमीन

नई दिल्ली। तटीय इलाकों में जल स्तर बढ़ रहा है इसकी वजह को जानने के लिए न्यूयॉर्क के वैज्ञानिकों ने शोध किया है। न्यूयॉर्क में खड़ी 10 लाख से अधिक हाईराइज इमारतों का वजन 0.176 लाख करोड़ किलो निकला। जो 14 करोड़ हाथियों के वजन के बराबर है। फ्यूचर अर्थ जरनल के शोधकर्ताओं द्वारा कहा गया, इमारतों के वजन के दबाव के चलते धरती धंस रही है। इसके परिणाम स्वरूप जल स्तर बढ़ रहा है। यह एक भूभौतिक प्रक्रिया है। इस शोध में शामिल वैज्ञानिकों का कहना है, मिट्टी जितनी नरम होती है। जमीन उतना ही अधिक दबाव पड़ता है। ऐसी स्थिति में नदी और झीलों के किनारे बसे शहरों के लिए इसे खतरा माना गया है। नदी के आसपास और तटीय क्षेत्रों में बड़ी हाईराइज बिल्डिंग बनाने से बचना चाहिए। भारत के संदर्भ में विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्ट कहती है। मुंबई का जलस्तर हर साल 4.15 मिली मीटर की दर से बढ़ रहा है। 1901 और 1971 की तुलना में यह 3 गुना अधिक है न्यूयॉर्क के इस शोध से भारत को भी मदद मिलेगी। भारत सरकार को तटीय क्षेत्र एवं नदियों के आसपास बहुमंजिला इमारतों को लेकर नई गाइडलाइन बनानी होगी।

समीर वानखेड़े के खिलाफ सीबीआईसी ले सकता है एक्शन, विभागीय जांच शुरू

मुंबई। एनसीबी के मुंबई जोन के पूर्व डायरेक्टर समीर वानखेड़े की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। सीबीआई के बाद समीर वानखेड़े को गृह केडर सीबीआईसी इस मामले में उनके खिलाफ एक्शन ले सकता है। एनसीबी ने अपनी विजिलेंस रिपोर्ट केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के साथ भी शेयर की है। विजिलेंस रिपोर्ट मिलने के बाद सीबीआईसी ने विभागीय जांच शुरू कर दी है। समीर वानखेड़े मौजूदा समय में चेन्नई में केंद्र सरकार के सीबीआईसी विभाग में ही पोस्टेड हैं। गौरतलब है कि मुंबई में एनसीबी के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े कोर्डेलिया क्रूज से ड्रग्स की जब्ती के मामले में सुपर स्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान का नाम शामिल नहीं करने के एवज में उनसे कथित रूप से 25 करोड़ रुपये मांगने से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए शनिवार को सीबीआई के सामने पेश हुए। वानखेड़े सीबीआई के बांद्रा-कुर्ला परिसर स्थित ऑफिस में सबेरे सवा 10 बजे के आसपास पहुंचे। सीबीआई ने वानखेड़े को इस मामले में कोर्ट से सुरक्षा मिलने के बाद पूछताछ के लिए गुरुवार को समन भेजा था, लेकिन वह उस दिन एजेंसी के समक्ष पेश नहीं हुए थे। एनसीबी ने आर्यन खान के खिलाफ सबूतों के अभाव के कारण मामले में दाखिल आरोपपत्र में उनका नाम शामिल नहीं किया। सीबीआई ने कथित तौर पर साजिश रचने और रिश्वत से जुड़े अपराधों के अलावा जबरन वसूली के आरोप से जुड़ी एनसीबी की शिकायत पर वानखेड़े और चार अन्य के खिलाफ 11 मई को एफआईआर दर्ज की थी।

लोगों ने विभाजन की राजनीति और भ्रष्टाचार को कर दिया खारिज: सोनिया गांधी

-कर्नाटक में पहली कैबिनेट बैठक में ही 5 गारंटियों को मिली मंजूरी

बैंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने कर्नाटक में गठित अपनी पार्टी की सरकार को शनिवार को बधाई देते हुए कहा कि राज्य का जनादेश जनता एवं गरीबों के हित में काम करने वाली सरकार के लिए है तथा लोगों ने 'विभाजन की राजनीति और भ्रष्टाचार को खारिज कर दिया है। सोनिया गांधी ने एक वीडियो संदेश में कर्नाटक की जनता का आभार जताया और इस बात पर प्रसन्नता जताई कि मुख्यमंत्री सिध्दारमैया की अगुवाई में हुई राज्य मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही कांग्रेस की पांचों 'गारंटी को मंजूरी दे दी गई।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि मैं कांग्रेस को ऐतिहासिक जनादेश देने के लिए कर्नाटक की जनता का हृदय से आभार जताती हूं। यह जनादेश जनहितैषी एवं गरीब हितैषी सरकार के लिए है। यह (जनादेश) विभाजन की राजनीति और भ्रष्टाचार को खारिज करने वाला है। सोनिया ने कहा कि कर्नाटक की समृद्धि, शांति और प्रगति के लिए कांग्रेस प्रतिबद्ध है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत के एक सप्ताह बाद शनिवार को सिध्दारमैया के नेतृत्व में राज्य की नई सरकार का गठन हो गया। सिध्दारमैया ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, साथ ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने भी शपथ ली, जो उप मुख्यमंत्री बने हैं।

पार्टी के आठ अन्य विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। कर्नाटक में 224 सदस्यीय विधानसभा के लिए 10 मई को हुए चुनाव में कांग्रेस ने 135 सीट पर जीत दर्ज की, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा नीत जनता दल (सेक्युलर) ने क्रमश- 66 और 19 सीट पर हासिल की थी। चुनाव परिणाम 13 मई को घोषित किए गए थे।

डॉक्टर दंपती ने सड़क हादसे में खोया बेटा तो किया अंगदान, अब 11 लोगों की बचेगी जान

पालघर। अंगदान महादान को चरितार्थ करते हुए अंगदान का एक ऐसा ही वाकया महाराष्ट्र के पालघर जिले से समाने आया है। यहां एक डॉक्टर दंपती ने सड़क दुर्घटना में मारे गए अपने 30 वर्षीय बेटे के अंगों का दान किया है। भले ही परिवार शोक में डूबा है, लेकिन डॉक्टर दंपती का यह फैसला कइयों के लिए प्रेरणादायक होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के महाराष्ट्र सचिव डॉ. संतोष कदम ने कहा कि दान किए गए अंगों से कम से कम 11 लोगों को लाभ होगा। मृतक की पहचान साकेत दंडवते के रूप में हुई है। साकेत की मौत शुक्रवार को बेंगलुरु के पास एक दुर्घटना में हो गई थी। साकेत के पिता इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के विरार अध्यक्ष डॉ. विनीत दंडवते ने अपने बेटे की मौत के बाद अंगों को दान करने का फैसला लिया। साकेत की पांच महीने पहले ही शादी हुई थी। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि उनकी पत्नी अपूर्वा ने भी अंगदान के लिए सहमति दी थी। महाराष्ट्र इंडियन मेडिकल एसोसिएशन में अंग दान समिति के प्रमुख डॉ. कदम ने कहा कि 'साकेत के माता-पिता डॉक्टर विनीत और डॉक्टर सुमेधा ने अपने मृत बेटे के अंग दान करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि जहां देश में रक्तदान को लेकर अच्छी जागरुकता है, वहीं अंगदान को लेकर और जागरुकता की जरूरत है।

21 से 23 तक रहेगा हीटवेव का कहर, कई राज्यों में 24 को होगी बारिश व ओलावृष्टि

- 3 दिन बाद गर्मी से मिलेगी राहत

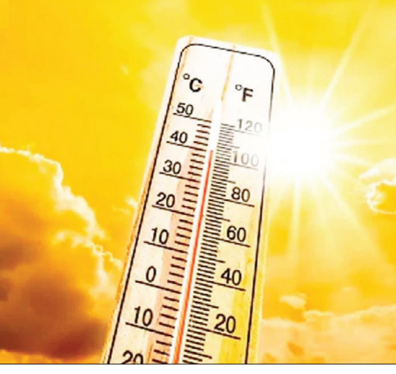

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग के अनुसार देश में 21 से 23 मई तक हीटवेव का कहर जारी रहेगा और कई राज्यों में 24 मई को बारिश एवं ओलावृष्टि की संभवना है। देश के अधिकतर राज्यों में लोग भीषण गर्मी की मार झेल रहे हैं। हालांकि, अब लोगों को गर्मी से राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग ने बताया कि 24 मई से गर्मी से राहत मिलने वाली है। साथ ही मौसम विभाग ने देश के कुछ राज्यों के लिए हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बताया कि आज और कल यानी 22 मई के बीच कई राज्यों में हीटवेव का कहर देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण उत्तर प्रदेश में 22 मई तक हीटवेव की स्थिति रहेगी। साथ ही पश्चिमी राजस्थान, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में आज लोगों को हीटवेव का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ और झारखंड के लोगों को 21 से 23 मई के बीच भीषण गर्मी की मार झेलने पड़ सकती है।

हालांकि, मौसम विभाग के अनुसार 24 मई से देशवासियों को गर्मी से राहत मिल सकती है। अगले पांच दिनों तक कई राज्यों में तेज हवाएं चलेंगी। चक्रवाती दबाव के चलते कई राज्यों में बारिश हो सकती है। 23 मई के बाद पश्चिमी विक्षोभ के पश्चिमी हिमालय के ऊपर दस्तक दे सकता है। इसके कारण दिल्ली, पश्चिमी यूपी, पंजाब, हरियाणा, उत्तर-पश्चिम राजस्थान और उत्तरी मध्य प्रदेश में गरज के साथ बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में अभी तीन दिन तक गर्मी से राहत मिलने की संभावना नहीं है। मौसम विभाग ने बताया कि तापमान के साथ गर्मी बढ़ सकती है। हालांकि, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से आज (रविवार) को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इस दौरान 25 से 35 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चल सकती है। अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री रहने का अनुमान है। सोमवार और मंगलवार को तापमान 41 डिग्री रहने की संभावना है, लेकिन मंगलवार रात को कुछ इलाकों में हल्की वर्षा हो सकती है। इसके बाद तीन दिन तक हल्की वर्षा हो सकती है। ऐसे में तापमान में गिरावट हो सकती है। उत्तराखंड में तीन दिन बाद एक बार फिर मौसम करवट बदल सकता है। मौसम विभाग ने 24 मई को प्रदेश में बारिश एवं ओलावृष्टि की संभावना जताई है। इस दौरान मैदानी इलाकों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

केजरीवाल सरकार का आरोप, गंदी राजनीति कर रहे एलजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच अधिकारों को लेकर तनातनी जारी हैं। ताजा मामला अधिकारियों के उत्पीड़न से जुड़ा है। अब दिल्ली सरकार ने एलजी ऑफिस के दावे को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। केजरीवाल सरकार ने कहा कि अफसरों के द्वारा लगाई उत्पीड़न की शिकायतें पूरी तरह से गलत हैं, एलजी गंदी राजनीति कर रहे हैं। सरकार ने अपने बयान में कहा कि यह शिकायतें पूरी तरह से गलत हैं। एलजी सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के आदेश को अध्यादेश के द्वारा पलटकर न्यायपालिका पर केंद्र सरकार के सीधे हमले के खिलाफ जनता के ध्यान को भटकाना चाहते हैं। इसलिए वह गंदी राजनीति कर रहे हैं।

दरअसल, उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से दावा किया गया कि आप सरकार ने दिल्ली सरकार और एमसीडी में काम करने वाले अधिकारियों का उत्पीड़न किया है। उन्हें बीते कुछ माह में अधिकारियों के उत्पीड़न की कई शिकायतें मिली हैं। कुछ शिकायतें दिल्ली के साथ-साथ पंजाब सरकार से भी संबंधित हैं। उपराज्यपाल कार्यालय के अनुसार, दो शिकायतें इस साल की शुरुआत में मिली थीं। जबकि 11 मई को आए सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद छह शिकायतें प्राप्त हुई हैं। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि दिल्ली और पंजाब में आप की सरकारों ने पार्टी पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के प्रतिशोध में उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को परेशान करना शुरू कर दिया है। जिन अधिकारियों ने आप सरकार के खिलाफ शिकायत की है।

एनजीटी ने कुशक नाले में सीवेज, जहरीली गैस के मुद्दे को हल करने के लिए समिति गठित की

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने कहा कि वैज्ञानिक रूप से सीवर के शोधन और इस्तेमाल की जिम्मेदारी वैधानिक प्राधिकारियों की है और उसने दक्षिणी दिल्ली के कुशक नाले से दूषित जल तथा जहरीली गैस निकलने के मुद्दे को हल करने के लिए एक समिति गठित की है। एनजीटी एक याचिका पर सुनवाई कर रही है जिसमें ग्रेटर कैलाश-1 के बी ब्लॉक में मकानों के समीप नाले की देखरेख में पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायाधीश ए के गोयल की पीठ ने कहा कि शिकायतों का समाधान होना चाहिए लेकिन किसी नाले को ढकने की अनुमति तभी दी जा सकती है जब सीवर के पानी की निकासी वाली एक उचित अलग पाइपलाइन हो और नहर में केवल बरसाती पानी जाता हो जो कि यहां नहीं हुआ। पीठ में न्यायाधीश सुधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल भी शामिल रहे। पीठ ने कहा, 'आवेदकों ने खुद कहा है कि नाले को ढकने से जहरीली गैस एकत्रित हो गयी है जो कुछ मकानों के पीछे नाले के बिना ढके हिस्सों से निकलती है। अत- इन परिस्थितियों में नाले को ढकने की अनुमति देना उचित नहीं होगा।' दक्षिणी दिल्ली के कई इलाकों से 6.5 किलोमीटर लंबे कुशक नाले में बरसाती पानी और सीवर का पानी जाता है तथा यह यमुना नदी में जाने से पहले निजामुद्दीन पश्चिम के समीप बारापूला नाले से मिलता है। एनजीटी ने कहा कि नागरिकों के स्वच्छ पर्यावरण के अधिकार को सिद्ध करने के लिए सीवर के पानी का नियमों के अनुसार वैज्ञानिक तरीके से शोधन और इस्तेमाल नगर निगम और दिल्ली जल बोर्ड जैसे वैधानिक प्राधिकारियों की जिम्मेदारी है। उसने कहा कि इसका हल सीवर के पानी को नाली में जाने से रोकना तथा समय-समय पर इसकी सफाई करना है जिसमें यह सुनिश्चित करना शामिल है कि इसमें जल जमाव ना हो।

सरकार की सही नीयत व नीति के अभाव में करोड़ों गरीबों, शोषितों का जीवन बद से बदतर : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार की सही नीयत व नीति के अभाव में करोड़ों गरीबों, मजदूरों, उपेक्षितों-शोषितों का जीवन बद से बदतर होता जा रहा है। बसपा प्रमुख ने अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले यहां पार्टी कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिए रविवार को दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और झारखंड के वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर उन्हें पार्टी का जनाधार बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी और केन्द्र व राज्य की सरकारों पर जमकर प्रहार किया।

बसपा मुख्यालय से यहां जारी एक बयान के अनुसार, करोड़ों गरीबों, मजदूरों के हालात बदतर होते जाने पर बेदह दुख व गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए मायावती ने कहा, ''गरीबों, मेहनतकशों व अन्य उपेक्षित समाज के लिए अपेक्षित सामाजिक विकास व आर्थिक तरक्की के संबंध में सरकार की सही नीयत व नीति के अभाव के कारण ही इनके हालात अभी तक सुधर नहीं पा रहे हैं जो सरकारों के बहुप्रचारित विकास के दावे को खोखला साबित करता है।'' केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच जारी तनातनी का जिक्र करते हुए मायावती ने कहा, ''केंद्र व दिल्ली सरकार में आपसी अविश्वास, असहयोग व टकराव से आम जनहित प्रभावित हो रहा है जबकि दिल्ली को इनके बीच आपसी सहयोग से विकास, जनहित व जनकल्याण की बेहतरीन मिसाल होना चाहिए।

दोनों के बीच अन्तहीन टकराव दुखद है।'' जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव जल्द ही होने की संभावना जताते हुए बसपा प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं को केंद्र शासित प्रदेश में भी अपनी तैयारी पूरी रखने की नसीहत दी। उन्होंने हिमाचल प्रदेश में भी पार्टी को अपनी तमाम कमियों को दूर करके आगे बढ़ने पर जोर दिया। मायावती ने झारखंड में पार्टी में युवा वर्ग को जोड़कर आगे बढ़ने की रणनीति पर बल दिया। बसपा प्रमुख ने यह भी कहा कि देश में लोगों को बढ़ती महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, खराब शिक्षा व्यवस्था और स्वास्थ्य सुविधाओं की समस्या का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन सरकारें इस ओर ध्यान नहीं दे रही हैं।

जी-20 पर्यटन कार्य समूह के सम्मेलन की सुरक्षा के लिए 600 सुरक्षाकर्मी तैनात

श्रीनगर। श्रीनगर समेत प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में जी-20 पर्यटन कार्य समूह के सम्मेलन को शांत, सुरक्षित एवं विश्वास पूर्ण वातावरण में संपन्न कराने और किसी भी आतंकी षड्यंत्र को विफल बनाने के लिए सुरक्षा का कड़ा बंदोबस्त किया गया है। अंतरराष्ट्रीय सीमा और एलओसी पर भी चौकसी बढ़ा दी गई है। पठानकोट-जम्मू और जम्मू-पुंछ व जम्मू-श्रीनगर-गांदरबल राष्ट्रीय राजमार्ग पर चिह्नित स्थानों पर विशेष नाके भी स्थापित किए गए हैं। लगभग 600 पुलिस अधिकारियों व कर्मियों को सादी वर्दी में सम्मेलन स्थल, एयरपोर्ट और अन्य महत्वपूर्ण जगहों पर तैनात किया गया है।

महबूबा मुफ्ती ने किया बड़ा ऐलान, कहा- 370 के हटने तक नहीं लड़ेंगी चुनाव

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने रविवार को बेंगलुरु में बड़ा ऐलान कर दिया है। उन्होंने घोषणा की कि जबतक जम्मू कश्मीर में आर्टिकल 370 बहाल नहीं होगा तब तक वो विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ेंगी। हालांकि उन्होंने ये कहा कि उनकी पार्टी चुनाव में अपना उम्मीदवार जरुर उतारेगी, जिसमें वो उम्मीदवार नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक के लोगों ने हाल ही में संपन्न राज्य विधानसभा चुनावों में 'फासीवादी, सांप्रदायिक और विभाजनकारी' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराकर पूरे देश को उम्मीद की किरण दिखाई है। मुफ्ती ने इसके लिए कर्नाटक के लोगों की सराहना भी की। हालांकि, उन्होंने दिल्ली के हालिया घटनाक्रम के प्रति लोगों को आगाह करते हुए कहा कि यह सभी के लिए एक खतरे की घंटी है, क्योंकि ऐसा देश में कहीं भी हो सकता है। कांग्रेस पार्टी द्वारा कर्नाटक में जीत दर्ज करने को लेकर उन्होंने कहा कि पार्टी को अभी अधिक त्याग करने की जरुरत है क्योंकि लोगों के पास काफी अन्य विकल्प उपलब्ध है। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी देश में विपक्ष की मौजूदगी भी खत्म करना चाहती है। दिल्ली में भी सरकार को शक्तिहीन किया गया है।

बता दें कि इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा पारित एक अध्यादेश का जिक्र किया, जिसमें दिल्ली के उपराज्यपाल को दिल्ली में (केंद्र सरकार द्वारा नामित) सिविल सेवकों के खिलाफ स्थानांतरण, तैनाती और अनुशासनात्मक कार्यवाही की निगरानी के अधिकार दिए गए हैं। गौरतलब है कि अध्यादेश जारी किए जाने से महज एक सप्ताह पहले ही उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस, कानून-व्यवस्था और भूमि को छोड़कर अन्य सभी सेवाओं का नियंत्रण दिल्ली सरकार को सौंप दिया था।

इस अध्यादेश ने उच्चतम न्यायालय के फैसले को निरस्त कर दिया है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख मुफ्ती ने बेंगलुरु में पत्रकारों से कहा, ''दिल्ली में जो कुछ भी हुआ वह सभी के लिए एक खतरे की घंटी है। जम्मू-कश्मीर में जो कुछ हुआ, वह पूरे देश में होने जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा कोई विपक्ष नहीं चाहती। दिल्ली सरकार को शक्तिहीन कर दिया गया है। यह सभी के साथ होने वाला है।'' मुफ्ती ने कहा कि वह तब तक विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी जब तक कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 बहाल नहीं किया जाता।

हालांकि उनकी पार्टी पीडीपी चुनाव लड़ेगी। मुफ्ती ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''कर्नाटक ने पूरे देश को उम्मीद की किरण दिखाई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा का हर नेता कर्नाटक चुनाव में धर्म का सहारा ले रहा था, लेकिन फिर भी लोगों ने उन्हें सत्ता से बाहर का रास्त दिखा दिया।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव की नींव रखी। मुफ्ती ने कहा, ''पिछले पांच साल से नफरत तथा सांप्रदायिक राजनीति का प्रकोप रहा है। यहां भी कर्नाटक में 'बांटने' की राजनीति की गई। अब सिद्धरमैया और डी. के. शिवकुमार इन घावों पर मरहम लगाएंगे।'' मुफ्ती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर 'विभाजनकारी और सांप्रदायिक राजनीति' झेलने वाला पहला राज्य था, लेकिन कर्नाटक के लोगों ने भाजपा को सत्ता से निकालने के लिए वोट दिया।

अपने राज्य की बात करते हुए मुफ्ती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा दिया गया, जो संघवाद का सबसे बेहतरीन उदाहरण है, लेकिन ''भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करके राज्य को बांट दिया गया और उसे अक्षम बना दिया गया।'' जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''आज वहां सबसे अधिक सेना है और सुरक्षा के नाम पर हर रोज उत्पीड़न तथा छापेमारी की जा रही है।'' उन्होंने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में सिद्धरमैया के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और अन्य लोगों से भी उनके राज्य के बारे में बात की।

पीडीपी की प्रमुख ने कहा, ''मैं चाहती हूं कि जम्मू-कश्मीर में जो हुआ, उस पर लोग ध्यान दें। हम सभी के पासपोर्ट जब्त कर लिये गए हैं। अगर यह एक ऐसे परिवार के साथ हो सकता है, जिसमें मैं एक पूर्व मुख्यमंत्री हूं और मेरी मां एक पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत मुफ्ती मोहम्मद सैयद की पत्नी हैं.... तो यह किसी के साथ भी हो सकता है।'' मुफ्ती ने

जम्मू-कश्मीर को एक खुली जेल बताते हुए आरोप लगाया कि चीन अब उसके मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है, जबकि पहले केवल पाकिस्तान ऐसा करता था। उन्होंने कहा, ''यह भाजपा के अनुच्छेद-370 को निरस्त करने का नतीजा है।'' सिद्धरमैया के शपथ ग्रहण समारोह में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के के. चंद्रशेखर राव, युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी के वाईएस जगन मोहन रेड्डी, आम आदमी पार्टी (आप) के अरविंद केजरीवाल और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के पिनराई विजयन सहित कई विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित नहीं करने के सवाल पर मुफ्ती ने कहा कि कांग्रेस को और कुर्बानी देनी होगी, ''अन्यथा अन्य विकल्प भी हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

2000 के नोट पर सांसद वीके सिंह का नया शिगूफा

गाजियाबाद के सांसद जनरल वीके सिंह ने दो हजार के नोटों को लेकर नया शिगूफा छेड़ दिया। उन्होंने कहा कि जब लोग अपने नोट बैंक में जमा कर देंगे तो डेटा एनालिसिस के बाद बैंक पूछेगा कि ये नोट आपके पास कहां से आए? किस आमदनी के आए? तो भ्रष्टाचार पर कुछ न कुछ अंकुश तो लगेगा ही। जनरल वीके सिंह ने ये बयान शनिवार को गाजियाबाद के कस्बा लोनी में 50 बेड वाले अस्पताल के लोकार्पण समारोह में पत्रकारों से बातचीत में कही। शुरूआत में वे डिमोनेटाइजेशन पर बात करने को तैयार नहीं थे। मगर जब पत्रकारों ने कई सवाल पूछे तो उन्हें जवाब दिया केंद्रीय राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह ने कहा- डिमोनेटाइजेशन क्या है, ये तो पीएम मोदी ने 2 साल पहले बोला था। आपने सुना नहीं। आपको बोला था कि बड़े नोट हैं, चले जाएंगे। अगर हम 2012-13 में जाएं तो उस वक्त जितने भी अर्थक्रांति या आर्थिक नीति वाले लोग थे, वो यही कहते थे कि बड़ा नोट निकाल दोगे तो भ्रष्टाचार कम होगा। मोदीजी भी ये बात पहले बोल चुके थे। तभी से सबको ध्यान रखना था कि दो हजार के नोट इकट्ठे नहीं करने हैं। जनरल वीके सिंह ने कहा कि दो हजार के नोट जमा करने के लिए फ्ङक ने सबको समय दिया है। बैंकों में जब सारे नोट पहुंच जाएंगे, तब उनका एनालिसिस होगा कि किसने कितने नोट जमा किए। हो सकता है कि अगर आपके पास नाजायज इनकम हो तो इनकम टैक्स को फायदा हो। रिजर्व बैंक 2000 का नोट सकुर्लेशन से वापस लेगा, लेकिन मौजूदा नोट अमान्य नहीं होंगे। 2 हजार का नोट नवंबर 2016 में मार्केट में आया था। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 500 और 1000 के नोट बंद कर दिए थे। इसकी जगह नए पैटर्न में 500 का नया नोट और 2000 का नोट जारी किया गया था। फ्ङकसाल 2018-19 से 2000 के नोटों की छपाई बंद कर चुका है।

महल जैसा कानपुर एयरपोर्ट का लुक

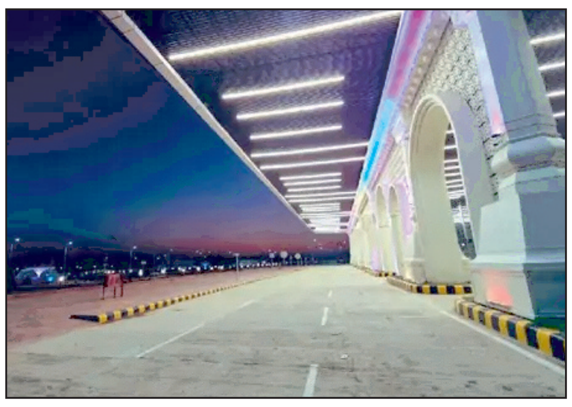

कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट का नया टर्मिनल बनकर तैयार है। इसे महल जैसा भव्य लुक दिया गया है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने खुद इसकी डिजाइन में बदलाव करवाया था। 26 मई को सीएम योगी और उड्डयन मंत्री इसका उद्घाटन करने कानपुर आ रहे हैं। एयरपोर्ट को अपग्रेड करने के लिए अक्टूबर-2019 में वर्क ऑर्डर जारी हुए थे। 16 महीने में पूरा करने का टारगेट था। हालांकि, करीब 42 महीने लग गए। 6248 वर्गमीटर में बनकर तैयार एयरपोर्ट पर 143.6 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। नए एयरपोर्ट टर्मिनल में नाइट लैंडिंग के लिए 2800 मीटर लंबे रनवे पर 1000 मीटर यानी एक किमी. तक एप्रोच लाइट लगाने का काम पूरा कर लिया गया है। ऐसे में रनवे पर अंधेरे और कोहरे में भी नाइट लैंडिंग हो सकेगी। एयर फील्ड लाइट और नेविगेशन का काम भी हो गया है। पूरे रनवे को उउळश से कवर किया जा रहा है। प्रदेश का यह पहला एयरपोर्ट है, जो एयरफोर्स के अंडर में आता है। हवाई पट्टी भी एयरफोर्स के अधिकार क्षेत्र में हैं। ऐसे में ये पहला एयरपोर्ट है, जहां फाइटर जेट के साथ ही सिविल प्लेन भी उतर सकते हैं। नए टर्मिनल में बने एप्रेन में एक साथ तीन हवाई जहाज खड़े हो जाएंगे। 3 विमानों का संचालन भी हो सकेगा। अभी मौजूदा एयरपोर्ट पर एक विमान के एयरपोर्ट पर होने से दूसरा विमान हवा में चक्कर काटता है। इसके अलावा कि 100 लोग भी मुश्किल से यहां बैठ सकते हैं। नए टर्मिनल में 300 लोगों के बैठने की क्षमता है। अभी एयरपोर्ट के पुराने टर्मिनल से तीन विमान दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु के लिए उड़ान भर रहे हैं। शुरूआत में दो से तीन शहरों के लिए नई सेवा शुरू होगी। वहीं टर्मिनल की सुरक्षा में उकरऋ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) के 150 जवान तैनात होंगे। 26 मई को प्रस्तावित उद्घाटन के पहले इन जवानों की तैनाती हो जाएगी।

कर्नाटक चुनाव भाजपा ने नफरत की बुनियाद पर लड़ा

जमीयत उलेमा हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा, 'आजादी के बाद कांग्रेस की लचीली नीति ने देश और कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया है। महात्मा गांधी की नृशंस हत्या धर्म निरपेक्षता की हत्या के बराबर थी। यहीं से देश में साम्प्रदायिक की जड़ें और गहरी हुईं। कर्नाटक का चुनाव भाजपा ने नफरत की बुनियाद के ऊपर पर लड़ा। यह संदेश देने की कोशिश की भाजपा ही सबसे ज्यादा नुकसान मुसलमान को पहुंचा सकती है। लेकिन वहां की जनता ने नकार दिया। समान नागरिक संहिता और सिविल कोड का हम इसका विरोध करते थे और करते रहेंगे।' यह बयान मौलाना मदनी ने मुंबई में चल रही तीन दिवसीय बैठक के दूसरे दिन कही। मदनी ने कहा, 'देश और कांग्रेस को साम्प्रदायिकता के खिलाफ लचीली नीति का खामियाजा भुगतना पड़ा। एक दिन ऐसा भी आया कि उसे सत्ता से हटा दिया गया। इस लचीली नीति ने कई ऐसे नेताओं को भी सत्ता में ला दिया, जिनकी राजनीतिक विचारधारा कांग्रेस की विचारधारा से भिन्न थी।

मेरठ में 8 लाख की डकैती

मेरठ में शनिवार देर रात 10 बदमाशों ने परिवार को घर में बंधक बनाकर डकैती की। विरोध करने पर बदमाशों ने परिवार कमरे में बंद करक पीटा। जिसके बाद हाथ-पैर रस्सी से बांध दिए। मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। बेटे की कनपटी पर बंदूक रखकर कहा, अगर शोर मचाओगी तो जान से मार देंगे। बेटे को जिंदा चाहती हो तो शोर मत मचाना। इसके बाद घर में रखे 8 लाख से अधिक के जेवर 1 लाख की नकदी लेकर फरार हो गए। घटना मुंडाली थाना क्षेत्र के नगलामल गांव का है। पुलिस को परिजनों ने बताया कि देर रात हम लोग खाना खाने के बाद छत पर सो रहे थे। 10 लोग बंदूक लेकर छत पर आए। जिसके बाद हम लोगों को नीचे लेकर आए। कहा नहीं चलोगे तो बेटे को जान से मार देंगे। हम लोग डर की वजह से नीचे आए। उन लोगों ने कहा कि कान के कंडल उतारकर दे दो। मोबाइल लेकर तोड़ दिए। जिसके बाद हाथ-पैर रस्सी से बांध दिए। मुंह में चुनरी ठूंस दिया। इसके बाद कमरे का दरवाजा बंद कर दिया। सभी लोग डर की वजह से घर में बैठे रहे। वो लोग अलमारी तोड़कर सारे पैसे और जेवर लेकर भाग गए। जिसके बाद हम लोग किसी तरह से हाथ-पैर खोलकर पीछे के रास्ते बाहर निकले। मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस केवल पूछताछ कर वापस लौट गई। थाना मुंडाली के गांव नंगलामल में किसान शिवम तोमर बेटे अनिल (8) पत्नी प्रियंका के साथ मकान की छत पर सो रहे थे। शिवम तोमर की पत्नी ने बताया कि देर रात करीब 10 बदमाश मकान की दीवार फांदकर घर मे घुसे और ऊपर छत पर पहुंचकर हमें जगाया। बच्चे के सिर पर बंदूक रखकर कहा सभी लोग नीचे चलो। हम लोग नीचे आए। जिसके बाद कमरे में ले गए। वहां मारपीट कर दरवाजा बंद कर दिया।

एसपी देहात कमलेश बहादुर ने बताया कि शिवम तोमर उनकी पत्नी प्रियंका ने डकैती की घटना की जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पहुंचकर छानबीन की है।

कटिहार-अमृतसर वाया गोरखपुर चलेगी स्पेशल ट्रेन

गोरखपुर समेत बिहार से पंजाब अमृतसर जाने वाले यात्रियों को ट्रेन में टिकट के लिए दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। क्योंकि, रेलवे की ओर से ट्रेन नंबर 05734/05733 कटिहार-अमृतसर वीकली समर स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। यह ट्रेन कटिहार से 20 मई से 1 जुलाई तक प्रत्येक शनिवार को चलेगी। जबकि अमृतसर से यह ट्रेन 22 मई से 3 जुलाई तक प्रत्येक सोमवार को चलेगी। ठए रेलवे के उढफड पंकज कुमार सिंह ने बताया कि समर स्पेशल ट्रेन में टिकटों की बुकिंग शुरू हो गई है। इस ट्रेन में अउ थर्ड इकोनामी क्लास के कुल 16 कोच लगाए जाएंगे। इस ट्रेन की टाइमिंग कटिहार से 07.50 बजे प्रस्थान कर मुजफ्फरपुर से 12.50 बजे, नरकटियागंज से 15.43 बजे, गोरखपुर 20.50 बजे, दूसरे दिन लखनऊ से 04.10 बजे, कानपुर सेन्ट्रल से 06.10 बजे, दिल्ली से 12.00 बजे, अम्बाला से 14.40 बजे, लुधियाना से 16.18 बजे और जलन्धर से 17.20 बजे छूटकर अमृतसर 19.28 बजे पहुंचेगी। जबकि, अमृतसर से इस ट्रेन की टाइमिंग 08.45 बजे प्रस्थान कर जालंधर से 10.00 बजे, लुधियाना से 11.02 बजे, अम्बाला से 12.50 बजे, दिल्ली से 16.35 बजे, कानपुर सेन्ट्रल से 21.45 बजे, लखनऊ से 23.20 बजे, दूसरे दिन गोरखपुर से 06.35 बजे, नरकटियागंज से 09.05 बजे, मुजफ्फरपुर से 13.00 बजे चलकर कटिहार 18.20 बजे पहुंचेगी।

भारतीय वायुसेना ने ग्रेजुएट के लिए निकाली 276 भर्ती

सरकारी नौकरी की तलाश में जुटे युवाओं के लिए हम फिर से 5 लेटेस्ट सरकारी नौकरियों की जानकारी के साथ हाजिर हैं। ग्रेजुएट युवाओं के लिए इंडियन एयरफोर्स ने AFCAT भर्ती का नोटिस जारी किया है। कुल 276 पद हैं। सिलेक्शन होने पर 56 हजार से लेकर 1.10 लाख रुपए तक मंथली सैलरी मिलेगी। ढउट में 60% अंकों के साथ 12वीं पास आउट भी इरऋकी कम्युनिकेशन विंग के लिए अप्लाई कर सकते हैं। ये भर्ती 247 पोस्ट के लिए है। लेकिन ध्यान देने बात यह है कि आज इस वैकेंसी की लास्ट डेट है। इसमें सिलेक्शन होने पर 25 से 81 हजार रुपए तक सैलरी मिलेगी। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया में 535 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। सिलेक्शन होने पर 25 से 68 हजार रुपए हर महीना सैलरी मिलेगी। आपने यहां 5 नौकरियों के बारे में जाना। आपके मन में कुछ सवाल होंगे। इसलिए आप दी गई वेबसाइट के जरिए ऑफिशियल नोटिफिकेशन को जरूर देखें। बाकी जिन नौकरियों के बारे में बताया गया है। अगर लगता है कि इससे आपके भाई-दोस्त या फिर रिश्तेदार की जरूरत पूरी होती है तो उन्हें यह जरूर भेजें। आखिर में हम 10 लेटेस्ट करेंट अफेयर्स के सवाल-जवाब दे रहे हैं। इन्हें रोज देखिए। हो सके तो सेव करते जाएं, ताकि आगामी परीक्षाओं में यह आपके लिए फायदेमंद साबित हों।

गोरखनाथ मंदिर में 9 देव-विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे योगी

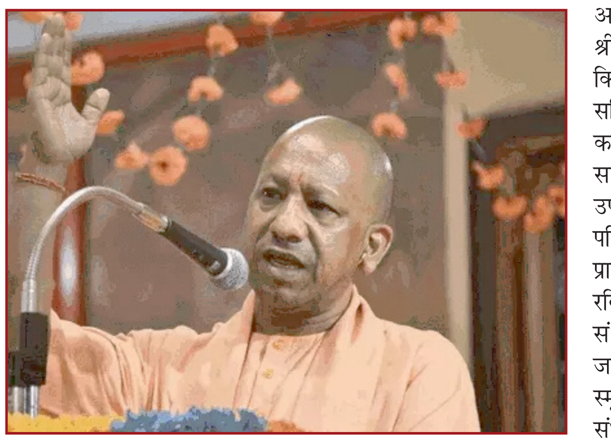

गोरखनाथ मंदिर में आज 9 नवीन मंदिरों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में गोरखनाथ मंदिर में 8 मई से ही दो चरणों मे चल रहे आनुष्ठानिक कार्यक्रम भी आज पूरे हो जाएंगे। शिवावतार गुरु गोरखनाथ की तपोभूमि गोरखनाथ मंदिर परिसर में बने 9 देवी-देवताओं के भव्य मंदिरों का निर्माण कराया गया है। नवीन मंदिरों में देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में दो चरणों में अनुष्ठान का शुभारंभ 8 मई को ही हो चुका है। प्रथम चरण में 14 मई तक सप्त दिवसीय श्री शिव महापुराण ज्ञानयज्ञ का आयोजन हुआ था। सप्त दिवसीय द्वितीय चरण के अनुष्ठान का शुभारंभ 15 मई को श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ और श्रीमद्भागवत महापुराण कथाज्ञानयज्ञ के साथ हुआ। इन दोनों कार्यक्रमों की पूर्णाहुति रविवार को होगी। पूर्णाहुति के साथ ही गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विधि विधान से देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में चल रहे अनुष्ठान में सम्मिलित होने के लिए मुख्यमंत्री शुक्रवार को ही गोरखनाथ मंदिर आ चुके हैं। शुक्रवार व शनिवार को उन्होंने श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ में आहुतियां डालीं और श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण किया। प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में सम्मिलित होने के लिए देश के कई प्रमुख धमार्चार्य, महंत व साधु-संत भी गोरक्षपीठ में उपस्थित रहेंगे। गोरखनाथ मंदिर परिसर में नवीन मंदिरों में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आज रविवार की शाम 6 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में आयोजित भजन संध्या में सुपरिचित भजन गायक, 'जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे' फेम कन्हैया मित्तल सुमधुर भजनों की प्रस्तुति करेंगे। श्री मित्तल ने वीडियो संदेश जारी कर सभी श्रद्धालुओं से भजन संध्या में सम्मिलित होने का अनुरोध किया है।

बुर्का पहनने, हिंदू दोस्त बनाने पर बवाल

कर्नाटक की हिजाब गर्ल की चर्चा पूरी दुनिया में हुई। अब एक बार फिर हिजाब गर्ल सुर्खियों में है, लेकिन इस बार कर्नाटक में नहीं, यूपी में...। यहां पिछले 8 दिन में 9 ऐसी घटनाएं हुई हैं। ये सभी मामले वेस्ट यूपी के हैं। यहां हिजाब या बुर्का पहने लड़कियों के साथ बदसलूकी हुई है। अब बात आगे निकलकर मंदिरों में मुस्लिमों के आने-जाने पर पाबंदी और ड्रेस कोड तक पहुंच गई है। आज संडे स्टोरी में बात करते यूपी में हिजाब खींचने की पहली घटना, 9 दिन पहले यानी 13 मई को मेरठ के भरे बाजार में हुई। यहां कुछ युवक मुस्लिम लड़कियों से पूछ रहे हैं कि हिंदू लड़कों से दोस्ती करोगी क्या..? ऐसी ही एक दूसरी घटना भी इसी मेरठ में होती है। तीसरी घटना मेरठ से 57 किमी दूर मुजफ्फरनगर में होती है। चौथी घटना मेरठ से 74 किमी दूर बुलंदशहर में होती है। ये 9 घटनाएं वेस्ट यूपी के 6 जिलों में हुई हैं। इन जिलों के बीच की दूरी 57 किमी से 135 किमी के बीच है। मेरठ के नायब शहर काजी जैनुर राशिद्दीन कहते हैं कि औरतों का हिजाब खींचना, ये पूछना कि तुम कौन हो? कहां से आई हो? किसके साथ आई हो? ये सब चीजें जो हो रही हैं, ये बातें अच्छी नहीं हो रही हैं। इनका प्रभाव लोगों पर अच्छा नहीं पड़ रहा है। बहुत से लोग नाम बदलकर धोखा करते हैं। शरीयत के अंदर धोखेबाजी करना गलत बात है। जैनुर कहते हैं कि शादी जिंदगी भर के लिए होती है, एक-दो महीने के लिए नहीं। हम इसका विरोध करते हैं, वो चाहे जो हों, ऐसे लड़कों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। शरीयत में भी इस तरह की घटना को गलत बताया गया है। ऐसी हरकत करने वालों को सजा मिलनी चाहिए। चाहे हिंदू हों या मुस्लिम हों। ऐसा न हो कि वो हिंदू हैं तो सजा नहीं दे रहे हैं, मुस्लिम हैं तो सजा दे रहे हैं।

संक्षिप्त डायरी

दलित को उपमुख्यमंत्री नहीं बनाना कांग्रेस की जातिवादी मानसिकता का परिचायक: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) मायावती ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक में दलित और मुस्लिम को मुख्यमंत्री अथवा उपमुख्यमंत्री पद के काबिल नहीं समझना कांग्रेस की जातिवादी मानसिकता का द्योतक है। सुश्री मायावती ने ट्वीट किया, कर्नाटक विधानसभा चुनाव उपरान्त मंत्रिमण्डल में श्री डी के शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री बनाकर कांग्रेस ने अपनी अन्दरुनी कलह को थोड़ा दबाने का प्रयास किया है, किन्तु दलित व मुस्लिम समाज की उपेक्षा क्यों, जबकि इन दोनों वर्गों ने एकजुट होकर कांग्रेस को वोट देकर विजयी बनाया। उन्होने कहा ह्न कांग्रेस द्वारा कर्नाटक में सीएम पद के लिए दलित समाज की उठी दावेदारी को पूरी तरह से अन्देखी करने के बाद अब किसी भी दलित व मुस्लिम को डिप्टी सीएम नहीं बनाना यह इनकी जातिवादी मानसिकता को दशार्ता है अर्थात इनको यह वर्ग केवल अपने खराब दिनों में ही याद आते हैं। ये लोग सतर्क रहें। गौरतलब है कि कर्नाटक में आज श्री सिद्धारमैया मुख्यमंत्री और श्री डीके शिवकुमार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। शपथ ग्रहण समारोह में बसपा सुप्रीमो को न्योता नहीं भेजा गया था। 2018 के चुनाव में कर्नाटक में हुये शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस ने सुश्री मायावती समेत तमाम विपक्षी दलों को न्योता भेजा था और 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी एकता का इजहार किया था।

नाबालिग लड़की के अपहरण व दुष्कर्म के मामले में महिला और युवक को 10-10 साल की कैद

भदोही । भदोही की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने 17 साल की नाबालिग लड़की का अपहरण करने और फिर उससे बलात्कार किये जाने के मामले में शनिवार को एक महिला और एक युवक को 10-10 वर्ष कारावास की सजा सुनाने के साथ ही अर्थदंड भी लगाया है। विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) कौलेश्वर नाथ पांडेय ने शनिवार को यह जानकारी दी। पांडेय ने बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) मधु डोगरा की अदालत ने जिले के चौरी थाना क्षेत्र के एक गांव में करीब पांच वर्ष पुरानी घटना के मामले में आरोपी शाहजहां बेगम (50) और असलम (32) को दोषी करार देते हुए 10-10 साल की सजा सुनाई। उन्होंने बताया कि अदालत ने शनिवार को महिला को अपहरण और युवक को अपहरण सहित बलात्कार करने का दोषी ठहराते हुए दोनों को 10-10 साल कैद की सजा सुनाई। इसके साथ अदालत ने महिला पर 16 हजार रुपये जबकि युवक को 40 हजार रुपये जुमार्ना अदा करने का आदेश पारित करते हुए कहा कि जुमार्ने की रकम अदा नहीं करने पर दोनों दोषियों को ढाई-ढाई साल की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अदालत ने जुमार्ने की राशि में से 20 हजार रुपये पीड़िता को देने के निर्देश दिये। विशेष लोक अभियोजक ने घटना के संदर्भ में बताया कि दिसंबर 2018 की यह घटना जिले के चौरी थाना क्षेत्र के एक गांव की है। उन्होंने बताया कि एक पान-गुटखा की दुकान चलाने वाली शाहजहां बेगम ने उसी क्षेत्र की 17 साल की एक किशोरी को दो दिसंबर 2018 को बुलाया और असलम नामक युवक के साथ भेज दिया।

पीलीभीत में कार के पेड़ से टकराने पर पिता की मौत, पुत्र घायल

पीलीभीत । पीलीभीत के न्यूरिया थाना इलाके में शनिवार की सुबह एक होंडा सिटी कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गयी, जिससे कार सवार एक व्यक्ति की मौत हो गयी और उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। न्यूरिया थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) उदयवीर सिंह ने पत्रकारों को बताया कि थाना क्षेत्र के खेर का फार्म निवासी जॉर्ज दास उर्फ पन्ना दास (55) और उनके पुत्र सुमित दास (30) कार में बैठकर नोएडा से अपने घर आ रहे थे। उन्होंने कहा कि शनिवार की सुबह कार चला रहे सुमित को अचानक नींद की झपकी आ गई और कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गयी। सिंह ने कहा कि इस हादसे में पिता की कार में फंस कर मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर न्यूरिया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और कार में फंसे पन्नादास को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। उन्होंने गंभीर रूप से घायल सुमित को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दहेज हत्या के मामले में मृतका के पति समेत तीन लोगों को दस-दस साल के सश्रम कारावास की सजा

महराजगंज। उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले की एक स्थानीय अदालत ने दहेज हत्या के एक मामले में मृतका के पति समेत तीन लोगों को दस-दस साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। सहायक जिला सरकारी वकील (एडीजीसी) सर्वेश्वर मणि त्रिपाठी ने शनिवार को बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश पवन कुमार श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कोतवाली थाना क्षेत्र के पटरेंगवा गांव निवासी पुनवासी यादव और उसकी मां तथा बहन को दहेज हत्या का दोषी करार दिया। त्रिपाठी के अनुसार, मृतका के पिता राम आसरे यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दहेज की मांग पूरी नहीं कर पाने पर ससुरालवालों ने उनकी बेटी श्यामा यादव (19) की छह अप्रैल 1993 को हत्या कर दी। त्रिपाठी ने बताया कि राम आसरे ने आरोप लगाया था कि श्यामा के पति और ससुरालवाले शादी के समय दिए गए उपहारों व नगदी से संतुष्ट नहीं थे तथा उन्होंयने श्यामा से अपने पिता पर 5,000 रुपये और एक मोटरसाइकिल देने का दबाव बनाने के लिए कहा था। त्रिपाठी के मुताबिक, श्यामा की शादी 1987 में हुई थी और 22 फरवरी 1993 को राम आसरे को बेटी की मौत का संदेश मिला। एडीजीसी ने कहा कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और दहेज अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोप पत्र दाखिल किया। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को अपर सत्र न्यायाधीश पवन कुमार श्रीवास्तव ने श्यामा की दहेज हत्या के मामले में पुनवासी यादव और उसकी मां व बहन को दस-दस साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

अस्पईताल जा रही महिला की गोली मारकर हत्या

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद शहर के तिलक नगर इलाके में शनिवार सुबह अस्प ताल जा रही एक महिला को अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिला के परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल का मौका मुआयना करने के बाद पुलिस अधीक्षक नगर सर्वेश कुमार मिश्रा ने बताया तिलक नगर निवासी उमा देवी (35) बीमार थी और अपने पति के साथ पूर्वाह्न 11 बजे के आसपास अस्पिताल जा रही थी। मिश्रा के मुताबिक, उमा धीमी गति से चल रही थी, जिसके चलते उसका पति उससे थोड़ा आगे निकल गया।

मुजफ्फरपुर में सड़क हादसा दो की मौत

अज्ञात वाहन ने किसान को मारी टक्कर

मुजफ्फरपुर में शनिवार को दो सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। दोनों हादसा दो अलग-अलग क्षेत्र में घटी। जहां मृतकों में एक मजदूर और एक किसान शामिल है। पहला हादसा जिले के हथौड़ी थाना क्षेत्र के लोहसरी चौक के समीप हुआ। जहां सड़क दुर्घटना में एक किसान की मौत हो गई। दोनों युवक अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। दोनों किसी निजी काम से बाजार जा रहे थे। इस दौरान एक की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। मृतक की पहचान हथौड़ी थाने के सहिला रामपुर निवासी राजेन्द्र चौधरी के 45 वर्षीय पुत्र मनोज कुमार चौधरी के रूप में हुई हैं। वहीं, दूसरा हादसा जिले के अहियापुर के पुरानी जीरोमाइल में हुआ। जहां सड़क दुर्घटना में एक मजदूर की मौत हो गई। वही दूसरा गंभीर रूप से घायल है। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुँची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल को इलाज के लिए SKMCH में भर्ती करवाया गया। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। मुजफ्फरपुर जिले में सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, दूसरे युवक घायल हो गया। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए SKMCH भेज दिया। हादसा जिले के हथौड़ी थाना क्षेत्र के लोहसरी चौक के समीप हुआ। जहां दोनों युवक अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। दोनों किसी निजी काम से बाजार जा रहे थे। मृतक की पहचान हथौड़ी थाने के सहिला रामपुर निवासी राजेन्द्र चौधरी के 45 वर्षीय पुत्र मनोज कुमार

चौधरी के रूप में हुई हैं। मृतक खेती पर परिवार का भरण पोषण करता था। मनोज अपने निजी काम से शनिवार को शहर आया था। शाम को घर लौटने के दरम्यान लोहसरी चौक के समीप अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिस कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उसका एक रिश्तेदार घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना हथौड़ी थाने की पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन की। घटना के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था। मृतक अपने पिता के इकलौते संतान थे। मृतक के चार बेटी और एक बेटा है। घटना के बाद इलाके में मातम पसर गया हैं। पूरे मामले पर हथौड़ी थाना अध्यक्ष ललन सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों को आवेदन देने के लिए बोला गया है। आवेदन के आधार पर आगे की कार्यवाई की जाएगी। मुजफ्फरपुर में सड़क दुर्घटना में एक मजदूर की मौत हो गई। वही दूसरा गंभीर रूप से घायल है। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुँची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल को इलाज के लिए एसकेएमसीएच में भर्ती करवाया गया। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। जिले के अहियापुर के पुरानी जीरोमाइल में सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरा गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना के बाद घायल आधे घंटे तक छटपटाता रहा। लगभग आधे घंटे बाद उधर से गुजर रहे राहगीरों ने उसे एसकेएमसीएच में भर्ती कराया। एसकेएमसीएच में घायल युवक की हालत नाजुक बनी हुई है।बता दें कि शनिवार की देर रात जीरोमाइल से दोनों किराना दुकान से काम कर एक साथ घर लौट रहा थे। उसी दौरान जीरोमाइल की तरफ से आ रही अनियंत्रित पिकअप ने ठोकर मार दिया। मौके से ड्राइवर पिकअप ले कर फरार हो गया। मृतक साइकल चला रहा था, और घायल उसके पीछे बैठा हुआ था।

फायरिंग के दौरान अटकी राइफल गलती से चली युवक की मौत

छपरा में शादी में हर्ष फायरिंग करना युवक को महंगा पड़ गया। अपनी ही गन से चली गोली का वो शिकार हो गया और उसकी मौत हो गई। युवक बारात में लाइसेंसी राइफल से फायरिंग कर रहा था। इसी दौरान राइफल फंस गई। उसे ठीक करने में गोली चल गई। गोली उसके हाथ को छेदते हुए प्राइवेट पार्ट में लग गई। मामला जलालपुर थाना क्षेत्र के सर्विस सरेया गांव का है। मृतक की पहचान बनियापुर थाना के रजौली गांव निवासी रमेश यादव (35) पिता सुधीर यादव के रूप में की गई है। गोली लगते ही शादी में भगदड़ मच गई।

आनन फानन में घायल युवक को लेकर दूसरे बाराती छपरा सदर अस्पताल पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन बिना पोस्टमॉर्टम कराए ही शव लेकर चले गए। ग्रामीणों ने कहा कि बनियापुर के रजौली निवासी सोनू यादव की बारात जलालपुर थाना क्षेत्र के सर्विस सरेया गांव निवासी राजकिशोर यादव के घर आई हुई थी। बारात में जयमाला के दौरान बाराती पक्ष की ओर से हर्ष फायरिंग की गई। इसी दौरान राइफल में गोली फंस गई। जिसे निकालने के दौरान फायर हो गया और रमेश के हाथ को छेदते हुए गोली उसके प्राइवेट पार्ट में लग गई। जलालपुर थाना प्रभारी पिंटू कुमार ने कहा कि थाना क्षेत्र के सर्विस सरेया में बारात के दौरान हर्ष फायरिंग में एक युवक को गोली लगी है। जिसमें युवक की मौत हो गई है। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं की जांच कर रही है। हथियार को बरामद करने की कोशिश की जा रही है।

भोजपुर में सड़क हादसा, एक की मौत

भोजपुर में शनिवार रात बेलगाम ट्रक ने दो बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में एक किशोरी की मौत हो गई। वहीं, 3 अन्य लोग घायल हो गए। किशोरी अपने घर वालों के साथ मौसी की शादी में जा रही थी। हादसा जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र के बबुरा पेट्रोल पंप के समीप हुआ। वहीं, बड़हरा थाना के गश्ती में रहे एसआई द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां उनका इलाज कराया जा रहा। जानकारी के अनुसार मृत किशोरी पटना जिला के मनेर थाना क्षेत्र के हुलासी टोला गांव निवासी कुणाल राय की 11 वर्षीय पुत्री आरती कुमारी है। जबकि जख्मियों में बाइक सवार पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के पथलौटिया गांव निवासी लखन देव राय का 17 वर्षीय पुत्र व मृत किशोरी का मामा उपेंद्र कुमार एवं दूसरे बाइक पर सवार चांदी थाना क्षेत्र के भदवर गांव निवासी संतोष कुमार का 21 वर्षीय पुत्र पंकज कुमार और पथलौटिया गांव निवासी छत्रबलि राय की 8 वर्षीय पुत्री प्रिती कुमारी शामिल है। इधर,मृत किशोरी के नाना लखन देव राय ने बताया कि उनकी बेटी चंदा कुमारी का तिलक बड़हरा थाना क्षेत्र के बिन्दगावां गांव जा रहा था उसी तिलक में शामिल होने के लिए एक बाइक पर उनका पुत्र उपेंद्र कुमार अपनी भांजी आरती कुमारी के साथ सवार था। जबकि दूसरे बाइक पर पंकज कुमार एवं प्रीति कुमारी सवार थे और सभी पथलौटिया गांव से बिन्दगावां गांव जा रहे थे। उसी दौरान बबुरा पेट्रोल पंप के समीप पीछे से आ रही बेलगाम ट्रक ने उन दोनों की बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उपेंद्र के बाइक पर बैठी उसकी भांजी आरती कुमारी की मौत हो गई। जबकि बाइक चला रहा उपेंद्र एवं दूसरे बाइक पर सवार पंकज कुमार एवं प्रीति भी गंभीर रूप से जख्मी हो गए । जिसके बाद उन्हें बड़हरा थाना पुलिस द्वारा आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृत किशोरी अपने दो बहन व दो भाई में बड़ी थी। मृत किशोरी के पिता कुणाल राय प्राइवेट काम करते हैं। मृत किशोरी के परिवार में मां मानता देवी दो भाई राजा बाबू ,भुलान एवं एक बहन प्रीति है।

नालंदा में अब मॉर्निंग शिफ्ट में चलेगा कोर्ट

नालंदा के न्यायालयों में अब एक बार फिर से कार्य अवधि में परिवर्तन किया गया। पिछले 26 अप्रैल को निर्गत नोटिस के अनुसार ग्रीष्मकालीन न्यायालय भी पूर्व की तरह 10 बजे से 5 बजे तक चल रहा था। जिसका अधिवक्ताओं ने विरोध किया था। बाद में पटना उच्च न्यायालय ने संबंधित जिला न्यायालय को यह आदेश दिया था कि वे अपने-अपने जिला के न्यायालयों की कार्य अवधि में बदलाव कर सकते हैं। इस आलोक में जिला सत्र न्यायाधीश हसमुद्दीन अंसारी ने आदेश निर्गत किया कि अब न्यायालय 22 मई से 24 जून तक मॉर्निंग शिफ्ट में चलेगा। सुबह 7:30 बजे से न्यायालय का काम शुरू हो जाएगा जो 10 बजे तक चलेगा। 10 से 10:30 भोजनावकाश रहेगा। 10:30 बजे से न्यायालय की प्रक्रिया शुरू होगी जो 1 बजे तक चलेगी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा जिले के अलग-अलग 85 न्यायालयों की समयावधि तय की है।

बिहार में आज तपती धूप कल से हो सकती है बारिश

बिहार के ज्यादातर जिलों में शनिवार को मौसम सामान्य रहा। 13 जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। अगले 24 घंटे में भी मौसम में ज्यादा बदलाव नहीं देखने को मिलेगा। लोगों को गर्मी और धूप से राहत नहीं मिलेगी। हालांकि, सोमवार यानी 22 मई से राज्य में मौसम का मिजाज बदलेगा और लोगों को राहत मिलेगी। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में 22 से 24 मई तक तेज हवा के साथ बारिश होने की संभावना है। 22 मई को 14 जिले, 23 को 19 जिले और 24 मई को राज्य के सभी जिलों में तेज हवा के साथ बारिश और आकाशीय बिजली के लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे में वाल्मीकि नगर, वैशाली,

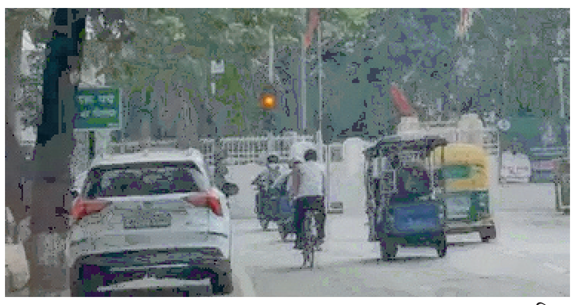

छपरा बारिश

और बेगूसराय को छोड़कर सभी जिलों के अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। राज्य के 13 जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग के वैज्ञानिक आशीष कुमार ने बताया कि सोमवार से मौसम बदलेगा। अगले 3 दिनों तक उत्तर बिहार के एक से दो जिलों में हल्की की संभावना है। चौथे और पांचवें दिन उत्तरी बिहार में भारी बारिश के आसार है। उन्होंने कहा कि अगले 24 घंटे के दौरान तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा। इसके बाद अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जाएगी। पटना मौसम विभाग के मुताबिक 21 मई तक मौसम में उतार-चढ़ाव दिखेगा। लेकिन, 22 मई से राज्य कई जिलों में बारिश होगी। इससे लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत मिलेगी। शनिवार को राज्य के 13 जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है। औरंगाबाद दूसरे दिन भी सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके साथ ही पटना का 41.8 डिग्री, गया का 42.6 डिग्री, भागलपुर का 40.3 डिग्री, रोहतास का 42.4 डिग्री, शेखपुरा का 41.8 डिग्री, जमुई का 40.9 डिग्री, भोजपुर का 42.4 डिग्री, खगड़िया का 40.6 डिग्री, बांका का 40 डिग्री, नवादा का 42 डिग्री, नालंदा का 41.2 डिग्री और सिवान का 40.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मोतियाबिंद के कारण बाघ नहीं कर पाया शिकार

बेतिया में जंगल से भटककर घर में घुसा था

वीटीआर के जंगल से भटक कर गांव पहुंचे बाघ को मोतियाबिंद है। उसकी दाहिनी आंख में मोतियाबिंद हो गया है। माना जा रहा है इसी वजह से वो शनिवार को शिकार नहीं कर पाया,क्योंकि उसे देखने में परेशानी हो रही है। अब राजगीर में उसका इलाज होगा। बता दें कि शनिवार को बेतिया के गौनाहा प्रखंड के रूपवालिया गांव में सुबह-सुबह बाघ भटक कर एक घर में घुस गया था। यहां उसने एक महिला पर हमला तो किया, लेकिन वो बच गई। जबकि घर में तीन बच्चे थे, जिन पर वो हमला नहीं कर सका। बाघ घर के लकड़ियों के ढेर के बीच छिपा बैठा था। मांगुराहा वन क्षेत्र के नयाटोला से उसे रेस्क्यू किया गया था। वन निदेशक नेशामनी ने बताया कि रेस्क्यू के बाद डॉक्टरों की जांच में बाघ की बीमारी का खुलासा हुआ। निदेशक सह संरक्षण ने बताया कि सुरक्षित जगह की तलाश में टाइगर जंगल से भटक कर रिहायशी इलाके में पहुंच गया होगा। उसे पटना भेजा गया था। वहां से मोतियाबिंद की इलाज के लिए उसे राजगीर भेजा जाएगा। इलाज के बाद निर्णय लिया जाएगा कि उसे कहां रखा जाएगा। डीएफओ प्रदूम्न गौरव ने बताया कि बाघ को फुल सिक्योरिटी और ग्रीन कॉरिडोर बना कर राजगीर भेजा गया है। शनिवार को उसके रेस्क्यू के लिए वन मंत्रालय की ओर से तीन

जिले की पुलिस व वन विभाग के अधिकारियों का सुरक्षा घेरा तैयार किया गया था। बेतिया, मोतिहारी व मुज्जफरपुर पुलिस के साथ वन विभाग के अधिकारी व वनकर्मी उसकी सुरक्षा में शामिल थे।

शनिवार की सुबह बाघ रूपवालिया गांव में कमलेश उरांव के घर में बाघ घुस गया था। यहां सुबह करीब 5 बजे बाघ घर में घुस गया और महिला पर हमला किया। महिला ने भागकर अपनी जान बचा ली, लेकिन घर में तीन बच्चे भी मौजूद थे। वन विभाग की टीम को इसकी सूचना दी गई। सबसे पहले स्थानीय लोगों और वन विभाग की टीम की मदद से बच्चों को घर से बाहर निकाला गया। इसके बाद पूरे घर को जाल से घेरा गया। 60 से ज्यादा कर्मचारियों की मदद से बाघ को 7 घंटे में रेस्क्यू कर लिया गया। डीएफओ प्रद्युमन गौरव ने बताया कि सुबह 5 बजे के करीब जानकारी मिली थी कि एक घर में टाइगर घुस गया है। इसके बाद मंगुराहा रेंज अफसर और हमारी रैपिड रिस्पॉन्स टीम मौके पर पहुंची। पता चला कि वहां एक मिट्टी के घर में बाघ छिपा हुआ था। वहां 3 बच्चे भी थे, उन्हें ग्रामीणों की सहायता से सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद हमने पूरे घर को नेट और कपड़े से चारों तरफ से घेर दिया। पहले हमने कोशिश की कि एक रास्ता खोल कर टाइगर को जंगल की तरफ जाने दिया जाए। जंगल यहां से एक किमी की दूरी पर है, लेकिन करीब 2 घंटों की मशक्कत के बाद भी वह नहीं निकला। लकड़ी के एक ढेर के नीचे जाकर बैठ गया। इस वक्त तक दिन चढ़ गया था, तब उसे खुले में निकलने देना आम लोगों के लिए खतरनाक हो सकता था। इसके बाद हमारी वेटनरी टीम और डॉक्टरों ने उसे ट्रैंकुलाइज करने का निर्णय लिया। 11:50 बजे के करीब उसे ट्रैंकुलाइज किया गया। फिर उसे यहां मंगुराहा ले आए हैं। अभी उसका मेडिकल एसेसमेंट किया जा रहा है। आईडी की जांच हो रही है।

संक्षिप्त -समाचार

औरंगाबाद में सड़क हादसे में 4 घायल

औरंगाबाद में सड़क हादसे मे चार लोग घायल हो गए। घटना रिसियप थाना क्षेत्र के बभंडी के पास की है, जहां दो तेज रफ्तार बाइकों के बीच टक्कर हो गई। घायलों में झारखंड के हैदरनगर निवासी सतीश कुमार, संजय कुमार, रिसियप थाना के बभंडी निवासी रोहित कुमार और माली थाना क्षेत्र के फुलडीहा निवासी दीपक कुमार शामिल हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दो युवकों को गंभीर हालत में रेफर कर दिया गया। सतीश और संजय शहर के सीमेंट प्लांट में काम करता था, लेकिन दोनों एक महीने पहले काम छोड़ दिया था। शनिवार को अपना सामान लेने सीमेंट प्लांट गया था, जहां से सामान लेकर वापस घर लौट रहा था। जैसे ही दोनों बाइक से बभंडी समीप पहुंचे कि सामने से आ रही बाइक में टक्कर हो गई। दोनों बाइक पर सवार चारों युवक जख्मी हो गए। बाइक की टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और सभी जख्मियों को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया। वहीं घटना की जानकारी परिजनों को भी दे दी गई है।

भागलपुर में वाहन चोरों का उत्पात

भागलपुर में बाइक चोरी की मामले लगातार सामने आते रहते हैं। हालांकि पुलिस प्रशासन के आंकड़ों के मुताबिक पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष बाइक चोरी में कमियां हुई है। बीते वर्ष 2022 के दिसंबर महीने तक 450 से ज्यादा गाडियां चोरी हुई। वहीं इस वर्ष मार्च महीने तक 100 से अधिक गाडियां चोरी हो चुकीं है। गौरतलब हो की कुछ थाने ऐसे भी हैं जो इस सूची में अव्वल हैं। बाइक चोरी के अधिकांश मामले कोतवाली, जोगसर, इशाकचक, तिलकामांझी ततारपुर और विश्वविद्यालय थाने में दर्ज हैं। बाइक चोरी की घटनाएं अक्सर भीड़भाड़ वाले इलाके में हो रही है। ज्यादातर मामले कोर्ट परिसर के बाहर सुजागंज बाजार, सब्जी मार्केट, हटिया रोड, और सुनसान लालू चौक, भट्टा रोड की तरफ चोरी की घटना अक्सर होती रहती है। वहीं जिले के सैंडिस कंपाउंड में पार्किंग की व्यवस्था और गार्ड की मौजूदगी में भी बाइक चोरी हुई है। कई मामलों में मोटरसाइकिल मालिक अपने वाहन का बीमा कराएं होते हैं, जिस कारण बाइक मालिक को बीमा की राशि मिल जाती है। जबकि बिना बीमा कराने वाले मालिकों को काफी परेशानी होती है। इस मामले में सीटी एसपी ने अमित आनंद ने कहा की, पहली क्राइम मीटिंग में ही बाइक चोरी के मामले में अनुसंधान को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि बाइक चोरी के सक्रिय गिरोह का पता लगाकर चोरी में संलिप्त सदस्यों की गिरफ्तारी जल्द से जल्द की जाएगी। साथ ही कहा कि उनके आते ही 17 चोरी की हुई बाइक की रिकवरी की गई। इससे पूर्व में भी जितनी चोरियां हुई हैं, शातिर के ठिकानों को चिन्हित कर हॉटस्पॉट बनाया जाएगा और रिकवरी के लिए छापेमारी की जाएगी।

पटना के एक सोफा कारखाने में लगी भीषण आग

पटना के मछुवा टोली इलाके में सोफा के कारखाने में रात 10 बजे भीषण आग लग गई। जिसकी वजह से दुकान का लकड़ी का पूरा सामान जलकर राख हो गया। इससे दुकानदार को लाखों का नुकसान हुआ है। इस आग को बुझाने में घटनास्थल पर दमकल की 4 गाड़ियां पहुंची। मछुआ टोली इलाके में स्थित 3 फीट गली से 100 मीटर भीतर चलकर यह दुकान है। इसके आस पास के घरों में भी आग से दरारें पर गई है। आग लगने की सही वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। लेकिन स्थानीय लोगों का मानना है कि शार्ट सर्किट की वजह से यह आग लगी है। आग इतनी बढ़ गई थी कि इसे बुझाने के लिए चार दमकल की गाड़ियों को 2 घंटे से भी ज्यादा समय लग गए। हालांकि अब आग पर पूरी तरीके से काबू पा लिया गया है। लेकिन दुकान का सारा सामान जलकर राख हो गया है। स्थानीय राकेश कुमार ने बताया कि करीब रात के 10 बजे अचानक आग की लपटें उठने लगी और धुआं निकलने लगा जिसे देखकर हमें पता चला कि यहां आग लग गई है। दमकल की गाड़ी समय पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है। लेकिन आग इतनी तेज थी की थोड़ी ही देर में सारा सामान जल गया। आग पर काबू तो पा लिया गया है लेकिन धुआं अभी भी निकल रहा है। अब सुबह ही पता चल पाएगा की इस आग से क्या और कितना नुकसान हुआ है?

बहन की शादी में पैस खर्च करने से था नाराज

बेतिया में बेटे राजन (20) ने अपने ही पिता रामा पंडित (65) की ईंट-पत्थर से कूचकर हत्या कर दी। मृतक की पत्नी कलावती देवी का कहना है कि राजन की शादी 2016 में हुई थी। शादी के बाद से ही वह अपने ससुराल में ही रहता है। वह अपने सास-ससुर की बातों में आकर अक्सर हमलोगों के साथ मारपीट करता है। हमारी तीन बेटियां है। दूसरी बेटी की शादी 15 मई को हुई है, जिसके बाद राजन यह कहकर मारपीट कर रहा था कि बहन की शादी में ज्यादा पैसे क्यों खर्च किए। पूरा मामला जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र मोहछी शुगर की है। वहीं मौके पर पहुंची गोपालपुर थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बेतिया मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया और मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है। मृतक की पत्नी का आरोप है कि राजन (20) ने अपने सास, ससुर और अन्य साथियों के साथ मिलकर शनिवार देर रात उनके पति रामा पंडित की ईंट-पत्थर से कूचकर हत्या कर दी है। एक-दो दिन से आरोपी बेटा यह कहकर मारपीट कर रहा कि बेटी की शादी में ज्यादा पैसे खर्च क्यों किए, जिसके बाद वह देर रात अपने सास-ससुर के साथ मिलकर मेरे पति की हत्या कर दी। मृतक की सबसे छोटी बेटी चंदा ने कहा कि उनका भाई राजन अपने ससुराल में रहता है। ससुर तुलसी पंडित के कहने पर कई बार पिता की हत्या की कोशिश भी कर चुका था, लेकिन हर बार वह विफल हो जाता था। कल शाम को आरोपी बेटा राजन घर आया और खाना खाकर सो गया। जब सब सो गए तो रात 2 बजे के करीब राजन ने पिता की हत्या कर दी। गोपालपुर थाना अध्यक्ष राजरूप राय ने कहा कि इकलौते पुत्र राजन पर अपने पिता की हत्या का आरोप लगाया गया है। मृतक के शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बेतिया मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्विट्जरलैंड या ऑस्ट्रिया नहीं, यह धरती का स्वर्ग है; कश्मीर पहुंचे अरब के इंफ्लुएंसर ने की तारीफ

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में 22-24 मई तक जी-20 की बैठक होने वाली है। इसमें शामिल होने के लिए कई देशों के प्रतिनिधि इन दिनों भारत में हैं। अरब के इंफ्लुएंसर अमजद ताहा भी आए हैं। उन्होंने एक वीडियो ट्वीट करते हुए कश्मीर की तारीफ की और इसे धरती का स्वर्ग बताया है। उन्होंने लिखा, यह स्विट्जरलैंड या ऑस्ट्रिया नहीं बल्कि कश्मीर है। यह धरती का स्वर्ग है। उन्होंने यह भी कहा कि इस जगह ने पृथ्वी की रक्षा की है और यह जलवायु परिवर्तन का जवाब हो सकता है। उन्होंने लिखा, यह स्विट्जरलैंड या ऑस्ट्रिया नहीं है। यह भारत है। यह कश्मीर है जहां त20 होगा। इसे पृथ्वी पर स्वर्ग कहा जाता है। यह एक ऐसा स्थान है जिसने पृथ्वी को संरक्षित किया है। यह जलवायु परिवर्तन का समाधान हो सकता है। उन्होंने आगे लिखा, हम देखते हैं कि मुस्लिम, हिंदू, सिख और ईसाई सभी शांति से रह रहे हैं और भविष्य के लिए नवाचार और विकास में योगदान करते हुए अपनी इस भूमि का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा, कश्मीर यह सुनिश्चित करता है कि अशांति और हिंसा के बावजूद इसकी सुंदरता लोगों को मंत्रमुग्ध करती है। आज भी प्रसिद्ध कवि अमीर खुसरो की बात सही साबित हो रही है। अगर फिरदौस बार रू-ए ज़मीन अस्त, हमीन अस्त-ओ हमीन अस्त-ओ हमीं अस्त। यानी कि पृथ्वी पर कहीं स्वर्ग है, तो वह यहीं है। आपको बता दें कि भारत की अध्यक्षता में जी20 पर्यटन कार्य समूह की तीसरी बैठक 22-24 मई से जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में होने वाली है। इससे पहले पंजाबी गायक यो यो हनी सिंह ने पहली बार प्रतिष्ठित जी20 बैठक की मेजबानी करने के लिए जम्मू और कश्मीर की तारीफ की थी। उन्होंने कहा, मुझे पता चला कि जी20 शिखर सम्मेलन इस बार कश्मीर में हो रहा है।

राजीव गांधी को सोनिया-राहुल-प्रियंका की श्रद्धांजलि, राहुल ने लिखा- पापा आप प्रेरणा के रूप में, यादों में हमेशा मेरे साथ ही हैं

पिछले साल भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत करने से पहले भी राहुल पिता के स्मारक पर गए थे। कांग्रेस हर साल 21 मई को राजीव गांधी के शहादत दिवस के रूप में मनाती है। देशभर में ब्लड डोनेशन कैंप और दूसरे इवेंट्स का आयोजन किया जाता है।

श्रीपेरंबदूर। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 32वीं पुण्यतिथि पर सोनिया, राहुल, प्रियंका और मल्लिकार्जुन खड़गे ने वीर भूमि जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। 32 साल पहले 21 मई, 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक आत्मघाती हमले में राजीव गांधी की जान चली गई थी। राहुल गांधी अपने पिता को श्रद्धांजलि देने के लिए आज श्रीपेरंबदूर भी जाएंगे। राहुल गांधी ने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो शेयर करके पिता को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा- पापा, आप मेरे साथ ही हैं, एक प्रेरणा के रूप में, यादों में, सदा! इस वीडियो में बताया गया है कि राजीव गांधी ने देश में विकास में क्या-क्या योगदान दिया। इस वीडियो में उनके शपथ ग्रहण समारोह की तस्वीरों से

लेकर प्रधानमंत्री रहते हुए देश को लेकर उनकी सोच और उनकी कार्य-शैली की झलक दिखाई गई है।

श्रीपेरंबदूर में राजीव गांधी की याद में बनाया गया है मेमोरियल

श्रीपेरंबदूर में राजीव गांधी की याद में एक मेमोरियल बनाया गया है। पिछले साल भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत करने से पहले भी राहुल पिता के स्मारक पर गए थे। कांग्रेस हर साल 21 मई को राजीव गांधी के शहादत दिवस के रूप में मनाती है। देशभर में ब्लड डोनेशन कैंप और दूसरे इवेंट्स का आयोजन किया जाता है।

एमके स्टालिन से मुलाकात कर सकते हैं राजीव गांधी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राहुल के साथ कई दूसरे कांग्रेस नेता भी श्रीपेरंबदूर जा सकते हैं। राहुल तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और कांग्रेस नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं।

तमिलनाडु कांग्रेस के वर्किंग प्रेसिडेंट एमके विष्णु प्रसाद ने कहा कि 21 मई हमारी पार्टी के लिए बहुत भावनात्मक दिन होता है। इस दिन राहुल गांधी के तमिलनाडु आने से पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि राहुल की भारत जोड़ो यात्रा का राज्य के लोगों पर अच्छा प्रभाव पड़ा है।

LTTE ने करवाई थी तत्कालीन प्रधानमंत्री की हत्या

राजीव गांधी चुनाव प्रचार के लिए श्रीपेरंबदूर गए थे। इस दौरान एक कार्यक्रम में LTTE की महिला आतंकी धनु माला पहनाने के बहाने उनके पास पहुंची। उसने राजीव के पैर छूए और कमर पर बंधे विस्फोटकों में ब्लास्ट कर दिया। धमाके में राजीव और हमलावर धनु समेत 16 लोगों की मौत हो गई थी। दरअसल, 1987 में LTTE लड़ाकों से मुकाबले के लिए राजीव गांधी ने श्रीलंका में पीस कीपिंग फोर्स भेजी थी। ये फोर्स मार्च 1990 तक श्रीलंका में रही। LTTE ने इसका बदला लेने के लिए राजीव पर आत्मघाती हमला करवाया।

दिल्ली में 40 हजार से ज्यादा लोगों के पास लाइसेंसी हथियार, चौंका देगी महिलाओं की संख्या

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शस्त्र लाइसेंस रखने वाले लोगों में महज दो फीसदी महिलाएं शामिल हैं, जिनमें से ज्यादातर या तो खेल क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं या फिर जिन्हें यह विरासत में मिला है। दिल्ली पुलिस के लाइसेंस विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि शहर के 15 पुलिस जिलों में 41,600 लोगों के पास शस्त्र लाइसेंस हैं और इनमें से 888 महिलाएं हैं। पुलिस उपायुक्त (लाइसेंसिंग) बिस्मा काजी ने सूचना के अधिकार के तहत दायर एक आवेदन पर जानकारी दी है। पहले विभाग में तैनात एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया, ''हम किसी आवेदक के लिंग के आधार पर कानून के तहत लाइसेंस देने में कोई खास छूट नहीं देते हैं। चाहे पुरुष हो या महिला, हम यह विश्लेषण करते हैं कि क्या उसकी जान को वास्तव में खतरा है और उसी के बाद हम लाइसेंस जारी करते हैं। उन्होंने कहा कि शस्त्र लाइसेंस के लिए आवेदन देने वाली महिलाओं की संख्या बहुत कम है। आंकड़ों का हर जिले के अनुसार विश्लेषण करने से पता चला है कि कई पॉश कॉलोनी वाले दक्षिण पुलिस जिले में सबसे ज्यादा 264 महिलाओं के पास शस्त्र लाइसेंस हैं। इस जिले में सबसे ज्यादा 7,161 लाइसेंस धारक पुरुष और महिलाएं हैं। पुलिस की शस्त्र लाइसेंस इकाई के एक सेवानिवृत्त अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर बताया, ''इन इलाकों में कई जाने-माने लोग रहते हैं और उनमें से कुछ को विभिन्न कारणों से सच में जान का खतरा होता है। इसके

अलावा, कुछ महिला निशानेबाज भी यहां रहती हैं और इसलिए यह संख्या थोड़ी ज्यादा है। नई दिल्ली पुलिस जिले में 138 महिलाओं के पास शस्त्र लाइसेंस हैं। यह जिला जारी होने वाले कुल लाइसेंस के लिहाज से भी दूसरे स्थान पर है। दक्षिण-पश्चिम पुलिस जिला तीसरे स्थान पर है और वहां 103 महिलाओं समेत कुल 3,879 लोगों के पास शस्त्र लाइसेंस हैं। सेवानिवृत्त अधिकारी ने दावा किया, ''दक्षिण-पश्चिम जिले में पूर्व में कई गिरोहों के बीच झड़प हुई है और इन झड़पों में कई महिलाओं ने अपने पति को खोया है।

'डर्टी पॉलिटिक्स' कर रहे एलजी, अफसरों के उत्पीड़न की शिकायतें पूरी तरह से गलत- दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच अधिकारों को लेकर तनातनी थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला अधिकारियों के उत्पीड़न से जुड़ा है। अब दिल्ली सरकार ने एलजी ऑफिस के दावे को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने कहा कि अफसरों के द्वारा लगाई उत्पीड़न की शिकायतें पूरी तरह से गलत हैं, एलजी गंदी राजनीति कर रहे हैं। सरकार ने अपने बयान में कहा कि यह शिकायतें पूरी तरह से गलत हैं।

एलजी सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के आदेश को अध्यादेश के जरिए पलटकर न्यायपालिका पर केंद्र सरकार के सीधे हमले के खिलाफ जनता के ध्यान को भटकाना चाहते हैं। इसलिए वह गंदी राजनीति कर रहे हैं।

एलजी ऑफिस ने किया दावा

दरअसल,उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से शनिवार को दावा किया गया कि आप सरकार ने दिल्ली सरकार और एमसीडी में काम करने वाले अधिकारियों का उत्पीड़न किया है।

● दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने कहा कि अफसरों के द्वारा लगाई उत्पीड़न की शिकायतें पूरी तरह से गलत हैं, एलजी गंदी राजनीति कर रहे हैं।

उन्हें बीते कुछ माह में अधिकारियों के उत्पीड़न की कई शिकायतें मिली हैं। कुछ शिकायतें दिल्ली के साथ-साथ पंजाब सरकार से भी संबंधित हैं। उपराज्यपाल कार्यालय के अनुसार, दो शिकायतें इस साल की शुरुआत में मिली थीं। जबकि 11 मई को आए सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद छह शिकायतें प्राप्त हुई हैं। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि दिल्ली और पंजाब में आप की सरकारों ने पार्टी पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के प्रतिशोध में उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को परेशान करना शुरू कर दिया है। जिन अधिकारियों ने आप सरकार के खिलाफ शिकायत की है।

इन अधिकारियों ने लगाए सरकार पर आरोप

शिकायतकर्ताओं में मुख्य सचिव नरेश कुमार, पूर्व सेवा सचिव आशीष माधोराव मोरे, विशेष सचिव किन्नी सिंह, वाइवीवीजे राजशेखर और ऊर्जा सचिव शूरबीर सिंह जैसे आइएएस अधिकारी शामिल हैं। वहीं, आइपीएस अधिकारी और भ्रष्टाचार निरोधक शाखा के प्रमुख मधुर वर्मा, एमसीडी के गृहकर विभाग में आईपीएस अधिकारी एवं मुख्य मूल्यांकनकर्ता और गृहकर समाहर्ता कुणाल कश्यप व तदर्थ दानिक्स अधिकारी और सेवा विभाग में उपसचिव अमिताभ जोशी ने भी शिकायत की है।

'प्रधानमंत्री को नहीं करना चाहिए नए संसद भवन का उद्घाटन', राहुल गांधी ने दिया इनका नाम

नई दिल्ली। वीर सावरकर की जयंती पर देश के नया संसद भवन मिलने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करने जा रहे हैं। लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला ने हाल ही में उनसे मुलाकात के बाद इसका ऐलान किया था। अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस उद्घाटन पर सवाल उठा दिया है। उनका कहना है, नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति जी को ही करना चाहिए, प्रधानमंत्री को नहीं! इससे पहले विपक्ष के नेताओं ने विनायक दामोदर सावरकर की जयंती पर नए संसद भवन का उद्घाटन करने के फैसले को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस ने जहां इसे राष्ट्र निर्माताओं का अपमान करार दिया। वहीं, कुछ विपक्षी नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी संसद के नए भवन का उद्घाटन क्यों करेंगे। आपको बता दें कि राहुल गांधी वर्तमान में संसद के किसी भी सदन के सदस्य नहीं है। गुजरात के एक कोर्ट द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद उनकी सदस्यता चली गई। उन्होंने ऊपरी अदालत में इसके खिलाफ

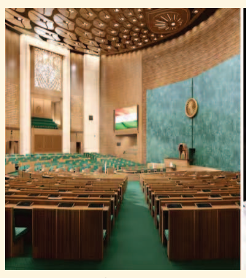

अपील की है। राहुल गांधी को अपना सरकारी आवास भी खाली करना पड़ा।

पीएम मोदी ने बताया था मील का पत्थर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 दिसंबर 2020 को नए संसद भवन की आधारशिला रखी थी। तब उन्होंने कहा था कि भारत के संसद भवन के निर्माण की शुरुआत हमारी लोकतांत्रिक परंपराओं के सबसे महत्वपूर्ण चरणों में से एक है। उन्होंने कहा था संसद की इस नई इमारत से कुछ भी अधिक सुंदर या अधिक शुद्ध नहीं हो सकता, जब भारत अपनी आजादी के 75 साल मनाएगा।

शत्रुता नहीं अपनत्व की भावना से होगा रूस यूक्रेन टकराव का अंत : पीएम नरेन्द्र मोदी

हिरोशिमा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस यूक्रेन के बीच टकराव को समाप्त करने के लिए विश्व के सर्वाधिक समृद्ध एवं शक्तिशाली सात देशों को भगवान बुद्ध के संदेश पर चलने का आह्वान किया जिसके अनुसार, शत्रुता से शत्रुता शांत नहीं होती। अपनत्व से शत्रुता शांत होती है।

श्री मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन नौवें सत्र में अपने आरंभिक वक्तव्य में यह आह्वान किया। नौवें सत्र में वैश्विक शांति, स्थिरता एवं समृद्धि के विषय पर चर्चा में रूस यूक्रेन का विषय छाया रहा। श्री मोदी ने रूस यूक्रेन संघर्ष को

टालने में संयुक्त राष्ट्र एवं सुरक्षा परिषद की विफलता का हवाला देते हुए वैश्विक निकायों में सुधार की मांग को पुरज़ोर तरीके से रखा। इस मौके पर अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ आर बिडेन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मनी के चांसलर ओलोफ शोल्ज़, जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ भी मौजूद थे।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमिर ज़ेलेन्स्की के बयान का हवाला देते हुए श्री मोदी ने कहा, ÷आज हमने राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की को सुना। कल मेरी उनसे मुलाकात भी हुई थी। मैं वर्तमान परिस्थिति को राजनीति या अर्थव्यवस्था का मुद्दा नहीं मानता। मेरा मानना है कि यह मानवता का मुद्दा है, मानवीय मूल्यों का मुद्दा है। हमने शुरू से कहा है कि संवाद और कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है और इस परिस्थिति के समाधान के लिए, भारत से जो कुछ भी बन पड़ेगा, हम यथासंभव प्रयास करेंगे।÷

प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि हम सब का साझा उद्देश्य है। आज के अंतरनिर्भर विश्व में, किसी भी एक क्षेत्र में तनाव सभी देशों को प्रभावित करता है और विकासशील देश, जिनके पास सीमित संसाधन हैं, सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। वर्तमान वैश्विक स्थिति के चलते, भोजन, ईंधन और उर्वरक संकट का अधिकतम और सबसे गहरा प्रभाव इन्हीं देशों को भुगतना पड़ रहा है।

उन्होंने वैश्विक निकायों की विफलता का संकेत करते हुए कहा, ÷यह सोचने की बात है, कि भला हमें शांति और स्थिरता की बातें अलग-अलग मंचों में क्यों करनी पड़ रही हैं? संयुक्त राष्ट्र जिसकी शुरुआत ही शांति स्थापित करने की कल्पना से की गयी थी, भला आज संघर्षों को रोकने में सफल क्यों नहीं होता?आखिर क्यों, संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद की परिभाषा तक मान्य नहीं हो पाई है?

केदारनाथ मंदिर पर नया खतरा, 9 हेलिपैड से हर 5 मिनट में केदारनाथ के लिए उड़ान; शोर से ग्लेशियर कांपा तो मंदिर खतरे में

नई दिल्ली। केदारनाथ यात्रा 25 अप्रैल से 14 नवंबर 2023 तक चलेगी। इन 7 महीने में श्रद्धालुओं की संख्या के सारे रिकॉर्ड टूटेंगे। लेकिन, केदारनाथ घाटी के लिए एक बड़ी चिंता भी है- कंपन पैदा करता हेलिकॉप्टरों का शोर। आपको बता दें कि 2023 में हर 5 मिनट में एक हेलिकॉप्टर केदारनाथ मंदिर क्षेत्र में गड़गड़ाएगा। यही है नया संकट। क्योंकि, विशेषज्ञ कह रहे हैं कि यह पवित्र मंदिर ग्लेशियर को काटकर बनाया गया है। इसलिए शोर से घाटी के दरकने और हेलिकॉप्टरों के धुंए के कार्बन से पूरा इलाका खतरे की जद में है। हमने भगवान तक पहुंचने के इतने सरल व अवैज्ञानिक रास्ते बना दिए कि भगवान पर ही मुसीबत आ गई है। केदारनाथ के लिए 1997-98 तक एक हेलिपैड था। अब 9 बन गए हैं।

8 साल पहले 10-15 उड़ानें थीं और अब हर दिन 250

ये देहरादून से फाटा तक फैले हैं और 9 कंपनियों के लिए उड़ान सुविधा देते हैं। 8 साल पहले तक केदारनाथ के लिए कुल 10-15 उड़ानें थीं। अब केदारनाथ वैली में सुबह 6 से शाम 6 बजे तक हेलिकॉप्टर रोजाना 250 से ज्यादा राउंड लगाते हैं। इनका शोर और इनसे निकलने वाले कार्बन ने ग्लेशियर काटकर बनाए मंदिर और उसकी पूरी घाटी के लिए नया संकट खड़ा कर दिया है।

केदानाथ घाटी हिमालय के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में आती है। तेजी से बढ़ रही यात्रियों की संख्या पहले ही चिंतित करने वाली है। उस पर हेलिकॉप्टरों का यह शोर और इनकी बढ़ती संख्या किसी विकराल संकट का रूप न ले ले, यही डर है। केदारनाथ में नीचे उड़ते हेलिकॉप्टर्स से दुर्लभ प्रजातियों के कई जीवों का ब्रीडिंग साइकल बिगड़ा है। उत्तराखंड का राज्य पक्षी मोनाल और राजकीय पशु कस्तूरी मृग इस सेंचुरी में अब नहीं दिखते। तितलियों की कई दुर्लभ प्रजातियां तो गायब हो चुकी हैं। स्नो लैपर्ड, हिमालयन थार और ब्राउन बीयर्स भी खतरे में हैं। वाइल्ड लाइफ इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया भी हेलिकॉप्टर्स के शोर के कारण जानवरों के बदलते बर्ताव पर चिंता जता चुका है। एक तथ्य यह भी है कि देश में निजी व कर्मशियल हेलिकॉप्टर्स की संख्या अगले 5 साल में 5 से 10 गुना बढ़ने के अनुमान है। जाहिर सी बात है कि केदारनाथ मंदिर क्षेत्र पर शोर और प्रदूषण का दबाव बढ़ने वाला है।

9 कंपनियां, हर कंपनी के रोज 27 से 30 फेरे, उड़ान भी कम ऊंचाई पर

केदारनाथ यात्रा में पहुंचने वाले लोगों के लिए 9 कंपनी काम कर रही हैं। ऐरो एयरक्राफ्ट के जीएम (ऑपरेशन्स) विक्रम सिंह बताते हैं कि 12 हेलिपैड हैं। इनमें 9 ऑपरेशनल हैं। एक ऑपरेटर 27 से 30 फेरे रोज लगाता है।

तय ऊंचाई 600 मीटर, उड़ान 250 मीटर तक-एनजीटी ने सुनिश्चित करने को कहा था कि हेलिकॉप्टर केदारनाथ सेंचुरी में 600 मीटर के नीचे न उड़ें। आवाज 50 डेसिबल हो। लेकिन फेरे जल्दी पूरे करने और फ्यूल बचाने के लिए हेलिकॉप्टर 250 मी. ऊंचाई तक उड़ते हैं। आवाज भी दोगुनी होती है। देहरादून स्थित वाडिया इंस्टिट्यूट में ग्लेशियर विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. डीबी डोभाल कहते हैं- सरकार को ये रिपोर्ट दे चुके हैं कि इससे मंदिर और घाटी को बड़ा खतरा हो सकता है।

भास्कर एक्सपर्ट- सरकार कराए नुकसान की स्टडी, फिर तय हों फेरे

पद्मभूषण पर्यावरणविद् डॉ. अनिल जोशी बताते हैं कि हिमालय के इस सबसे संवेदनशील व शांत क्षेत्र में 100 डेसिबल शोर और कार्बन उत्सर्जन हर 5 मिनट में होगा तो मंदिर-पर्यावरण-वन्यजीवों के लिए खतरा तय है। उत्तराखंड सरकार नुकसान की स्टडी कराए, फिर फेरे तय करें। 2013 में हम प्रकृति की ताकत को न समझने की भूल कर चुके हैं।'